



सत्यमेव जयते  
महाराष्ट्र शासन

# कार्यक्रम अंदाजपत्रक २०२४—२०२५

पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग  
(जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध)

PERFORMANCE BUDGET

2024 - 2025

ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT  
(PREVENTION OF WATER AND AIR POLLUTION)

# **कार्यक्रम अंदाजपत्रक २०२४-२०२५**

## **पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग (जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध)**

**PERFORMANCE BUDGET**

**2024 - 2025**

**ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT  
(PREVENTION OF WATER AND AIR POLLUTION)**

(ii)

(iii)

अनुक्रमणिका  
CONTENTS

पृष्ठे  
Page No.

|   |     |     |
|---|-----|-----|
| तक्ता 'अ'<br>Statement 'A'  | ... | 2-3 |
| तक्ता 'ब'<br>Statement 'B'  | ... | 2-3 |
| संपूर्ण अर्थसंकल्पाचा प्रधानशीर्ष तथा कार्यक्रमानुसार तपशील<br>Major Head-cum Programmewise-Details of Total Budget Estimates 2024-2025 |     |     |
| <i>कार्यक्रम -<br/>Programme-</i>   |     |     |
| १. मंत्रालय-पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग<br>1. Mantralaya- Environment and Climate Change Department.                                 | ... | 5   |
| २. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ<br>2. Maharashtra Pollution Control Board   | ... | 17  |

---



---

---

तक्ता क्रमांक 'अ' व 'ब'  
**TABLE No. 'A' AND 'B'**

---

---

तक्ता-  
STATEMENT--  
२०२४-२०२५ च्या संपूर्ण अर्थसंकल्पाचा  
Programmewise details of

| अनुक्रमांक<br>Serial No. | कार्यक्रमाचे नाव                            | प्रत्यक्ष रक्कमा २०२२-२०२३<br>Actuals Expenditure 2022-2023 |                    |               | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२३-२०२४<br>Budget Estimates 2023-2024 |                    |               |
|--------------------------|---|---|--------------------|---------------|--|--------------------|---------------|
|                          |   | महसुली<br>Revenue   | भांडवली<br>Capital | एकूण<br>Total | महसुली<br>Revenue  | भांडवली<br>Capital | एकूण<br>Total |
| 1                        | 2   | 3   | 4                  | 5             | 6  | 7                  | 8             |
| १.                       | जल व वायु प्रदूषण प्रतिबंध ...              | 66172   | 0                  | 66172         | 90592  | 0                  | 90592         |
|                          | ...   |   |                    |               |  |                    |               |
|                          | एकूण-१ ...                                  | 66172   | 0                  | 66172         | 90592  | 0                  | 90592         |
| २.                       | मंत्रालय पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग ... |   |                    |               |  |                    |               |
|                          | २२५१+ ...                                   | 50931   | 0                  | 50931         | 77853  | 0                  | 77853         |
|                          | २२३५+ ...                                   | 0   | 0                  | 0             | 60   | 0                  | 60            |
|                          | ७६१० ...                                    | 3665  | 0                  | 3665          | 14621  | 0                  | 14621         |
|                          | ३४३५+                                       |   |                    |               |  |                    |               |
|                          |   | 2206177   | 0                  | 2206177       | 4289501  | 0                  | 4289501       |
|                          | एकूण-२ ...                                  | 2260773   | 0                  | 2260773       | 4382035  | 0                  | 4382035       |
|                          | एकूण १ + २ ...                              | 2326945   | 0                  | 2326945       | 4472627  | 0                  | 4472627       |

तक्ता-  
STATEMENT--  
संपूर्ण अर्थसंकल्पाचा प्रधानशीर्ष तथा  
Major Head-cum Programmewise

| कार्यक्रम<br>क्रमांक<br>Programme<br>No. | अर्थसंकल्पातील<br>प्रधान शिर्ष<br>व कार्यक्रमाचे नाव | प्रत्यक्ष रक्कमा २०२२-२०२३<br>Actuals 2022-2023 | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२३-२०२४<br>Budget Estimates 2023-2024 |
|--|--|---|--|
| 1  | 2  | 3   | 4  |
| १.                                       | जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध ...                        |   |  |
|  | अनुक्रमांक यु. १ ...                                 | 66172   | 90592  |
|  | २०४९, व्याज प्रदाने ...                              |   |  |
| २.                                       | २२३५, सामाजिक सुरक्षा व कल्याण ...                   | 0   | 60   |
| ३.                                       | २२५१, सचिवालय सामाजिक सेवा ...                       |   |  |
|  | मागणी क्रमांक यु.-३ दत्तमत ...                       | 50931   | 77853  |
|  | भारित ...  |   |  |
| ४.                                       | जल व हवा प्रदूषण प्रतिबंध ...                        |   |  |
|  | मागणी क्रमांक यु.-४ ...                              | 2206177   | 4289501  |
|  | ३४३५, परिस्थिती व पर्यावरण ...                       |   |  |
| ५.                                       | मागणी क्रमांक यु.-५ ...                              |   |  |
|  | ७६१०, शासकीय कर्मचा-यांना ...                        | 3665  | 14621  |
|  | कर्ज इ. ...  |   |  |
|  | एकूण ...   | 2326945   | 4472627  |

‘अ’

3

‘A’

कार्यक्रमानुसार तपशील  
Total Budget Estimates 2024-2025(रुपये हजारात)  
(Rupees in Thousands)

| सुधारित अंदाज २०२३-२०२४<br>Revised Estimate 2023-2024 |                          |                     | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२४-२०२५<br>Budget Estimates 2024-2025 |   |
|---|--------------------------|---------------------|--|---|
| महसुली<br>Revenue<br>9                                | भांडवली<br>Capital<br>10 | एकूण<br>Total<br>11 | 12   | Name of the Programme<br>13                     |
| 88507   | 0                        | 88507               | 105756   | <b>1. Prevention of Water and Air Pollution</b> |
| 88507   | 0                        | 88507               | 105756   | <b>Total-1</b>                                  |
| 58921   | 0                        | 58921               | 77697  | <b>2. Mantralaya Environment Department</b>     |
| 60  | 0                        | 60                  | 60   | (2251) +<br>(2235) +                            |
| 14621   | 0                        | 14621               | 16531  | 7610  |
| 4079501   | 0                        | 4079501             | 4499502  | (3435)  |
| 4153103   | 0                        | 4153103             | 4593790  | <b>Total-2</b>                                  |
| 4241610   | 0                        | 4241610             | 4699546  | <b>Total (1+2)</b>                              |

‘ब’

‘B’

कार्यक्रमानुसार तपशील  
Total Budget Estimates 2024-2025(रुपये हजारात)  
(Rupees in Thousands)

| सुधारित अंदाज २०२३-२०२४<br>Revised Estimate 2023-2024 |         | अर्थसंकल्पीय अंदाज २०२४-२०२५<br>Budget Estimates 2024-2025 |  | Major Head and<br>Name of the Programme  |
|---|---------|--|--|--|
| 5   | 6       | 7  |  |  |
| 88507   | 105756  |  |  | 1. Control over Water and Air Pollution...<br>Demand No. U--1<br>2049--Interest Payment    |
| 60  | 60      |  |  | 2. 2235-Social Security and Welfare<br>Demand No. U--2                                     |
| 58921   | 77697   |  |  | 3. 2251-Secretariate Social services<br>Demand No. U-3                                     |
| 4079501   | 4499502 |  |  | 4. Prevention of Water and Air Pollution<br>Demand No. U-4<br>3435 Ecology and Environment |
| 14621   | 16531   |  |  | 5. Demand No. U-5<br>7610-Loans to Govt. Servants etc.                                     |
| 4241610   | 4699546 |  |  | ... <b>Total.</b>  |





**१.पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग, मंत्रालय****1. ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT,  
MANTRALAYA****प्रास्ताविक :**

मंत्रालय पातळीवर स्वतंत्र पर्यावरण विभाग दिनांक १-५-१९८५ पासून अस्तित्वात आला आहे.

प्रधान सचिव (पर्यावरण) यांना त्यांच्या प्रशासकीय कामात उपसचिव, अवर सचिव व कक्ष अधिकारी मदत करतात. विभागातील तांत्रिक कामात प्रधान सचिव (पर्यावरण) यांना मदत करण्यासाठी संचालक (पर्या.), शास्त्रज्ञ श्रेणी -१ व शास्त्रज्ञ श्रेणी - २ हे अधिकारी आहेत.

विभागाचे काम सर्वसाधारण पर्यावरण संरक्षण हे आहे. पैकी जल व वायू प्रदूषण नियंत्रणाचे कामकाज महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत करून घेतले जाते. विभागाच्या कामावर प्रधान सचिव, संचालक, उपसचिव यांचे नियंत्रण असते. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या कामावर मंडळाचे अध्यक्ष, सदस्य सचिव आणि मंडळाचे इतर सदस्य ह्यांचे नियंत्रण असून मंडळ पर्यावरण विभागाच्या अखत्यारित काम करते.

---

## पर्यावरण विभाग

१. महाराष्ट्र राज्य हे भारतातील एक औद्योगिक दृष्टीने पुढारलेले राज्य असून या राज्यात मोठ्या प्रमाणावर लहान मोठे व मध्यम उद्योग आहेत. देशातील सर्वात जास्त कामगार महाराष्ट्र राज्यात आहेत. महाराष्ट्रातील शहरी भागात जास्त लोकवस्ती एकवटली असून (२.५ कोटी) त्यापैकी ७० टक्के नागरी वस्ती बृहन्मुंबई प्राधिकरण व अ वर्गातील १० शहरामध्ये एकवटली आहे. मुंबई प्राधिकरण जास्त प्रमाणात व्यापारीकरण व औद्योगिकदृष्ट्या अग्रस्थानी आहे. महाराष्ट्रातील नागरी लोकसंख्येच्या ४५ टक्के लोकसंख्या मुंबई प्राधिकरण क्षेत्रात एकवटली आहे. वाढत्या कारखान्यामुळे आणि शहरीकरणामुळे मुंबई प्राधिकरण भागात वार्षिक ४.७ टक्के लोकसंख्या वाढत आहे. यामुळे पर्यावरणाचा वेगाने -हास होत आहे.

नगर विकास विभागातून पर्यावरण विभाग वेगळा करून मे १९८५ पासून तो कार्यरत झाला.

### २. सीआरझेड प्राधिकरण

“केंद्र शासनाने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ अंतर्गत सागरी किनारा क्षेत्रातील पर्यावरणाचे संरक्षण, संवर्धन आणि विकास कामांचे नियमन करण्यासाठी दि. १९/०१/१९९१, ०६/०१/२०११ व नव्याने १८/०१/२०१९ रोजी सागरी किनारा विनियमन क्षेत्र अधिसूचना पारित केली आहे. या सागरी किनारा विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, २०१९ नुसार उच्चतम भरती रेषा निश्चित करण्यात आलेली आहे व राज्यातील सात तटीय - मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पालघर, रायगड, रत्नागिरी व सिंधुदुर्ग जिल्ह्यांचे सागर तटीय व्यवस्थापन नकाशे केंद्र शासनाने मंजूर केले असून प्राधिकरणाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करून देण्यात आले आहेत. सागरी किनारा विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, २०१९ नुसार सागरी किनारा विनियमन क्षेत्राची मर्यादा समुद्राभिमुख क्षेत्रासाठी ५०० मीटर व खाडीलगतच्या क्षेत्रासाठी ५० मीटर करण्यात आलेली आहे. केंद्र शासनाने सागरतटीय विनियमन क्षेत्राच्या अधिसूचनांची अंमलबजावणी करण्यासाठी प्रधान सचिव / सचिव, पर्यावरण यांचे अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र तटीय क्षेत्र व्यवस्थापन प्राधिकरणाची स्थापना केलेली आहे. पर्यावरण विभागातील संचालक/ उप सचिव पदावरील अधिकारी हे या प्राधिकरणाचे सदस्य सचिव आहेत. महाराष्ट्र सागरी क्षेत्र व्यवस्थापन प्राधिकरणांमार्फत राज्यातील सागरतटीय विनियमन क्षेत्रातील बांधकामांना सागरतटीय विनियमन क्षेत्र अधिसूचना, २०१९ मधील तरतुदीनुसार परवानगी देण्यात येते. तसेच सदर अधिसूचनांचा भंग झाल्यास संबधितांवर कारवाई करणेसाठी जिल्हाधिकारी यांचे अध्यक्षतेखाली जिल्हास्तरीय सागरी किनारा संनियंत्रण समितीची स्थापना केलेली आहे.”

### ३. राष्ट्रीय हरित सेना योजना -

राष्ट्रीय हरीत सेना ही १०० टक्के केंद्र पुरस्कृत महत्वाकांक्षी योजना असून शालेय विद्यार्थ्यांद्वारे त्यांच्या प्रत्यक्ष सहभागातून पर्यावरण संरक्षणाबाबत जनजागृती करणे हा या योजनेचा उद्देश आहे.

ही योजना सन २००२ पासून सुरु झाली असून महाराष्ट्रात प्रत्येक जिल्ह्यात प्रत्येकी २५० इको क्लबनिर्माण करण्यात आले आहेत. प्रत्येक इको क्लबमध्ये ५० विद्यार्थ्यांना समाविष्ट करण्यात येते. आतापर्यंत राज्यात ८८९८ इको क्लबस् स्थापन करण्यात आले असून त्यामध्ये सुमारे ४,४२,५०० विद्यार्थी सहभागी आहेत. या इको क्लबस् मार्फत स्मृतीवन विकास, बीज भंडार (Seed Bank) फटाक्यांचे दुष्परिणाम तसेच ध्वनी व जल प्रदूषण इत्यादी बाबत विविध लघु प्रकल्प राबविण्यात येतात. ह्यासाठी प्रत्येक इको क्लबला केंद्र शासनाद्वारे रु. २,५०० अनुदान देण्यात येते.

## ४. जिल्हा पर्यावरण समिती

जिल्हा पर्यावरण संवर्धनात व संरक्षणात स्थानिक यंत्रणेच्या व जनतेच्या जनसहभागाचे महत्व लक्षात घेऊन केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालयाने देशातील प्रत्येक राज्यात प्रदूषण नियंत्रण मंडळाव्यतिरिक्त जिल्हा पातळीवर जिल्हा पर्यावरण समिती गठित करण्याबाबत निदेश त्यांच्या दि. ३०-१२-१९८८ च्या पत्राद्वारे दिलेले आहेत. ही समिती गठित करण्यामागील केंद्र शासनाचा मुख्य हेतू हा, जिल्ह्यातील पर्यावरणाचे संरक्षण करणे असा आहे. ही समिती स्थानिक पर्यावरणाशी संबंधित बाबींवर लक्ष केंद्रीत करेल. जनसहभागाने स्थानिक पर्यावरणाच्या समस्या जाणून घेऊन त्यावर उपाययोजना सुचविणे, जनजागृती करणे, जिल्ह्यातील विविध नैसर्गिक संसाधनांचे सर्वेक्षण करून त्या संसाधनांच्या संवर्धनासाठी शासनास शिफारसी करणे, तसेच शासनास जिल्ह्याच्या पर्यावरण संवर्धनासाठी योग्य त्या शिफारसी करणे/सल्ला देणे. ही समिती केवळ सल्लागार समिती म्हणून कार्य करेल किंवा राज्य शासनाने ठरविल्यास जिल्हा प्रशासनामध्ये सुध्दा औपचारिकरीत्या पर्यावरण संवर्धनासाठी प्रशासनिक कार्य करू शकेल.

जिल्हा पर्यावरण समिती शासन निर्णय जावक क्रमांक जिपस-२०१४/ प्र.क्र.९५/तां.क. ३, दिनांक १ सप्टेंबर २०१५ अन्वये पुनर्रचित व पुनर्गठित करण्यात आली आहे.

|  |   |            |
|--|---|------------|
| १. जिल्हाधिकारी  | : | अध्यक्ष    |
| २. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिल्हा परिषद   | : | सदस्य      |
| ३. जिल्हा उद्योग अधिकारी   | : | सदस्य      |
| ४. जिल्हा कृषी अधिकारी   | : | सदस्य      |
| ५. जिल्हा आरोग्य अधिकारी   | : | सदस्य      |
| ६. कार्यकारी अभियंता, जलसंपदा विभाग  | : | सदस्य      |
| ७. कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम  | : | सदस्य      |
| ८. जिल्हा जनसंपर्क व माहिती अधिकारी  | : | सदस्य      |
| ९. जिल्हा वन अधिकारी   | : | सदस्य      |
| १०. अध्यक्षानी नामनिर्देशित केलेले पर्यावरण क्षेत्रातील तज्ञ २ प्रतिनिधी   | : | सदस्य      |
| ११. अध्यक्षानी नामनिर्देशित केलेले पर्यावरण क्षेत्रात काम करणा-या जिल्ह्यातील अशासकीय सेवाभावी संस्थेचे २ प्रतिनिधी. | : | सदस्य      |
| १२. जिल्ह्यातील सर्व आमदार   | : | सदस्य      |
| १३. प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ.   | : | सदस्य सचिव |

### समितीचे कामकाज व कार्यक्षमता :

अ. जिल्ह्यातील स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी तयार केलेल्या पर्यावरण सद्यस्थिती अहवालावर सखोल चर्चा करून शिफारस करणे व असा अहवाल प्रत्येक स्थानिक स्वराज्य संस्थेकडून प्राप्त करून घेणे.

आ. जिल्ह्यातील पर्यावरणाचा -हास झालेल्या नैसर्गिक संसाधनांचे सर्वेक्षण करून अशा संसाधनांच्या संवर्धनासाठी शासनास शिफारस करणे व शासनाच्या मान्यतेने उपाययोजनांच्या अंमलबजावणीसाठी संनियंत्रण करणे.

इ. जिल्हा स्तरावर पर्यावरण दिन, वसुंधरा दिन, जलसाक्षरता दिवस, ओझोन संरक्षण दिवस, वेट लॅण्ड कॉन्झर्व्हेशन दिवस, वृक्षारोपण मोहीम, प्लॅस्टिक निर्मूलन मोहीम, प्लॅस्टिक पिशव्यांच्या बंदीबाबत जनजागृती, शाळा-कॉलेजांमध्ये पर्यावरण शिक्षण व जनजागृती स्पर्धा व कार्यक्रम इत्यादी राबविण्यासाठी कृती आराखडा तयार करून त्याची अंमलबजावणी करणे.

ई. पर्यावरण विभागामार्फत जिल्ह्यात कार्यरत असलेल्या योजनांच्या योग्य त्या अंमलबजावणीसाठी, विभागामार्फत योजनानिहाय वा एकत्रित स्वरूपात निर्गमित सुचनानुसार कार्यवाही करणे.

उ. जिल्ह्यात नव्याने प्रस्थापित होणा-या विकास प्रकल्पासाठी तयार करण्यात येणा-या “पर्यावरण आघात मूल्यांकन अहवाल” व “जनसुनावणी” बाबत संबंधित प्रादेशिक अधिकारी, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ यांनी समितीस सुचित करावेत. यानुसार समितीने आपली मते जनसुनावणी दरम्यान आवश्यकतेनुसार विहित कार्यपध्दतीने नोंदवावी.

च. सद्यःस्थितीत अस्तित्वात असलेल्या विकास योजना/प्रकल्पांमुळे होणा-या जिल्ह्यातील पर्यावरण -हासांवर उपाययोजना शासनास सुचविणे व शासनाच्या निर्देशानुसार त्यावर अंमलबजावणी करणे.

छ. पर्यावरण संरक्षण कायदा, १९८६ अंतर्गत निर्गमित करण्यात आलेल्या अधिसूचना क्र. एसओ-३९४ (ई), दिनांक १६ एप्रिल १९८७ अन्वये जिल्हाधिकारी यांना प्रदान केलेले अधिकार जिल्हाधिकारी समितीचे अध्यक्ष या नात्याने जिल्हा स्तरावर पर्यावरण संरक्षणासाठी व संवर्धनासाठी आवश्यकतेनुसार वापरतील. तसेच पर्यावरण -हासास कारणीभूत ठरत असलेल्या / ठरणा-या घटकांवर / संस्थांवर या कायदान्वये प्राप्त अधिकारांनुसार, समितीचे अध्यक्ष कारवाई करतील किंवा कारवाई करण्यासाठी शासनाच्या पर्यावरण विभागास शिफारस करतील.

ज. समिती पर्यावरण -हासाबाबत प्राप्त होणा-या तक्रारींची स्थानिक पातळीवर त्वरीत दखल घेईल व त्यासाठी आवश्यक ती कारवाई संबंधित यंत्रणेच्या माध्यमातून करेल.

**ब) पश्चिम घाट विकास कार्यक्रमांतर्गत शालेय विद्यार्थ्यांमध्ये पर्यावरण विषयक जाणीवा रुजवून त्या समृद्ध करण्यासाठी विशेष इको-क्लब मार्फत अमलबजावणी.**

देशातील डोंगराळ प्रदेशाच्या विकासास चालना देण्यासाठी राष्ट्रीय विकास मंडळाच्या शिफारशीनुसार १९७४-७५ या वर्षापासून महाराष्ट्र, कर्नाटक, तामिळनाडू, केरळ व गोवा या राज्यांमध्ये पश्चिम घाट विकासाचा केंद्र पुरस्कृत कार्यक्रम सुरु करण्यात आला आहे. ज्या तालुक्यातील किमान २० टक्के क्षेत्र ६०० मीटर उंचीवर किंवा त्यापेक्षा जास्त उंचीवर आहे अशा क्षेत्राचा पश्चिम घाट क्षेत्रात समावेश करण्यात आलेला आहे. त्यानुसार राज्याच्या १२ जिल्ह्यातील ६३ पश्चिम घाट विकास कार्यक्रम राबविण्यात येत आहे.

या कार्यक्रमांतर्गत शालेय विद्यार्थ्यांमध्ये तालुक्यांमध्ये पर्यावरण विषयक जाणिवे रुजवून त्या समृद्ध करण्यासाठी पश्चिम घाट क्षेत्रामध्ये विशेष इको-क्लब मार्फत अमलबजावणी करण्यास शा.नि. क्र. पघावि-२०१०/प्र.क्र. ३१/२०१०/तां.क. ४, दिनांक २८.१०.२०१० अन्वये मान्यता देण्यात आली आहे.

**५. सरदार सरोवर प्रकल्पांतर्गत पर्यावरण संरक्षण उपाययोजनांसाठी संनियंत्रण कक्ष -**

केंद्र शासनाने स्थापित केलेल्या नर्मदा पाणी लवादाच्या सन १९७९ च्या पाणी व वीज वाटप निर्णयाची अंमलबजावणी करण्यासाठी विविध यंत्रणांची स्थापना करण्यात आली होती. यांतर्गत सरदार सरोवर प्रकल्पाचा पर्यावरणावर होणारा परिणामांचा विचार करण्यासाठी केंद्र शासनाच्या नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरणात केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालयीन सचिवांच्या अध्यक्षतेखाली पर्यावरण उपदलाची स्थापना करण्यात आली. या उपदलाच्या

४० व्या बैठकीत पर्यायी वृक्ष लागवड, लाभक्षेत्र विकास, मत्स्य संवर्धन, आरोग्य विषयक बाबी यासारख्या पर्यावरणाशी संबंधित प्रकल्पांतर्गत बाबींवर त्या त्या प्रशासकीय विभागामार्फत केल्या जाणा-या कार्यवाहीची समन्वयन करण्यासाठी पर्यावरण संनियंत्रण कक्षाची स्थापना करण्याचा निर्णय घेण्यात आला.

सन २००७-०८ या वर्षापासून पर्यावरण विभागात सरदार सरोवर प्रकल्पांतर्गत पर्यावरणदृष्ट्या संरक्षण उपाययोजना करण्याच्या कामाचे संनियंत्रण करण्यासाठी पर्यावरण संनियंत्रण कक्षाची स्थापना करण्यात आली. या कक्षात तात्पुरती तीन पदे- प्रकल्प अधिकारी, तांत्रिक सहाय्यक, डेटा एन्ट्री ऑपरेटर - निर्माण करण्यात आली आहेत.

**संनियंत्रण कक्षाची कार्ये -**

१) सरदार सरोवर प्रकल्पांशी संबंधित सर्व प्रशासकीय विभाग व त्यांच्या क्षेत्रीय यंत्रणेबरोबर समन्वय.

२) प्रकल्प कृती आराखड्याप्रमाणे वेळोवेळी करण्यात येत असलेल्या कामांच्या प्रगतीचा आढावा घेवून संबंधित विभाग, पर्यावरण विभाग व केंद्र शासनास सादर करणे.

३) प्रत्यक्ष प्रकल्पस्थानास भेटी देवून भौतिक प्रगतीचा/परिस्थितीचा अहवाल सादर करणे.

४) प्रकल्पाशी संबंधित केंद्रीय स्तरावरील राज्य स्तरावरील बैठकांचा समन्वय.

**६. वातावरणीय बदल -**

जागतिक स्तरावर वातावरणीय बदलासंबंधी होत असलेल्या कार्यवाहीस अनुसरून महाराष्ट्र राज्यात वातावरणीय बदलाच्या होणा-या परिणामांच्या अनुषंगाने विविध उपाययोजना राबविण्यात येत आहेत. राज्य शासनाने वातावरणीय बदलांमुळे उद्भवणा-या समस्यांना सामोरे जाण्यासाठी The Energy and Resources Institute (TERI) या संस्थेबरोबर सामंजस्य करार करून सविस्तर कृती आराखडा तयार केला. यात सन २०३०, २०५० व २०७० या कालखंडांमध्ये संभाव्य वातावरणाच्या बदलांमुळे कृषी, जलस्रोत, तटीय क्षेत्र, जलसंपदेवर अवलंबून जीवनशैली या उभय स्त्रोतासह जैवविविधता आपत्ती व्यवस्थापन, वने व जैव विविधतेवर होणारा संभाव्य परिणाम व तसासाठी करावयाच्या उपाययोजनांचा समावेश आहे.

सदर कृती आराखड्यातील ५० शिफारशीपैकी एकूण १४ शिफारशींचा समावेश करून महाराष्ट्र राज्याचे वातावरणीय बदल अनुकूलन धोरण दि. १०/१०/१७ रोजी मा. मंत्रिमंडळ बैठकीत मंजूर झालेले असून दि.२५/१०/१७ रोजी त्या बाबतचा शासन निर्णय निर्गमित करण्यात आलेला आहे. पर्यावरण विभागाने ऊर्जा, वने, कृषि, जलसंपदा, ग्राम विकास, नगर विकास, आपत्ती व्यवस्थापन व आरोग्य अशा ८ विभागांकरिता विभागनिहाय कृती आराखडे तयार केले असून ते संबंधित विभागांना सादर करण्यात आले आहेत. या विभागनिहाय कृती आराखड्यात धोरणांमध्ये दिलेल्या संबंधित विभागाच्या शिफारशींचे मूल्यामापन (Cost benefit analysis) केले गेले आहे. इतर संबंधित विभागांना त्यांचे वातावरणीय बदल आराखडा, धोरण आणि कृती तयार करण्याकरता सातत्यपूर्ण मदत पुरविण्यात येत आहे.

अर्थसंकल्पीय अधिवेशन २०१८ मध्ये विभागाने लोक प्रतिनिधीसाठी वातावरणीय बदल या विषयावर एक कार्यशाळा आयोजित केली होती. तदनंतर मा. सभापती, महाराष्ट्र विधान परिषद व मा. अध्यक्ष, विधान सभा, यांच्या अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र राज्य विधिमंडळाच्या दोन्ही सभागृहांची संयुक्त तदर्थ समिती गठीत करण्यात आली. यात मा. मंत्री (पर्यावरण व वातावरणीय बदल) व मा. राज्यमंत्री यांचे समवेत ११ विधान सभेचे सदस्य व ४ विधान परिषदेच्या सदस्यांचा समावेश आहे. महाराष्ट्र शासनाने मे २०१९ मध्ये केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालयाद्वारे प्रदान केलेल्या मार्गदर्शक तत्वांनुसार विद्यमान कृती आराखडा अद्ययावत करण्याचा निर्णय घेतला असून कृती आराखडा अद्ययावत करण्याची प्रक्रिया सुरु आहे.

“केंद्र सरकारने जाहीर केलेल्या राष्ट्रीय कटिबद्धता योगदानाना (NDC) अनुलक्षण २०२० ते २०३० या कालावधीसाठीचा राज्य वातावरणीय बदल सुधारित कृती आराखडा तयार करण्यात आला आहे. सुधारित आराखडयामध्ये कृषी, जलस्रोत, सार्वजनिक आरोग्य, पर्यटन व आदिवासी विकास इत्यादी विभागांशी संबंधित वातावरण अनुकूलन धोरणे तसेच ऊर्जा, परिवहन, उद्योग, वने इत्यादी विभागांशी संबंधित वातावरण शमन धोरणांचा समावेश आहे. केंद्र सरकारच्या नॅशनल क्लिंम प्लॅन, २०१९ च्या धर्तीवर स्टेट क्लिंम ऍक्शन प्लॅन तयार करण्यात आला आहे. सौर उर्जेवर आधारित तंत्रज्ञान वापरून विकेंद्रित रोजगार तयार करण्याच्या योजनेचाही यात समावेश आहे. कृती आराखडयामध्ये **Climate Budget** यांचा पहिल्यांदाच समावेश करण्यात आला आहे.

राज्य वातावरणीय कृती आराखडा, राष्ट्रीय वातावरणीय कृती आराखडा, केंद्र सरकारचे मिशन लाईफ यांची राज्यात अंमलबजावणी करण्यासाठी राज्य शासनाने दि. ९ ऑगस्ट, २०२३ च्या शासन निर्णयाद्वारे राज्य वातावरणीय कृती कक्ष स्थापन केला आहे. शासनाचे विविध विभाग, स्थानिक स्वराज्य संस्था, उद्योग, अशासकीय संस्था, संशोधन संस्था यांचेशी समन्वय साधून राज्यातील वातावरणीय बदलासंबंधीच्या सर्व कृतीचे सारथ्य हा कृती कक्ष करेल.”

## ७. पर्यावरण सेवा योजना -

“पर्यावरण सेवा योजना राज्यातील विद्यार्थ्यांमध्ये लहानपणीच पर्यावरण संवर्धनाची बीज बिंबवण्यासाठी व पर्यावरणपूरक संवेदनशील भावी पिढीच्या माध्यमातून निर्मितीसाठी, पर्यावरण शिक्षण निसर्गाच्या सान्निध्यात जाऊन प्रत्यक्ष कृतीच्या आधारे मुलांना समजावून सांगण्याच्या उद्देशाने माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांमध्ये पर्यावरण सेवा योजना राबविण्याचा निर्णय राज्य मंत्रिमंडळाने घेतला आहे. सन २०११-१२ या आर्थिक वर्षात सदर योजना पहिल्या टप्प्यामध्ये पुणे, सोलापूर, अमरावती, यवतमाळ, औरंगाबाद, जालना, नागपूर, चंद्रपूर, नाशिक, जळगांव, रत्नागिरी व ठाणे या १२ जिल्ह्यांमधील एकूण ५० इच्छुक माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळांमध्ये राबवण्यात येत होती. माननीय उप- मुख्यमंत्री यांनी राज्याच्या वर्ष २०२२-२३ च्या अर्थसंकल्पीय भाषणात, योजनेची व्याप्ती हि ५० शाळेपासून वाढवून पुढील पाच वर्षात ७५०० माध्यमिक शाळांपर्यंत पोहोचविण्याचे उद्दिष्ट गाठायचे आहे. केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालयामार्फत सेंटर फॉर एक्सलन्स म्हणून नियुक्त केलेले पर्यावरण शिक्षण केंद्र (CEE) पुणे ही संस्था राज्यस्तरीय संनिंत्रण संस्था म्हणून या योजनेसाठीची अंमलबजावणी करत आहे. निसर्ग व मानव यातील नातेसंबंध समजून घेऊन स्थानिक पर्यावरणाशी निगडित विविध समस्या प्रत्यक्ष सहभागाद्वारे समजावून घेवून स्थानिक पातळीवर नैसर्गिक संसाधनांच्या व्यवस्थापनाबाबत स्थानिक लोकांच्या सहभागाने प्रत्यक्ष कृती कार्यक्रम राबवण्यासाठी ही योजना उपयुक्त ठरणार आहे.

शैक्षणिक वर्ष २०२३-२४ पासून पर्यावरण सेवा योजना राज्यभरात ३६ जिल्ह्यात राबविण्यासाठी माझी वसुंधरा अभियान मध्ये शाळांना सहभाग नोंदवण्यासाठी निर्देशांक (Indicators) १०० गुण देण्यात आलेले असून राज्यातील सर्व शासनमान्य शाळांना योजना लागू करण्यात आली आहे. माझी वसुंधरा अभियान ४.० माध्यमातून पर्यावरण सेवा योजनेमध्ये (प्राथमिक, माध्यमिक व उच्च माध्यमिक) शासकीय, निम शासकीय व खाजगी शाळा सहभाग नोंदवला जात आहे.

वर्ष २०२३-२४ दरम्यान पर्यावरण सेवा योजना अंतर्गत १५०० माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शाळा योजनेत सहभागी असतील. यांमध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्थामधील शाळांचा सहभाग आहे. योजनेत सहभाग नोंदविलेल्या सर्व शाळांचे अभिमुख्यता घेण्यात येते. त्यानंतर निकषानुसार सहभागी शाळांचे विषयनिहाय जिल्हा व विभाग पातळीवर ऑनलाईन आणि प्रत्यक्ष शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाळा घेण्यात येत आहेत.

शासन निर्णय क्रमांक ईएनव्ही २०२३/प्र.क्र.२९/ता क. १ दि. १४ मार्च २०२४ नुसार पर्यावरण सेवा योजना अंमलबजावणी वर्ष २०२३-२४ या आर्थिक वर्षात प्रस्तावित एकुण मागणी एकुण १५०० शाळांसाठी करण्यात आली आहे. शाळांमधील पर्यावरण सेवा योजना शिक्षककृती हस्तपुस्तिका, विभाग निहाय प्रशिक्षण कार्यशाळा, तज्ञ प्रशिक्षक (मास्टरट्रेनर्स) आणि गट साधन व्यक्ती प्रशिक्षण संच, जागतिक तापमान वाढ आणि हवामान बदलकृती ऑल्म्पीयाड, अंमलबजावणीसाठी आर्थिक वर्ष २०२३-२४ साठी रु. ५,८७,४७,१६४/- इतका निधी देणे अनिवार्य आहे. त्यापैकी पहिला हप्ता (२.८० कोटी) वितारित करण्यात आला आहे.”

## ८. माझी वसुंधरा अभियान.

पर्यावरणातील वातावरणीय बदलांचे महत्व लक्षात घेता, पर्यावरण विभागाचा “पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग” असा नामबदल करण्यात आला आहे. निसर्गाशी असलेली कटिबद्धता निश्चित करण्यासाठी पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी आणि आकाश या निसर्गाशी संबंधित पंचतत्वावर पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग कार्य करीत आहे.

२. पर्यावरणाचे जतन, संवर्धन व संरक्षण करण्यासाठी “माझी वसुंधरा (माय अर्थ)” हा अभिनव उपक्रम विभागाने हाती घेतला आहे. जो निसर्गाच्या “पंचमहाभूते” नावाच्या पाचही घटकांवर लक्ष केंद्रित करतो. त्यात भूमी(जमीन), जल (पाणी), वायू (हवा), अग्नी (ऊर्जा), आकाश (संवर्धन) यांचा समावेश आहे. या उपक्रमातून वातावरणीय बदल आणि पर्यावरणाच्या समस्यांबद्दल नागरिकांना जागरूक करून त्यांना पर्यावरणाच्या सुधारणेप्रती प्रयत्न करता येतील. त्यातून राज्याच्या शाश्वत विकासाप्रति प्रयत्न केले जातील.

### ३. माझी वसुंधरा अभियान :

३.१ पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी आणि आकाश या निसर्गाशी संबंधित पंचतत्वावर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान” राज्यामध्ये दिनांक २ ऑक्टोबर, २०२० पासून राबविण्यात येत आहे. या अभियानांतर्गत नागरी स्थानिक संस्था व ग्राम पंचायती या स्थानिक संस्थांची पर्यावरणाचे संरक्षण व संवर्धन करणा-या योजना प्रभावीपणे व मिशन मोड पध्दतीने राबविण्याची स्पर्धा घेण्यात येते.

३.२ निसर्गाच्या पंचतत्वावर आधारित पर्यावरणाचे संरक्षण व संवर्धन करणा-या विविध शासकीय योजना/ कार्यक्रम/ उपाय एकत्रित करून त्या प्रभावीपणे व मिशन मोड पध्दतीने राबविण्यासाठी इंडिकेटीर स्वरूपात असलेली टूलकिट तयार करून दिली जाते. ज्यामध्ये त्यांनी केलेल्या कामाचे मुल्यमापन करण्यासाठी गुण ठेवलेले असतात. या टूलकिटनुसार विविध उपाययोजना स्थानिक संस्थांमध्ये एप्रिल ते मार्च या एक वर्षाच्या कालावधीत राबवावयाच्या आहेत.

३.३ स्थानिक संस्थांनी एप्रिल ते मार्च या कालावधीत केलेल्या कामाची माहिती एम. आय. एस. स्वरूपात माझी वसुंधरा अभियानाच्या वेब पोर्टलवर भरावयाची आहे. स्थानिक संस्थांनी भरलेल्या एम. आय. एस. चे त्रयस्त यंत्रणेमार्फत डेस्कटॉप मुल्यमापन करण्यात येते.

३.४ डेस्कटॉप मुल्यमापनात गुणानुक्रमे चांगली कामगिरी करणा-या स्थानिक संस्थांचे मुल्यमापन त्रयस्त यंत्रणेमार्फत संबंधित स्थानिक संस्थेमध्ये प्रत्यक्ष भेट देवून करण्यात येते.

३.५ डेस्कटॉप असेसमेंट व फिल्ड असेसमेंट मधील प्राप्त होणा-या गुणांच्या आधारे उच्चतम कामगिरी करणा-या स्थानिक संस्थांची विजेते म्हणून निवड करून या स्थानिक संस्थांचा सन्मान जागतीक पर्यावरण दिनी म्हणजे दिनांक ५ जून रोजी करण्यात येतो.

#### ४. माझी वसुंधरा अभियान १.० (२०२०-२१)

४.१ माझी वसुंधरा अभियानाच्या पहिल्या वर्षात राज्यामधील ६८६ स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी (अमृत शहरे ४३, नगरपरिषदा २२२, नगरपंचायती १३० व ग्रामपंचायती २९१) नोंदणी करून हे अभियान दिनांक २ ऑक्टोबर, २०२० ते दिनांक १५ एप्रिल, २०२१ या कालावधीत राबविण्यात आले आहे. या अभियानात निसर्गाशी संबंधित पंचतत्वावर स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी केलेल्या कामांचे मुल्यमापन करण्यासाठी १५०० गुण ठेवण्यात आले होते.

४.२ माझी वसुंधरा अभियानात स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी अभियान कालावधीत केलेल्या कामांचे मुल्यमापन (डेस्कटॉप मुल्यमापन) दिनांक १६ एप्रिल, २०२१ ते ३१ मे, २०२१ या कालावधीत त्रयस्त यंत्रणेमार्फत करण्यात आले. कोरोनाच्या प्रादुर्भावामुळे संबंधित स्थानिक संस्थेमध्ये प्रत्यक्ष जावून मुल्यमापन करणे शक्य नसल्याने या डेस्कटॉप मुल्यमापनामध्ये ज्या स्थानिक संस्था सर्वातम उरल्या त्या स्थानिक संस्थांचे आभासी मुल्यमापन (Virtual Assessment) विभागांतर्गत गठित समिती मार्फत करण्यात आले. या दोन्ही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे ६ अमृत शहरे, ६ नगर परिषदा, ५ नगरपंचायती, ५ ग्राम पंचायती असे २२ विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरावरील अधिका-यांचा पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२१ रोजी आयोजित माझी वसुंधरा अभियान सन्मान सोहळ्यात सन्मानित करण्यात आले आहे.

#### ४.३ माझी वसुंधरा अभियान १.० मधून झालेले सकारात्मक बदल :

• या अभियानांतर्गत २१.९४ लाख झाडे लावण्यात आली. आरेतील जंगलाच्या ४ पट झाडे या उपक्रमाद्वारे राज्यभरात लावण्यात आली.

• १६५० हरित क्षेत्रांची निर्मिती शहरात व गावांमध्ये करण्यात आली. तसेच, २३७ जुनी हरित क्षेत्रे पुनर्जीवित करण्यात आली.

• माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत शास्त्रीय पध्दतीने ओल्या कच-याचे विलगीकरण, वर्गीकरण व त्यावर उपचार करण्यात आले. त्यामुळे, १०,६६३ टन कंपोस्ट खत दर महिन्याला तयार करण्यात आले. ज्याद्वारे ६३,९८२.५ टन कार्बन डायऑक्साईडचे सेक्वेस्ट्रेशन करण्यात आले.

• माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पर्कोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले गेले. त्याचा परिणाम म्हणून, जवळपास ६ हजार जुन्या इमारती व ३.५ हजार नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याच बरोबर सुमारे पंधराशे रेन वॉटर पर्कोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली. या प्रयत्नांमुळे ११,१४५ दशलक्ष लिटर पाणी संवर्धन क्षमता तयार करण्यात आली आहे.

• सहभागी संस्थांनी राज्यातील ७७५ जल संस्था स्वच्छ करण्याचे काम पार पाडले.

• अभियानादरम्यान १२.२३ लाख एलईडी बल्ब तसेच ७० हजार सोलर लाईट्स लावण्यात आले. ज्यामधून १.४ लाख युनिट वीज वाचवण्यास मदत झाली आहे.

• ग्रामीण भागात अभियानादरम्यान ७३६ बायोगॅस प्लांट व ७०१ सोलर पंप बसवण्यात आले. ज्यामुळे, जवळपास ३२.५ टन कार्बन डायऑक्साईडचे उत्सर्जन कमी झाले.

• माझी वसुंधरा अभियानामुळे पहिल्याच वर्षात ३,७०,९७८ टन कार्बन डायऑक्साईडचे उत्सर्जन कमी झाले.

#### ५. माझी वसुंधरा अभियान २.० (२०२१-२२)

५.१ माझी वसुंधरा अभियान २.० ची सुरवात पर्यावरण दिना दिवशी म्हणजे दिनांक ५ जून, २०२१ रोजी करण्यात आली. या अभियानात दुस-या वर्षात नोंदणी करण्यासाठी (१) अमृत, (२) नगर परिषद, (३) नगर पंचायत, (४) ग्राम पंचायत ०१ व (५) ग्राम पंचायत ०२ असे ०५ गट ठेवण्यात आले होते. माझी वसुंधरा अभियान २.० मध्ये ४०६ नागरी स्थानिक संस्था व ११,५६२ ग्राम पंचायतींनी नोंदणी केली होती. अशा प्रकारे या वर्षी या अभियानामध्ये एकूण ११,९६८ एवढ्या मोठ्या प्रमाणात स्थानिक संस्था सहभागी झाल्या होत्या.

५.२ या अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना काम करण्यासाठी दिनांक १६ एप्रिल, २०२१ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२२ एवढा कालावधीत देण्यात आला होता. दिनांक १ एप्रिल ते ३० एप्रिल, २०२२ या कालावधीत स्थानिक संस्थांनी केलेल्या कामांचे डेस्कटॉप असेसमेंट त्रयस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात आले. तर, दिनांक १ मे, ते ३१ मे २०२२ या कालावधीत फिल्ड असेसमेंट त्रयस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात आले.

५.३ या दोन्ही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे राज्यस्तरावरील व विभागस्तरावरील विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरावरील अधिका-याना पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२२ रोजी आयोजित माझी वसुंधरा अभियान सन्मान सोहळ्यात सन्मानित करण्यात आले आहे.

#### ५.४ माझी वसुंधरा अभियान २.० मधून झालेले सकारात्मक बदल :

• या अभियानांतर्गत १५८.९४ लाख झाडे लावण्यात आली.

• १५,८३५ हरित क्षेत्रांची निर्मिती शहरात व गावांमध्ये करण्यात आली. तसेच जुनी हरित क्षेत्रे पुनर्जीवित करण्यात आली.

• माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पर्कोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले गेले. त्याचा परिणाम म्हणून, जवळपास जुन्या व नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याच बरोबर अनेक रेन वॉटर पर्कोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली. या प्रयत्नांमुळे ११४.२० कोटी लिटर पाणी संवर्धन क्षमता तयार करण्यात आली आहे.

• अभियानादरम्यान ४९.५६ लाख एलईडी बल्ब अभियान कालावधीत बसवण्यात आले.

• तसेच ३.३७ लक्ष सोलर लाईट्स लावण्यात आले.

• एकूण ८० इमारतींनी हरीत इमारत हा सन्मान प्राप्त केला आहे.

• जनजागृती करीता एकूण ८३६,०३८ जनजागृती करीता कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले.

• माझी वसुंधरा २.० अंतर्गत एकूण ८० हजार टन कार्बन शोषून घेण्यात आला. व १२.५० टन कार्बन निर्माण न होण्याकरिता प्रयत्न झाले.

• झाडांची लागवड व निगा राखल्याने एकूण ८०,७५२.५९ टन कार्बन उत्सर्जन कमी झाले.

• माझी वसुंधरा अभियाना अंतर्गत केलेल्या विविध उपक्रमांमुळे थेट विजेचा वापर टाळल्याने १५४,०६५.९८ टन कार्बन उत्सर्जन कमी झाले.

• कार्बन उत्सर्जनात ३.७० लाख टनांनी घट झाल्याने हा परिणाम माझी वसुंधरा १.० च्या मूल्यापेक्षा २.५९ पट जास्त आहे.

#### ६. माझी वसुंधरा अभियान ३.० (२०२२-२३)

६.१ पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी, आणि आकाश निसर्गाशी संबंधित या पंचतत्वांवर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान ३.०” ची सुरुवात दिनांक १३ जून, २०२२ रोजी झाली. या अभियानांतर्गत कामाची अंमलबजावणी करण्यासाठी स्थानिक संस्थांना दिनांक १ एप्रिल, २०२२ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२३ पर्यंतचा कालावधी मिळणार आहे. त्यानुसार, माझी वसुंधरा अभियान ३.० अंतर्गत राज्यामधील एकूण १६,८२९ स्थानिक संस्थांनी नोंदणी केली असून (नागरी संस्था ४११ + ग्राम पंचायती १६३९८), या स्थानिक संस्थांचा लोकसंख्या निहाय ११ गट करण्यात आले आहेत.

६.२ सदर अभियानाचा कालावधी दिनांक १ एप्रिल, २०२२ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२३ असा राहिल. या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थेने केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप मुल्यमापन दिनांक ६ एप्रिल, २०२३ ते दिनांक ३१ एप्रिल २०२३ या कालावधीत करण्यात येईल व डेस्कटॉप मुल्यमापनात यशस्वी ठरलेल्या स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे फिल्ड असेसेमेंट दिनांक २ मे, २०२३ ते ३१ मे, २०२३ या कालावधीत त्रसस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात येवून या दोनही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे राज्यस्तरावरील व विभागस्तरावरील विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरावरील अधिका-यांचा पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२३ रोजी आयोजित माझी वसुंधरा अभियान सन्मान सोहळ्यात सन्मानित करण्यात आले आहे.

#### ६.३ माझी वसुंधरा अभियान ३.० मधून झालेले सकारात्मक बदल;

- या अभियानांतर्गत ४४.०९ लाख झाडे लावण्यात आली.
- अभियानातील या कालावधीमध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी एकूण ७७.८७५ दुचाकी ई-वाहने, ७.०३८ तीनचाकी ई-वाहने, ६,२९३ चार चाकी ई-वाहने व १४९ ई-बसेस घेतल्या आहेत.
- माझी वसुंधरा अभियानांतर्गत स्थानिक संस्थांना रेन वॉटर हार्वेस्टिंग आणि पर्कोलेशन या प्रक्रियांचा अवलंब करण्यास प्रोत्साहन दिले. गेले. त्यांचा परिणाम म्हणून, जवळपास जुन्या व नवीन इमारतींनी रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टीमचा अवलंब केला, त्याचबरोबर ५,३१६ रेन वॉटर पर्कोलेशन स्थाने तयार करण्यात आली.
- सुमारे ७५.१६ मेगा वॉट अपारंपरिक ऊर्जा निर्मिती ची क्षमता निर्माण करण्यात आली आहे.
- एकूण २६१ इमारतींनी हरीत इमारत हा सन्मान प्राप्त केला आहे.
- या अभियानाच्या अंमलबजावणीसाठी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी २१.२० कोटी रुपये इतका निधी जमा केला आहे.
- माझी वसुंधरा ३.० अंतर्गत एकूण ८३ हजार टन कार्बन शोषून घेण्यात आला.
- सौर ऊर्जा व जैववायू (biogas) या ऊर्जा स्रोतांना प्रोत्साहन दिल्यामुळे १.२८ लाख टन कार्बन उत्सर्जन टाळले गेले.

#### ७. माझी वसुंधरा अभियान ४.० (२०२३-२४):

७.१ पृथ्वी, वायू, जल, अग्नी, आणि आकाश निसर्गाशी संबंधित या पंचतत्वांवर आधारित “माझी वसुंधरा अभियान ४.०” ची सुरुवात दिनांक ५ जून, २०२३ रोजी झाली. या अभियानांतर्गत कामाची अंमलबजावणी करण्यासाठी स्थानिक, संस्थांना दिनांक १ एप्रिल, २०२३ ते दिनांक ३१ मार्च, २०२४ पर्यंतचा कालावधी मिळणार आहे. त्यानुसार, माझी वसुंधरा अभियान ४.० अंतर्गत राज्यामधील एकूण २२,६३२ स्थानिक संस्थांनी नोंदणी नोंदणी केली असून (नागरी संस्था ४१४ ग्राम पंचायती २२,२१८), या स्थानिक संस्थांचा लोकसंख्या निहाय १२ गट करण्यात आले आहेत.

७.२ या अभियानांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थेने केलेल्या कामाचे डेस्कटॉप मुल्यमापन दिनांक ६ एप्रिल २०२४ ते दिनांक ३१ एप्रिल, २०२४ या कालावधीत करण्यात येईल व डेस्कटॉप मुल्यमापनात यशस्वी ठरलेल्या स्थानिक स्वराज्य संस्थांचे फिल्ड असेसेमेंट दिनांक २ मे, २०२४ ते ३१ मे, २०२४ या कालावधीत त्रसस्त यंत्रणे मार्फत करण्यात येवून या दोनही मुल्यमापनातील एकूण गुणांच्या आधारे राज्यस्तरावरील व विभागस्तरावरील विजेते घोषित करून सर्व विजेत्यांसोबत विभागीय व जिल्हास्तरावरील अधिका-यांचा पर्यावरण दिनी म्हणजे, दिनांक ५ जून, २०२४ रोजी करण्याचे प्रस्तावित आहे.

#### ९. इको सेन्सिटीव्ह क्षेत्र

महाबळेश्वर हे थंड हवेचे ठिकाण दि. १७.०१.२००१ च्या केंद्र शासनाच्या अधिसूचनेनुसार पर्यावरणीयदृष्ट्या संवेदनशील क्षेत्र म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

महाराष्ट्रातील माथेरान हे थंड हवेचे ठिकाण केंद्र शासनाच्या दिनांक ०४.०२.२००३ च्या आदेशाद्वारे पर्यावरणीयदृष्ट्या संवेदनशील क्षेत्र म्हणून घोषित करण्यात आले आहे.

या क्षेत्रांमध्ये पर्यावरण विषयक बाबींचे नियमन करण्यासाठी उच्चस्तरीय संनियंत्रण समितीची स्थापना करण्यात आलेली आहे. नगर विकास विभागामार्फत या क्षेत्रातील विकासाचे नियमन करण्यासाठी झोनल व सब-झोनल मास्टर प्लान तयार करण्याचे काम प्रगतीपथावर आहे. तसेच या क्षेत्रासाठी पर्यटन आराखडा तयार करण्याचे काम पर्यटन विभागामार्फत करण्यात येत आहे.

#### १०. राष्ट्रीय नदी कृती योजना-

(१) राष्ट्रीय नदी देशातील कृती योजनेतर्गत प्रमुख नद्यांच्या प्रदूषित पट्ट्यांचे शुध्दीकरण करण्याकरिता केंद्र शासन पुरस्कृत राष्ट्रीय नदी कृती योजना राबविण्यात येत आहे.

(२) नद्यांचे प्रदुषण मुख्यत्वे करून शहरी सांडपाण्यामुळे होत असल्याने नदीच्या काठावरील शहरांचे सांडपाणी योग्य प्रकारे प्रक्रिया करून विल्हेवाट लावणे हा या योजनेचा मूळ उद्देश आहे. त्याशिवाय या योजनेत नदी घाट विकास, स्मशानभूमी, स्वच्छतागृहे व नदीकाठी वनीकरणे व सुशोभिकरणांचा समावेश करण्यात आला आहे.

(३) राष्ट्रीय नदी कृती योजना ही केंद्र शासन पुरस्कृत योजना असून दहाव्या पंचवार्षिक योजनेनुसार यातील ७० टक्के खर्च केंद्र व ३० टक्के राज्य शासन/संबंधीत महानगरपालिका यांनी करावयाचा आहे. या योजनेतर्गत त्र्यंबकेश्वर, नाशिक, कराड, नांदेड, सांगली, प्रकाशा (शहादा), कोल्हापूर या शहरांची कामे पूर्ण झालेली आहेत.

(४) सन २०१५-१६ मध्ये पुणे शहरातील मुळा-मुठा नदी संवर्धनासाठी केंद्र शासनाने रु. ९९०.२६ कोटीचा प्रस्ताव मंजूर केलेला आहे. सदर प्रकल्पासाठी खर्चाचा केंद्र शासनाचा रु. ८४१.७२ कोटी ( ८५ %) व पुणे महानगरपालिकेचा रु. १४८.५४ कोटी (१५ %) हिस्सा आहे. मुळा मुठा नदी संवर्धनाचे काम प्रगतीपथावर आहे.

(५) राष्ट्रीय नदी संवर्धन योजनेतर्गत नागपूर महानगरपालिकेच्या नाग नदीचा रु. १९२६.९९ कोटी रुपयाच्या प्रस्तावास दि. १४.०३.२०२३ रोजी प्रशासकीय मान्यता दिलेली आहे. सदर प्रकल्प किंमतीत **Project Management Consultancy Service** साठी लागणारा रुपये ७८.५६ कोटी इतक्या रकमेचा समावेश असून सदर रक्कम केंद्र शासनाद्वारे वितरित करण्यात येईल. तसेच Centages साठी लागणारे रुपये १२०.६६ कोटी इतकी रक्कम महाराष्ट्र शासन व नागपूर महानगरपालिका यांनी संयुक्तपणे अदा करावयाची आहे व प्रकल्पाच्या उर्वरित कामांसाठीच्या खर्चामध्ये केंद्र शासन राज्य शासन व नागपूर महानगरपालिकेचा हिस्सा अनुक्रमे ६०:२५:१५ असणार आहे. सदर प्रकल्प खर्चामध्ये केंद्र शासन, राज्य शासन व नागपूर महानगरपालिकेचा हिस्सा अनुक्रमे रु. १११५.२२ कोटी, रु. ५०७.३६ कोटी रु. ३०४.४१ कोटी इतका आहे. तसेच सदर प्रकल्पासाठी अद्याप केंद्र शासनाकडून कोणताही निधी वितरित करण्यात आलेली नाही.

### १० (अ) राज्य नदी संवर्धन योजना

शासन निर्णय क्रमांक संकीर्ण-२०११/प्र.क्र.२५/तां.क.१ दिनांक १ मार्च, २०१४ अन्वये राज्य नदी संवर्धन योजना तयार करण्यात आली आहे. या योजनेतर्गत शहारातून/गावातून निघणारे सांडपाणी नदीत ज्या ठिकाणी सोडले जाते तेथून गोळा करणे, अडविणे, वळविणे व सांडपाणी प्रक्रिया यंत्रणा तयार करणे ही मुख्य कामे अंतर्भूत आहेत. प्रक्रिया केलेल्या सांडपाण्याचा प्रकल्प क्षेत्रातील किंवा जवळील शेती, उद्योग, बाग-बगीचे इत्यादींमध्ये पुनर्वापर व पुनर्चक्रण शक्य होण्यासाठी आवश्यक ती यंत्रणा/सुविधा/व्यवस्था इत्यादी उभारण्यात येईल, जेणेकरून मिळणा-या प्रकल्पाच्या देखभालीचा खर्च भागविणे शक्य होईल. या योजनेत, नदीच्या जवळील भागात कमी किंमतीची स्वच्छतागृहे बांधणे, नदी घाट विकास, नदी काठाची धूप रोखण्यासाठी उपाययोजना आणि शास्त्रीय पध्दतीने नागरी घनकचरा व्यवस्थापन व विल्हेवाट ही कामे अंतर्भूत आहेत. सदर योजनेतर्गत नदी काठावरील ड वर्ग महानगरपालिका आणि सर्व नगरपालिका/नगरपरिषदांमधील १५,००० लोकसंख्या असलेल्यांसाठी शासनाचा हिस्सा ८० टक्के तर संबंधित स्थानिक स्वराज्य संस्थेचा हिस्सा २० टक्के असेल. ज्या स्थानिक स्वराज्य संस्था प्रक्रिया केलेले सांडपाणी शेती, उद्योग व इतर प्रयोजनासाठी पुनर्चक्रण पुनर्वापर पध्दतीने करतील अशा योजनांमध्ये शासनाचा हिस्सा ९० टक्के पर्यंत असेल. या योजनेअंतर्गत, प्रकल्पाच्या तांत्रिक छाननीनंतर शासनाच्या मान्यतेपूर्वी समितीकडे शिफारस करण्यात येईल.

२. सदर योजनेअंतर्गत सन २०२०-२१ या वर्षात गोदावरी नदी, मोसम नदी, उल्हास नदी व अमरावती नदी या ४ नद्यांच्या नदी संवर्धन प्रस्तावांना प्रशासकीय मान्यता दिली आहे. सदर ४ नद्यांसाठी राज्य शासनाचा हिस्सा ३८ कोटी इतका आहे, तसेच सन २०२१-२२ मध्ये चुडामणी नदी संवर्धनाच्या प्रस्तावास मान्यता देण्यात आलेली आहे. त्यापैकी गोदावरी नदी नांदेड, मोसम नदी - मालेगाव व चुडामणी नदी वरुड यांना सन २०२१-२२ मध्ये स. १९.५० कोटी इतका निधी वितरित केलेला आहे. तसेच सन २०२२-२३ मध्ये अमरावती नदी, दोंडाईचा व नमामि चंद्रभागा अभियानासाठी अनुक्रमे रुपये ५० लक्ष व रुपये १७८५,०० लक्ष इतका निधी वितरित केलेला आहे.

### ११. राष्ट्रीय सरोवर संवर्धन योजना :-

केंद्रीय पर्यावरण वने व जलवायू परिवर्तन मंत्रालयाने त्यांच्या नॅशनल प्लॅन फॉर कॉन्झर्वेशन ऑफ ॲक्वेटीक इकोसिस्टी (NPCA) या केंद्र पुरस्कृत योजनेअंतर्गत राज्यातील तलाव, सरोवर व मोठे जलाशय यांचे पर्यावरणीयदृष्ट्या संवर्धन करण्यासाठी योजना राज्यांतर्गत राबविण्यात येत आहे. योजनेअंतर्गत शहरी व निमशहरी भागातील प्रदुषित व पर्यावरणीय दृष्ट्या दर्जा खालावलेल्या तलावांचे संरक्षण व संवर्धन करण्यात येते. कोराडी नागपूर व धर्मवीर संभाजी तलाव, सोलापूर येथील तलाव संवर्धन प्रकल्प सदर योजनेअंतर्गत केंद्र शासनाने मंजूर केले आहेत.

केंद्र शासनाच्या पर्यावरण, वने व जलवायू परिवर्तन विभागाने रुपये ४३.९६ कोटीच्या कोराडी तलावाच्या संवर्धनाच्या कामास मान्यता दिली आहे. त्याअंतर्गत ६० % केंद्र शासनाचा व ४० % महानिर्मिती कंपनीचा सहभाग असून सदर मान्यतेनुसार केंद्र शासनाचा हिस्सा रुपये २६.२१ कोटी व राज्य शासनाच्या वतीने महानिर्मिती कंपनीचा सहभाग रुपये १७.४८ कोटी इतका आहे. कोराडी तलाव, नागपूर संवर्धनासाठी केंद्र शासनाकडून आतापर्यंत रु. २२ कोटी इतका निधी वितरित झालेला असून सदर निधी पर्यावरण विभागामार्फत नागपूर मेट्रोपोलिटन रिजनल डेव्हलपमेंट ॲथॉरिटी (NMRDA) यांना वितरित करण्यात आलेला आहे.

\* केंद्र शासनाच्या पर्यावरण, वने व जलवायू परिवर्तन विभागाने रुपये १२.२१ कोटीच्या धर्मवीर संभाजी तलावाच्या संवर्धनाच्या कामास मान्यता दिली आहे. त्याअंतर्गत ६० % केंद्र शासनाचा व ४०% सोलापूर महानगरपालिकेचा सहभाग असून सदर मान्यतेनुसार केंद्र शासनाचा हिस्सा रुपये ७.३२,६७,८००/- व राज्य शासनाच्या वतीने सोलापूर महानगरपालिकेचा सहभाग रुपये ४,८८,४५,२००/- इतका आहे. धर्मवीर संभाजी तलाव, सोलापूर संवर्धनासाठी केंद्र शासनाकडून आतापर्यंत रु. ६.६६ कोटी इतका निधी वितरित झालेला असून सदर निधी पर्यावरण विभागामार्फत सोलापूर महानगरपालिका यांना वितरित करण्यात आलेला आहे.

### १२. महाराष्ट्र विघटनशील व अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६

सार्वजनिक नाले, रस्ते, पानथळ जमीन, पडीक जमीन, जलाशय, लोकांना दिसेल अशा जागा, यामध्ये अविघटनशील कचरा फेकण्यास किंवा साठविण्यास प्रतिबंध करण्यासाठी, अविघटनशील पदार्थाख वापर विनियमित करण्यासाठी आणि त्याच्याशी संबंधित किंवा तदनुशंगिक बाबींच्या नियमनासाठी दिनांक २१ एप्रिल, २००६ रोजी महाराष्ट्र विघटनशील व अविघटनशील कचरा ( नियंत्रण) अधिनियम क्र. १० महाराष्ट्र शासनाच्या राजपत्रात प्रसिद्ध करण्यात आलेले आहेत. या अधिनियमांतर्गत पर्यावरणाला घातक ठरणा-या विवक्षित अविघटनशील पदार्थ इ. च्या वापरावर निर्बंध किंवा बंदी घालण्याचे अधिकार राज्य शासनास प्राप्त झाले आहेत. तसेच स्थानिक प्राधिकरणाचे किंवा त्याने प्राधिकृत केलेल्या अधिका-याने कर्तव्ये निश्चित केले असून त्यानुसार अविघटनशील कचरा ठेवण्यासाठी कुंड्यांशी आणि तो टाकण्यासाठी विशिष्ट ठिकाणांची तरतूद करणे तसेच टाकाऊ पदार्थ गोळा करण्याची पध्दत निश्चित करणे, अशा प्रकारे गोळा केलेल्या अविघटनशील कचरा-याचे पुनर्चक्रण करण्याची व्यवस्था करणे इ. बाबत नियमन करण्याची तरतूद करण्यात आलेली आहे. अधिनियमाच्या अनुसूचीनुसार १६ अविघटनशील पदार्थ किंवा कचरा यांचा समावेश करण्यात आलेला आहे.



### १३. प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन

“प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम अधिनियम २०१६ अधिसूचना संख्या क्र.सा.का.नि. ३२०(अ), दिनांक १८ मार्च २०१६, रोजी केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, भारत सरकार यांनी प्रकाशित केले आहेत. या नियमांतर्गत प्लास्टिक कचरा न्यूनतम करणे, स्त्रोतस्तरावर सलगीकरण करणे, पुनर्वापर जोर देण्याकरिता घरातून अथवा अन्य स्थितीतून अथवा मध्यवर्ती सामग्री पुनर्प्राप्ती सुविधातुन निर्माण होणा-या प्लास्टिक कचरा अंश गोळा करणारे कचरा वेचक, पुनर्वापर करणारे व कचरा संसाधकांना समाविष्ट केले गेले असून कचरा व्यवस्थापन प्रणाली दिर्घकाळ टिकविण्याकरिता प्रदूषण करणा-यांवर दंडात्मक रक्कम आकारण्याबाबतच्या सिध्दांताचा समावेश करुन सुधारीत नियम २७ मार्च २०१८ रोजी प्रकाशित केले आहेत.

तदनंतर केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, ऑगस्ट २०२१ मध्ये अधिसूचित केलेल्या सुधारित प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम २०२१ नुसार खालील अतिरिक्त एकल वापर (सिंगल युज) प्लास्टिक वस्तू प्रतिबंधित आहेत.

\* सजावटीसाठी प्लास्टिक व पॉलिस्टीरीन (थर्माकोल) मिठाईचे बॉक्स, आमंत्रण कार्ड, सिगरेटची पाकिटे, प्लास्टिकच्या काडयांसह कानकोरणी, फुग्यांसाठी प्लास्टिकच्या काडया, प्लास्टिकचे झेंडे, कॅडी कांडया, आईस्क्रीम कांडया प्लेट्स, कप ग्लासेस, कटलरी जसे काटे, चमचे, चाकू, पिण्यासाठीचे स्ट्रॉ, ट्रे, ढवळण्या (स्टिरर्स), प्लास्टिक किंवा पीव्हीसी बॅनर (१०० मायक्रॉनपेक्षा कमी).

केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालयाने उत्पादक, आयातदार आणि ब्रँड मालक यांच्यावर विस्तारित उत्पादक जबाबदारी निश्चित करण्यासाठी दिनांक १६ फेब्रुवारी २०२२ अन्वये विस्तारित उत्पादकाची जबाबदारी ग्राहकपूर्व आणि ग्राहकधारकांच्या प्लास्टिक पॅकेजिंग कच-यावर लागू असेल. ही मार्गदर्शक तत्वे विस्तारित उत्पादक जबाबदारीच्या अंमलबजावणीसाठी फ्रेमवर्क प्रदान करतात. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने प्लास्टिकच्या पुनर्वापरासाठी आणि निर्मितीसाठी विस्तारित उत्पादक जबाबदारी (EPR Portial) पोर्टल व तक्रार निवारण पोर्टल विकसित केले आहे.

सदर नियमांतर्गत डिसेंबर २०२३ पर्यंत २७७ प्लास्टिक कचरा पुनर्वापर युनिट नोंदणीकृत आहेत. महाराष्ट्रातील एकूण प्लास्टिकरीसायकलिंग युनिटनुसार २३.६५ लाख टन/प्रति वर्ष आहे.”

#### १३ (ब) प्लास्टिक व थर्माकोल उत्पादने

महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) कायदा, २००६ अंतर्गत प्लास्टिक आणि थर्माकोल इत्यादीपासून बनवलेल्या अविघटनशील वस्तूंचे उत्पादन, वापर, विक्री, साठवणूक, वाहतूक यांचे नियमन करण्यासाठी, महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र प्लास्टिक आणि थर्माकोल अविघटनशील वस्तूंचे (उत्पादन, वापर, विक्री, वाहतूक, हाताळणी आणि साठवणूक, अधिसूचना २३/०३/२०१८ रोजी प्रसिध्द करण्यात आली होती. ज्यामध्ये दिनांक ११ एप्रिल २०१८, दिनांक ३० जून २०१८, दिनांक १४ जून २०१९, दिनांक २८ मार्च, २०२२, १५ जुलै, २०२२ आणि ३०/११/२०२२ च्या अधिसूचनेनुसार सुधारणा करण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्माकोल अधिसूचना २०१८ अंतर्गत खालील गोष्टी प्रतिबाधित आहे.

प्लास्टिक पासून बनविल्या जाणा-या पिशव्या (Carry bags) (हॅण्डल सहित किंवा हॅण्डल शिवाय), नॉन बॉबन पॉलिओपीलीन बॅग

थर्माकोल व प्लास्टिक पासून बनविण्यात येणा-या व एकदाच वापरल्या जाणा-या डिस्पोजेबल वस्तू

सजावटीसाठी प्लास्टिक व थर्माकोल या वापर इत्यादी.

कंपोस्टेबल प्लास्टिक (कचरा व नर्सरीसाठीच्या पिशव्या सोडून).

प्लास्टिक लेपित (coated) तसेच प्लास्टिक थर (Laminated) असणा-या पेपर/अॅल्युमिनिअम इत्यादीपासून बनवलेल्या डिस्पोजेबल डिशा, कप, प्लेट्स, ग्लासेस, वाडगा, कंटेनर इत्यादी एकल वापर उत्पादनावर बंदी घालण्यात आली आहे. तसेच दिनांक ३०/११/२०२२ अन्वये अधिसूचनेत खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात आल्या.

कंपोस्टेबल पदार्थापासून बनविण्यात आलेले एकल वापर वस्तू, उदा. स्ट्रॉ, ताट, कप्स, प्लेट्स, ग्लासेस, काटे, चमचे, भांडे, वाडगा, कंटेनर इ. तथापि, कंपोस्टेबल प्लास्टिक पासून बनविलेल्या अशा वस्तू कंपोस्टेबल असल्याबाबत सेंट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजिनिअरींग अँड टेक्नॉलॉजी (CPE) व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून प्रमाणित करुन घेणे बंधनकारक राहिल.”

पॅकेजिंगसाठी वापरण्यात येणा-या प्लास्टिकच्या जाडीचा उत्पादनाच्या गुणवत्तेवर परिणाम होत असेल अशा ठिकाणी वगळून इतर ठिकाणी पॅकेजिंगकरिता वापरण्यात येणारे प्लास्टिक पॅकेजिंग (आवारण) ५० मायक्रॉनपेक्षा जास्त असणे बंधनकारक राहिल.

नॉन ओव्हन पॉलीप्रॉपीलीन बॅग्स (Non- women polypropylene Bags) ६० ग्रॅम पर स्ववेअर मीटर (पीएमएम) पेक्षा जास्त जाडी.

महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्माकोल अधिसूचना २०१८ अधिसूचनांची प्रभावी अंमलबजावणी करिता प्राधिकृत आणि अधिकारप्राप्त अधिकारी, स्थानिक स्वराज्य संस्था, महसूल विभाग, जिल्हा परिषद, संचालक आरोग्य सेवा, शिक्षण मंडळाचे संचालक, पर्यटन पोलीस आणि पोलीस विभाग, आयुक्त पुरवठा, राज्य कर विभाग, परिक्षेत्र वन अधिकारी, प्रभावी अंमलबजावणीसाठी दोन दोन समित्या स्थापन केल्या आहेत.

माननीय मंत्री (पर्यावरण) यांच्या अध्यक्षतेखाली अधिसूचनेमध्ये आवश्यक सुधारणा ठरवण्यासाठी आणि अंमलबजावणीचा आढावा घेण्यासाठी शक्तीप्रदान समिती व प्रधान सचिव, पर्यावरण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली तांत्रिक मार्गदर्शनाखाली तंत्र समिती

माननीय मुख्य सचिव, सरकार यांच्या अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र राज्यस्तरीय विशेष कृतीदल (SIF) ची स्थापना १२/१०/२०२१ रोजी करण्यात आली आहे.

जिल्हास्तरीय कृतीदल आणि शहर स्तरावर (दशलक्ष अधिक शहर) कृतीदलची स्थापना दिनांक २६/०४/२०२२ च्या शासन निर्णयाद्वारे करण्यात आली आहे.

दक्षतेसाठी प्रत्येक शहर स्तरावर दक्षता पथके तयार करण्यात आली आहेत.

जिल्हास्तरीय दक्षतापथक ही स्थापन केले आहे.

प्रतिबाधित वस्तूंच्या उत्पादनात गुंतलेल्या उद्योगांची चौकशी करुन २०१८ पासून आजपर्यंत अशा ४२८ उद्योगांना उत्पादन बंद करण्याचे निर्देश जारी केले आहेत. तसेच २०२२-२०२३ मध्ये स्थानिक संस्थाबरोबर केलेल्या संयुक्त कारवाईमध्ये सुमारे ४.२७ कोटी इतका दंड आकारण्यात आला व बंदी असलेले सुमारे १८१ टन प्लास्टिक दुकानदार व आस्थापनामधून जप्त करण्यात आले आहे.”

**१४. महाराष्ट्र (महानगरपालिका क्षेत्रातील अविघटनशील घनकचरा योग्य व शास्त्रशुद्ध पद्धतीने संकलन करणे, विलगीकरण करणे व विल्हेवाट करणे) नियम, २००६.**

महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६ च्या कलम १८ (३) याद्वारे प्रदान करण्यात आलेला अधिकारांचा वापर करून दिनांक ३ मार्च, २००६ रोजी महाराष्ट्र (महानगरपालिका क्षेत्रातील अविघटनशील घनकचरा योग्य व शास्त्रशुद्ध पद्धतीने संकलन करणे, विलगीकरण करणे व विल्हेवाट करणे) नियम प्रकाशित करण्यात आलेले आहेत. या नियमानुसार महानगरपालिकांची अविघटनशील कचरा हाताळण्याबाबतची जबाबदारी निश्चित करण्यात आलेली आहे. त्यानुसार महानगरपालिक आपल्या प्रादेशिक क्षेत्राच्या हद्दीमध्ये, या नियमांच्या तरतुदीची अंमलबजावणी करण्यासाठी आणि अविघटनशील घनकचरा गोळा करणे. तो वेगळा करणे, त्याची साठवण करणे, त्याची विलगीकरण करणे, तो वाहून नेणे, त्याच्यावर प्रक्रिया करणे आणि त्याची शास्त्रीय पद्धतीने विल्हेवाट लावणे यासाठीच्या कोणत्याही पायाभूत सुविधेचा विकास करणासाठी जबाबदार असेल. सार्वजनिक ठिकाणांवरील कच-याची सरमिसळ होऊ नये आणि कचरा खाली सोडू नये यासाठी सार्वजनिक ठिकाणी विघटनशील व अविघटनशील कच-याकरिता वेगवेगळ्या रंगाच्या किमान २ स्वतंत्र कचराकुंड्या ठेवतील आणि सार्वजनिक ठिकाणी या प्रयोजनासाठी ठेवलेल्या कचराकुंड्याकरिता ठराविक सांकेतिक रंग ठरवतील. महानगरपालिका कोणत्याही अभिकरणाच्या मदतीने प्रत्येक प्रभागामध्ये विविध ठिकाणी त्या क्षेत्रांमधील कचरा निर्मितीच्या अंदाजित प्रमाणावर आणि लोकसंख्येच्या घनतेवर आधारित अविघटनशील कचरा संकलन व विलगीकरण करणारी केंद्र उभारील. या नियमानुसार महानगरपालिका गटातील सहकारी गृहनिर्माण संस्था, हॉटेल, वाणिज्यिक आस्थापना व आपआपल्या जागांमध्ये निर्माण झालेली अविघटनशील व विघटनशील कचरा गोळा करण्यासाठी विहित रंगाच्या किमान दोन स्वतंत्र कचराकुंड्या ठेवतील.

**१५. पर्यावरण विभाग सामर्थ्यवान होण्यासाठी तांत्रिक कक्ष निर्माण करणे**

भारत सरकारच्या पर्यावरण व वन मंत्रालय यांनी पर्यावरण संरक्षणासाठी पर्यावरण विभागात तांत्रिक कक्ष तयार करण्यास मध्यवर्ती सहाय्य दिले. भारत सरकारने राज्य शासनाला पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ च्या कलम ५ अन्वये दिनांक १७-०५-१९८८ च्या परिपत्रकानुसार अधिकार दिले आहेत. या अधिकारान्वये कोणत्याही प्रदूषण करणा-या अथवा पर्यावरणाचा धोका उत्पन्न करण्याच्या प्रकल्पावर कारवाई करता येते.

**१६. महाराष्ट्र पर्यावरण माहिती प्रणाली केंद्र (ENVIS)**

केंद्रीय पर्यावरण, वने व वातावरणीय बदल मंत्रालयाद्वारे पर्यावरण विषयक माहितीचा महाजाल विकसित करण्याच्या उद्देशाने पर्यावरण माहिती प्रणाली केंद्र (ENVIS) योजना देशभर राबविण्यात येते.

१००% केंद्र शासन पुरस्कृत पर्यावरण माहिती प्रणाली केंद्र (ENVIS) पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभागात सन २००३-२०१६ पर्यंत कार्यरत होते.

सदर केंद्र हे दि.१३ डिसेंबर २०१८ रोजी पुर्नजिवित करण्यात आले आहे. या केंद्रामार्फत पर्यावरणाशी संबंधित विविध घटक आणि समस्यांच्या अद्यावत व शास्त्रीय माहितीचे संकलन करून ती समाजाच्या विविध घटकांना जसे विद्यार्थी, शिक्षक, संशोधक, सामान्य जनमानस यांच्या पर्यंत आधुनिक तंत्रज्ञानाच्या सहाय्याने (<http://mahenvis.nic.in/>) न्युजलेटर, जनजागृतीपर उपक्रम जसे

कि विविध कार्यशाळा, सेमिनार, प्रशिक्षण, पर्यावरणपुरक सण साजरे करण्याच्या हेतुने (पर्यावरणपुरक होळी नैसर्गिक रंगाचा वापर करून) तसेच पर्यावरणपुरक गणेशोत्सव, पर्यावरणपुरक दिवाळी इ. मार्फत पोहचविण्यात येतात.

पर्यावरण माहिती प्रणाली केंद्रात चार कर्मचारी कार्यरत असून, सदरहु पर्यावरण माहिती प्रणाली केंद्र हे केंद्र शासन पुरस्कृत योजनेतर्गत समाविष्ट आहे. केंद्र शासनाकडून १००% अनुदान प्राप्त होते. त्या अनुदानाचा विनियोग कर्मचा-याचे वेतन विविध कार्यशाळा, वेबिनार, सेमिनार इतर जनजागृतीपर उपक्रम राबविले जातात त्यासाठी करण्यात येतो.

**१. प्रकाशने**

पर्यावरण विषयक माहिती, पर्यावरणाबाबत जनजागृतीसाठी पर्यावरण विषयक चालू घडामोडी व पर्यावरणविषयक ज्वलंत समस्यांवर ENVIS Newsletter प्रकाशित करण्यात येते.

**२. ग्रीन स्किल डेव्हलपमेंट प्रोग्राम (GSDP)**

पर्यावरण, वने, आणि हवामान बदल क्षेत्रातील सुमारे दशलक्ष तरुणांना कौशल्य मिळावे यासाठी “ग्रीन स्किल डेव्हलपमेंट प्रोग्राम” मार्फत तरुणांना प्रशिक्षण देवून सुशिक्षित बेरोजगारांना रोजगाराच्या संधी उपलब्ध करून देणे हे उद्दिष्ट आहे.

**१७. राज्य सरोवर संवर्धन योजना**

राज्यातील तलाव, सरोवर व मोठे जलाशय यांचे पर्यावरणदृष्ट्या संवर्धन करण्यासाठी योजना राज्यांतर्गत राबविण्यात येत आहे. या योजनेंतर्गत शहरी व निमशहरी भागातील प्रदुषित व पर्यावरणीय दृष्ट्या दर्जा खालावलेल्या तलावांचे संरक्षण व संवर्धन करण्यात येते. राज्य शासनाचा जास्तीत जास्त ७०-९० टक्के हिस्सा देण्यात येतो. उर्वरित हिस्सा स्थानिक यंत्रणेने उपलब्ध करावयाचा आहे. अ वर्ग नगरपरीषद व महानगरपालिका/विश्वस्थ संस्था/ शासकीय सेवाभावी संस्था/कटक मंडळे-३०%, ब वर्ग नगरपरीषद-२०% , क वर्ग नगरपरीषद व ग्रामीण क्षेत्र-१०%. “ या योजनेतर्गत सन २००७ पासून मार्च २०२३ पर्यंत एकूण ८२ तलाव प्रस्तावांना प्रशासकीय मान्यता देण्यात आलेली आहे. तसेच एकूण ३१ तलाव प्रस्तावांना तत्वतः मान्यता देण्यात आलेली आहे. सदर एकूण ११३ तलावांची एकूण मंजूर रक्कम २५०.५४ कोटी इतकी असून यापैकी राज्य शासनाचा हिस्सा रुपये २०८.२९ कोटी इतका आहे. सदर एकूण ११३ तलाव संवर्धनानासाठी राज्य हिश्यापैकी रुपये १३८.७२ कोटी एवढा निधी वितरित करण्यात आलेला आहे.”

**१८. पर्यावरण विषयक जनजागृती उपक्रम**

**अ) “ Call for Green Ideas ” हरितसंकल्पना**

पर्यावरणविषयक व्यापक जनजागृतीसाठी महाराष्ट्र राज्याच्या सुवर्णजयंतीचे निमित्त साधून सन २०१० च्या जागतिक पर्यावरण दिनी पर्यावरण विभागामार्फत, “Call for Green Ideas” ही नाविन्यपूर्ण योजना राबविण्यास सुरुवात झाली. सदर योजनेचे स्वरूप हे शासनाच्या इतर चाकोरीबद्ध योजनांसारखे नसून योजनेचा मूल उद्देश राज्याच्या स्थानिक पर्यावरणाच्या गरजा लक्षात घेवून लोकसहभागानुसार नाविन्यपूर्ण कार्यक्रम राबविणे असा आहे. या योजनेद्वारे राज्यभरातून शहरी, ग्रामिण आदिवासी, पश्चिम घाट सागरतटीय या भागातील स्थानिक पर्यावरणीय समस्यांशी निगडित कार्यक्रमांवर आधारित आणि लोकसहभाग असलेले प्रस्ताव जनजागृती प्रकल्प व अंमलबजावणी प्रकल्प या दोन वर्गवारीत मागविण्यात येतात. प्रकल्पांची निवड ही प्रकल्पांचे नाविन्य, स्वयंसिध्दता, फलनिष्पत्ती, योजनेचे कार्यक्षेत्र, इतरत्र वापरक्षमता, लोकसहभाग इ. निकषांनुसार करण्यात येते.

सन २०१० पासून ३१/१२/२०२२ पर्यंत विभागास राज्यभरातून एकुण १३५५ प्रस्ताव प्राप्त झाले असून त्यापैकी ७६ नाविन्यपूर्ण प्रस्तावांची निवड करण्यात आली आहे. निवडप्राप्त प्रस्तावांमध्ये ४६ प्रस्ताव जनजागृती वर्गवारीतले असून ३० प्रस्ताव अंमलबजावणी वर्गवारीचे आहेत. उपरोक्त प्रस्तावास रु.५५०.३९ लक्ष एवढा निधी मंजूर करण्यात आलेला आहे.

तसेच शासनाच्या जावक क्र. इएनव्ही-२०१६/प्र.क्र.७१/तां.क.३, दि. ०८ नोव्हेंबर, २०१६ अन्वये हरित संकल्पना योजनेच्या अंमलबजावणीविषयी कार्यपध्दती सुधारितरित्या सुनिश्चित करण्यासाठी नव्याने मार्गदर्शक सूचना निर्गमित करण्यात आलेल्या आहे.

## ब) सृष्टी मित्र पुरस्कार

महाराष्ट्र राज्याच्या सुवर्ण महोत्सवी वर्षाचे निमित्त साधून सन २०१० पासून “सृष्टीमित्र पारितोषिक” ही योजना पर्यावरणाचे संरक्षण व संवर्धन करणे या व्यापक जनजागृतीसाठी सुरु करण्यात आलेली असून या अंतर्गत दरवर्षी राज्यस्तरीय पर्यावरण विषयक विविध स्पर्धेचे, पर्यावरण प्रकल्प, पर्यावरण छायाचित्र, बालसाहित्य, स्लाईड शो, घोषवाक्य, सर्वोत्तम इको-क्लब, पर्यावरण शिक्षणावर केस स्टडी व पर्यावरण संवर्धनात महिलांचे योगदान अशा वर्गवारीत आयोजन करण्यात येते. स्पर्धेअंतर्गत प्रत्येक श्रेणीतील सर्वात सृजनशील तसेच लक्षणीय अशा प्रवेशिकांना प्रशस्तीपत्र व रोख पारितोषिक देण्यात येते.

## १९. पर्यावरणपूरक बांधकाम क्षेत्रातील मार्गदर्शक तत्त्वे

विकासकामे व मूलभूत सोयीसुविधा पुरविण्याच्या अनुषंगाने बांधकाम प्रक्रियेमध्ये नैसर्गिक संसाधनांच्या अनिर्बंध वापरामुळे पर्यावरणाचे संतुलन बिघडत असल्याची बाब निदर्शनास आली.

राज्यात नैसर्गिक संसाधनाचा योग्य वापर, सुयोग्य कचरा व्यवस्थापन, हरितगृह वायू उत्सर्जनात संतुलन साधण्यासाठी तसेच जीवनमानात सुधार करण्याच्या अनुषंगाने शासन निर्णय क्रमांक इएनव्ही २०१३/प्र.क्र.१७७/तां.क.१ दिनांक १० जानेवारी, २०१४ अन्वये, पर्यावरणपूरक इमारत बांधकाम क्षेत्रासाठी मार्गदर्शक तत्त्वे तयार करण्यात आली आहेत.

पर्यावरणपूरक मार्गदर्शक तत्त्वांमध्ये खालील सहा घटकांचा समावेश करण्यात आला आहे.

- १) बांधकाम स्थळ, परिस्थितीकी आणि वाहतूक.
- २) पाण्याचे कार्यक्षम व्यवस्थापन, सांडपाणी प्रक्रिया आणि पुनर्वापर.
- ३) ऊर्जेचा कार्यक्षम वापर.
- ४) अपारंपरीक ऊर्जा वापर.
- ५) कचरा व्यवस्थापन.
- ६) इमारत बांधकाम साहित्य.

सदर मार्गदर्शक तत्त्वांच्या अंमलबजावणीमुळे, ऊर्जा वापरात तसेच पाणी वापरात अनुक्रमे २०-३० % व १५-२० % बचत होणे अपेक्षित आहे. तसेच बांधकामाच्या वेळी २०-३० % कमी कचरा उत्पादित होऊन त्यानुषंगिक प्रदूषणास आळा बसणार आहे.

## २०. वृक्ष तोड :

राज्यातील वाढत्या नागरीकरण आणि औद्योगिकीकरणाच्या गतीमुळे राज्याच्या शहरी भागात अनेक वृक्ष तोडली जात आहेत. वृक्षतोडीचे नियमन करून आणि त्या भागात पुरेशा संख्येने नवीन झाडे लावण्याची तरतूद करून राज्यातील शहरी भागातील वृक्षांसाठी चांगल्या तरतुदी करण्यासाठी महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्रे) झाडांचे संरक्षण व जतन (सुधारणा) अधिनियम, १९७५ हा अधिनियम महत्त्वाचा ठरतो. त्यानुषंगाने दि. १६ जुलै २०२१ रोजी महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) संरक्षण आणि संरक्षण कायदा, १९७५ मध्ये सुधारणा प्रसिध्द करण्यात आल्या. त्यामधील ठळक तरतुदी खालीलप्रमाणे आहेत.

१) सुधारित अधिनियमानुसार पुरातन वृक्ष (हेरिटेज ट्री) ही संज्ञा समाविष्ट केलेली आहे. त्यानुसार पुरातन वृक्ष, हा कोणत्याही प्रजातीचा असा वृक्ष असेल, ज्यांचे अंदाजित वय ५० वर्षे किंवा त्याहुन अधिक असेल.

२) तोडण्यात / पुनर्रोपण करण्यात येणा-या वृक्षांच्या अंदाजित केलेल्या वयाइतक्या वृक्षांच्या संख्येइतकी वृक्ष लावावीत.

३) लागवड करताना किमान ६ फुट उंचीची रोपे लावण्यात यावीत.

४) अशाप्रकारे लावण्यात येणा-या वृक्षांचे सात वर्षांपर्यंत संगोपण करणे आवश्यक राहिल.

५) पुनर्रोपण केवळ तज्ञांच्या मार्गदर्शनावर केले जावे.

६) राज्य पातळीवर महाराष्ट्र राज्य वृक्ष प्राधिकरण वृक्षांच्या संरक्षणाबाबत निर्णय घेण्यासाठी स्थापन करण्यात आलेले आहे.

- अध्यक्ष - प्रधान सचिव पर्यावरण आणि वातावरणीय बदल विभाग.
- सदस्य - अपर मुख्य सचिव / प्रधान सचिव (नवि-२), नगर विकास विभाग.
- सदस्य - अपर मुख्य सचिव / प्रधान सचिव (वने), महसुल व वने विभाग.
- सदस्य सचिव - संचालक, पर्यावरण आणि वातावरणीय बदल विभाग.
- तज्ञ सदस्य - ३ वृक्ष तज्ञ त्यांची कार्ये खालीलप्रमाणे आहेत.
- वृक्ष प्राधिकरणाच्या कामकाजाचे संनियंत्रण करणे.
- राज्यभरातील पुरातन वृक्षांचे (हेरिटेज ट्री) संरक्षण व संवर्धन करणे.
- झाडांचे संरक्षण व संवर्धन करण्याशी संबंधित असणारी इतर कोणतीही कामे करणे.

## APPENDIX -- 1

## पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभाग

## ENVIRONMENT AND CLIMATE CHANGE DEPARTMENT

## पदे व वेतन श्रेणी

## POST AND PAY SCALES

दिनांक मे, २०२४

| पदनाम                    | वेतनश्रेणी<br>Pay Band | पदांची संख्या<br>Number of Post               |   |  | Designation                    |
|--------------------------|------------------------|---|---|--|--------------------------------|
|                          |                        | मंजूर पदे<br>Number of<br>Sanctioned<br>Posts | भरलेली पदे<br>Number<br>of Filled<br>Post | रिक्त पदे<br>Number of<br>Vacant<br>Post |                                |
| <b>गट अ राजपत्रित</b>    |                        |   |   |  | <b>Group A Gazetted</b>        |
| <b>गट अ</b>              |                        |   |   |  | <b>Group A</b>                 |
| प्रधान सचिव              | 224100                 | 1   | 1   | 0 ...                                    | Principal Secretary            |
| संचालक पर्यावरण          | 118500-214100          | 1   | 1   | 0 ...                                    | Director, Environment          |
| उपसचिव                   | 78800-209200           | 2   | 1   | 1 ...                                    | Deputy Secretary               |
| शास्त्रज्ञ श्रेणी-१      | 78800-209200           | 2   | 1   | 1 ...                                    | Scientist Gr.-1                |
| शास्त्रज्ञ श्रेणी-२      | 67700-208700           | 9   | 3   | 6 ...                                    | Scientist Gr.-2                |
| अवर सचिव आस्थापना        | 67700-208700           | 1   | 1   | 0 ...                                    | Under Secretary                |
| अवर सचिव (विधी)          | 67700-208700           | 1   | 0   | 1 ...                                    | Under Secretary (Law)          |
| <b>गट ब (राजपत्रित)</b>  |                        |   |   |  | <b>Group B (Gazetted)</b>      |
| कक्ष अधिकारी             | 47600-151100           | 4   | 4   | 0 ...                                    | Section Officer                |
| <b>गट ब (अराजपत्रित)</b> |                        |   |   |  | <b>Group B ( Non-Gazetted)</b> |
| उच्चश्रेणी लघुलेखक       | 41800-132300           | 3   | 3   | 0 ...                                    | High Grade Stenographer        |
| निम्नश्रेणी लघुलेखक      | 38600-122800           | 3   | 1   | 2 ...                                    | Lower Grade Stenographer       |
| सहायक कक्ष अधिकारी       | 38600-122800           | 8   | 7   | 1 ...                                    | Assistant Section Officer      |
| <b>गट क</b>              |                        |   |   |  | <b>Group C</b>                 |
| लिपिक-टंकलेखक            | 19900-63200            | 8   | 7   | 1 ...                                    | Clerk - Typist                 |
| वाहनचालक                 | 19900-63200            | 0 (मृतसंवर्ग)                                 | 1(अधिसंख्य)                               | 0 ...                                    | Driver                         |
| <b>गट ड</b>              |                        |   |   |  | <b>Group D</b>                 |
| झेरोक्स ऑपरेटर           | 15000-47600            | -   | -   | - ...                                    | Xerox Operator                 |
| रोनिओ ऑपरेटर             | 15000-47600            | -   | -   | - ...                                    | Roneo Operator                 |
| शिपाई                    | 15000-47600            | 0 (मृतसंवर्ग)                                 | 4(अधिसंख्य)                               | 0 ...                                    | Peon                           |
| <b>एकूण</b>              |                        | <b>43</b>                                     | <b>30+5</b>                               | <b>13</b>                                |                                |
|                          |                        |   | (अधिसंख्य)=35                             |  |                                |



## २. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ, मुंबई

### 2. Maharashtra Pollution Control Board

प्रस्तावना :

#### १. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ आणि त्यांचे कार्य :

महाराष्ट्र जल प्रदूषण प्रतिबंध अधिनियम, १९६९ च्या अन्वये महाराष्ट्र जल प्रदूषण नियंत्रण मंडळाची स्थापना १९७० साली झाली. ह्या अधिनियमाऐवजी महाराष्ट्रात १-६-१९८१ पासून केंद्रीय जल प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) कायदा १९७४ स्विकारला गेला. त्यामुळे या मंडळाला अधिक अधिकार मिळाले. १९७४ चा अधिनियम अंगिकारल्यानंतर ह्या मंडळाचे जल प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) मंडळ हे नाव बदलून महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ असे ठेवण्यात आले. त्यानंतर १६-५-८१ पासून हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अंमलात आला.

#### केंद्र शासन/राज्य शासन यांनी पारित केलेले अधिनियम/

नियम :

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ अंमलबजावणी करित असलेले

#### अधिनियम व नियम

जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ व त्या अंतर्गत घोषित केलेले नियम हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ व त्या अंतर्गत घोषित केलेले नियम

महाराष्ट्र जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) नियम, १९८३

महाराष्ट्र हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) नियम, १९८३

पर्यावरण (सरंक्षण) अधिनियम, १९८६, व त्या अंतर्गत घोषित केलेले नियम

\* घातक व इतर कचरा (व्यवस्थापन व सीमांतर्गत वाहतूक) नियम, २०१६

\* जैव वैद्यकीय कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* घनकचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* बांधकाम व पाडकाम कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* ई-कचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६

\* धोकादायक रासायने, उत्पादन, साठवणूक आणि आयात नियम, १९८९

\* ध्वनी प्रदूषण (विनियमन व प्रतिबंध) नियम, २०००

\* बॅटरी (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, २०१०

#### अधिसूचना

\* पर्यावरण आघात मुल्यांकन अधिसूचना, २००६

\* माहितीचा अधिकार अधिनियम २००५ व

\* महाराष्ट्र माहिती अधिकार नियम, २००५

\* महाराष्ट्र विघटनशील व अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६ आणि महाराष्ट्र प्लास्टिक कॅरी बॅग्ज (उत्पादन आणि वापर) नियम, २००६

\* राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरण अधिनियम, २०१०

\* अंमलबजावणी धोरण २०१६

मंडळाची कार्ये :-

१. विविध जलस्रोताच्या व हवेच्या प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रणासाठी राज्यव्यापी योजना तयार करून त्याची अंमलबजावणी करणे.

२. जल प्रदूषण व हवा प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रणाबाबत राज्य शासनास सल्ला देणे.

३. जल प्रदूषण व हवा प्रदूषणासंबंधी तसेच नियंत्रण कार्यवाहीबद्दल माहिती संकलित करून प्रकाशित करणे.

४. जल प्रदूषण व हवा प्रदूषणासंबंधी समस्यावरील संशोधनास प्रोत्साहन देणे, संशोधन करणे व त्यामध्ये सहभाग घेणे.

५. प्रदूषण नियंत्रणाविषयावरील प्रशिक्षणाचे आयोजन करणे व संबंधित लोकशिक्षणाचे कार्यक्रम आयोजित करणे.

६. नागरी सांडपाणी, औद्योगिक सांडपाणी त्याचप्रमाणे सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्राच्या कार्याचे अधिनियमातील तरतुदीनुसार संमतीपत्र संदर्भात परिक्षण करणे. हवा प्रदूषण नियंत्रणासाठी असलेले उपकरण, यंत्रणा, औद्योगिक संयंत्र, उत्पादन प्रक्रिया यांचे परिक्षण करणे व आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण उपाययोजनेसाठी निर्देशित करणे.

७. हवा प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्रातील हवेचे मूल्यमापन करणे व प्रदूषण प्रतिबंधात्मक उपाय योजना करणे.

८. सांडपाण्यातील व हवेतील प्रदूषण घटकांची मानके निश्चित करणे व त्यामध्ये सुधारणा करणे, त्याचप्रमाणे प्रदूषण घटक मिसळणाऱ्या जलस्रोताची वर्गवारी करून त्याची मानके निश्चित करणे. विविध औद्योगिक संयंत्रातील उत्सजनानुसार हवा प्रदूषण घटकांची मानके निश्चित करणे.

९. एका विशिष्ट प्रकारच्या उद्योगामुळे/प्रकल्पामुळे ठराविक ठिकाणची हवा प्रदूषित होणार असेल किंवा जल प्रदूषित होणार असेल तर त्याबाबत राज्य शासनास योग्य तो सल्ला देणे.

१०. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळ व राज्य शासनाने वेळोवेळी नेमून दिलेली कार्ये पार पाडणे.

#### २. (अ) जल (प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ अंतर्गत संमती देणे :

एखादे क्षेत्र जल प्रतिबंध क्षेत्र म्हणून अधिसूचित झाल्यानंतर प्रदूषणावर नियंत्रण ठेवण्याबाबत, अधिनियमातील तरतुदीची अंमलबजावणी त्या क्षेत्रात करण्यात येते. या क्षेत्रातील उद्योगांना आपल्या सांडपाण्याचे निःसारण करण्यास संमती मिळण्यासाठी मंडळाकडे अर्ज करावा लागतो. संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य जल प्रदूषण व प्रतिबंध व नियमन क्षेत्र म्हणून एका अधिसूचनेप्रमाणे घोषित करण्यात आले आहे. अशी संमती देताना मंडळाला अशा उद्योगांकडून होणाऱ्या प्रदूषणाची कारणे, त्यातील प्रक्रिया, वापरण्यात येणारा कच्चा माल, सांडपाण्यावर करावयाची प्रक्रिया आणि त्याच्या निःसारणासाठी उत्तम पध्दती कोणती याबाबत बारकाईने तपासणी व अभ्यास करावा लागतो. त्यासाठी उद्योगांना भेटी देणे आणि त्यांच्या सांडपाण्याचे नमुने तपासणे आवश्यक असते. अशा तऱ्हेने ज्यावेळी संमती दिली जाते त्यावेळी टाकाऊ पदार्थाचे व सांडपाण्याची गुणवत्ता कशी असावी, त्याची व्याप्ती कशी असावी. जेणेकरून जल-प्रवाहात निःसारण करणे योग्य ठरेल, ठरवून दिले जाते आणि आवश्यक ती प्रक्रिया करण्यासाठी निश्चित कालावधी नेमून देण्यात येतो. संमती देण्याचे हे कार्य मंडळाचे एक महत्त्वाचे कार्य असून ती एक अतिशय तांत्रिक बाब आहे व त्यासाठी विशेष ज्ञान आणि प्रत्येक उद्योगाच्या सुक्ष्म अभ्यासाची आवश्यकता असते.

राज्यात एकूण सुमारे १२१४९८ हे लाल, नारंगी व हिरवा संवर्गातील प्रदूषणकारी उद्योगधंदे आहेत. या मंडळाने प्रदूषणाच्या दृष्टीने महत्वाचे अशा प्रमुख उद्योगांची माहिती एकत्रित केली असून त्यांच्याकडे प्रामुख्याने लक्ष देण्यात येते. मंडळाने २०२२-२३ या वर्षात सुमारे १३५७६ उद्योगांना संमतीपत्रे दिलेली आहेत. कोणतीही प्रक्रिया न करता जलप्रवाहात सोडलेले प्रवाह व सांडपाणी हे सुध्दा प्रदूषणाचे प्रमुख कारण आहे. राज्यातील स्थानिक स्वराज्य संस्थामार्फत एकूण सांडपाणी निर्मितीपैकी सुमारे ८५ % सांडपाणी हे २८ महानगरपालिकांद्वारे निर्मित होते व उर्वरित १५ % सांडपाणी हे 'अ' 'ब' व 'क' नगरपालिका व कटक मंडळ निर्माण करतात यापैकी ३९ स्थानिक प्राधिकरणाकडे सांडपाणी प्रक्रिया व्यवस्था उपलब्ध आहे. व एकूण प्रक्रिया क्षमता सांडपाणी निर्मितीच्या ६२.२ % आहे. सदर महानगरपालिका व नगरपालिकांनी सांडपाणी संकलन प्रक्रिया व विल्हेवाट लावण्यासाठी संयंत्रणा बसविणे व ती निरंतर कार्यरत ठेवणे गरजेचे आहे. असे प्रक्रिया केलेले सांडपाणी जमिनीवर विल्हेवाट लावण्यासाठी जसे शेती, उद्याने इ. साठी वापरण्याची परवानगी मंडळातर्फे देण्यात येते. महाराष्ट्रातील बहुतेक नद्या या बारामाही नाहीत यामुळे नदीमध्ये कमीत कमी प्रवाह असल्यास सदर प्रक्रिया केलेले सांडपाणी नदीमध्ये सोडण्यास परवानगी देण्याचा विचार केला जाऊ शकतो. मल प्रवाह व सांडपाणी यांच्या निरासरणसाठी स्थानिक प्राधिकरणासुद्धा मंडळाची संमती घेणे आवश्यक आहे. राज्यामध्ये २८ महानगरपालिका, २२९ नगरपालिका, १४२ नगरपंचायत व ७ कटक मंडळे आहेत.

### ३. हवा प्रदूषण व नियंत्रण अधिनियम, १९८१ अन्वये संमती देणे :-

भारत सरकारने लागू केलेल्या हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम १९८१ तरतुदीनुसार जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ नुसार प्रस्थापित झालेल्या मंडळाकडे हवा प्रदूषण नियंत्रणाचे कार्य सोपविण्यात आले आहे.

एखादे क्षेत्र हवा प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्र म्हणून अधिसूचित झाल्यानंतर हवा प्रदूषणावर नियंत्रण ठेवण्यासाठी अधिनियमातील तरतुदीप्रमाणे त्या प्रदेशातील उद्योगांना आपला कारखाना सुरु करणसाठी म. प्र. नि. मंडळाकडून संमती मिळवावी लागते. संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य हवा प्रदूषणनियंत्रण क्षेत्र म्हणून जाहिर करण्यात आलेले आहे. त्यासाठी रितसर अर्ज मंडळाकडे करावा लागतो. अशी संमती देताना मंडळाला अशा उद्योगाकडून होणाऱ्या प्रदूषणाची कारणे, प्रक्रियेत वापरण्यात येणारा कच्चा माल, हवा प्रदूषण नियंत्रणाची आवश्यकता, हवा प्रदूषण नियंत्रणाची उत्तम पध्दती कोणती याबाबत बारकाईने तपासणी व अभ्यास कारवा लागतो. त्यासाठी उद्योगांना भेटी देणे आणि तेथील उत्सर्जित वायूचे नमुने तपासणे आवश्यक

असते. अशा तऱ्हेने संमती देताना उत्सर्जनातील हवा प्रदूषण घटक व त्यांचे प्रमाण आणि ते कशा प्रकारे नियंत्रित करून उत्सर्जित केले जावे त्याचे मानके ठरवून दिली जातात.

### ४. कायदेशीर कारवाईबाबत माहिती :-

अधिनियमांच्या तदतूदींचे उल्लंघन ज्यांच्याकडून होते, त्यांच्याविरुद्ध वैधानिक कारवाई मंडळाकडून केली जाते. अशी कारवाई सुरु करण्यापूर्वी प्रत्येक प्रकरणाचा सविस्तर अभ्यास करण्यात येतो. जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ अन्वये डिसेंबर, २०२३ पर्यंत ५३० कसूरदार कारखान्यांविरुद्ध खटले दाखल करण्यात आलेले आहेत. त्यापैकी १७० प्रकरणी मंडळाच्या बाजूने निकाल लागला आहे. २३० प्रकरणी मंडळाच्या विरुद्ध निकाल लागला आहे. उर्वरित १३० प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित आहेत.

हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अन्वये १४९ प्रकरणे न्यायालयात दाखल करण्यात आलेली आहेत. त्यापैकी, ११५ प्रकरणी मंडळाच्या बाजूने व ३४ प्रकरणी मंडळाच्या विरुद्ध निकाल लागलेला आहे. सदर अधिनियमांतर्गत प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित नाहीत.

पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, १९८६ मधील कलम १५ नुसार विविध नियमांखाली न्यायालयात एकूण ९२१ तक्रारी दाखल करण्यात आल्या आहेत. त्यापैकी २४५ तक्रारीमध्ये निकाल झालेला आहे. उर्वरित ६७६ प्रकरणे न्यायालयात प्रलंबित आहेत.

१. घातक कचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, १९८९ (सुधारित नियम, २०००) आणि घातक व इतर कचरा (व्यवस्थापन व सीमांतर्गत वाहतूक) नियम, २०१६ अंतर्गत मंडळाने एकूण १९ कसूरदार कारखान्यांवर खटले दाखल केले आहेत.

२. जैव वैद्यकीय कचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, २००० अंतर्गत मंडळाने ३२ कसूरदारांविरुद्ध खटले दाखल केले आहेत.

३. महानगरपालिका व नगरपालिका विरुद्ध जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८४ व नागरी घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम, २००० / घनकचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६ अंतर्गत मंडळाने ३७ खटले दाखल केले आहेत.

४. पुनर्चक्रित प्लास्टिक पिशव्या (उत्पादन व वापर) नियम, १९९९ महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) अधिनियम, २००६ सोबत महाराष्ट्र प्लास्टीक आणि थर्मोकॉल वस्तुंचे (उत्पादन, वापर, विक्री, वाहतूक, हाताळणी, साठवणूक) अधिसूचना, २०१८ अंतर्गत मंडळाने ९ कसूरदार कारखान्यांवर खटले दाखल केले आहेत.

५. सागरतटीय अधिसूचनेअंतर्गत मंडळाने कसूरदारांविरुद्ध ८० खटले दाखल केले आहेत.

६. पर्यावरण आघात मुल्यांकन अधिसूचना, १९९४, सुधारीत अधिसूचना दिनांक ७/७/२००४ आणि पर्यावरण आघात मुल्यांकन अधिसूचना, १४/९/२००६ नुसार ३१४ खटले दाखल केले आहेत.

७. ध्वनी प्रदूषण (प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, २००० अंतर्गत ४३० खटले दाखल करण्यात आलेले आहेत.

जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ व हवा (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९८१ अंतर्गतची एकूण २३९ अपिल्स अपिलेट ऑथॉरिटीसमोर दाखल झाली होती त्यापैकी ९३ अपिल्स निकाली निघाली आहेत व १४६ अपिल्स प्रलंबित आहेत.

राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणाची स्थापना पर्यावरण विषयक बाबींच्या न्यायालयीन पुनर्विलोकन करण्यात आलेली आहे. सदरहू राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरण, नवी दिल्ली येथे स्थापित असून सप्टेंबर, २०१३ मध्ये पुणे येथे २०१० साली राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणाची पश्चिम झोनची स्थापना करण्यात आलेली आहे. राष्ट्रीय हरीत न्यायाधिकरणासमोर ७४७ अपिल्स/अॅप्लिकेशन्स दाखल करण्यात आलेले आहेत. त्यापैकी ५६४ अपिल्स/अॅप्लिकेशन्स निकाली निघाले आहेत व १८३ अपिल्स/अॅप्लिकेशन्स प्रलंबित आहेत.

मे. उच्च न्यायालयाच्या ३ खंडपीठांसमोर (मुंबई, नागपूर व औरंगाबाद) या न्यायालयामध्ये १४०० सार्वजनिक हितांच्या याचिका/याचिका दाखल झालेल्या आहेत. त्यापैकी १००२ सार्वजनिक हितांच्या याचिका/याचिका निकाली निघाल्या आहेत व ३९८ प्रकरणे प्रलंबित आहेत. व मे. सर्वोच्च न्यायालयामध्ये २२० सार्वजनिक हितांच्या याचिका/याचिका दाखल झालेल्या आहेत. त्यापैकी ९७ सार्वजनिक हितांच्या याचिका/याचिका निकाली निघाल्या आहेत व १२३ प्रकरणे प्रलंबित आहेत.

सदरहू याचिकांमध्ये मप्रनि मंडळातर्फे अ व ब वर्ग वकीलांची मे. उच्च न्यायालयामध्ये आणि सर्वोच्च न्यायालयातील अभिलेखातील वकील (अॅडव्होकेट ऑन रेकॉर्ड) यांची नेमणुक करून, त्यांना योग्य त्या सूचना देणे, प्रतिज्ञापत्र तयार करून दाखल करणे आणि मा. न्यायालयांनी दिलेल्या आदेशांचे पालन करणे या बाबी विधी विभागामार्फत पार पाडण्यात येतात. याव्यतिरिक्त वेगवेगळ्या कायदेशीर बाबींवर विधी विभागामार्फत कायदेशीर मत दिले जाते.

#### ५. उपकर शाखा व त्यांचे कार्य

मंडळाने जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियमाखाली अंमलबजावणी दि. १/४/१९८३ पासून संपूर्ण महाराष्ट्रामध्ये विहित उद्योग व स्थानिक संस्था यांच्याबाबतीत केली असून त्यापोटी मिळणारी जल उपकरांची रक्कम केंद्र शासनाकडे जमा केली जाते. केंद्र शासनाकडून या महसूलाचा ८०% भाग मंडळास देण्यात येत होता.

सन २०२२-२३ या वित्तीय वर्षामध्ये रु. १.३६ कोटी दिनांक १-७-२०१७ पुर्वीच्या कालावधीचा उपकर जमा झाला. केंद्रशासनाच्या निर्देशानुसार या वित्तीय वर्षामध्ये मंडळाच्या हिश्यापोटी रु. ४.२४ कोटी रक्कम प्राप्त झाली आहे.

दिनांक १/७/२०१७ पासून वस्तु व सेवाकर २०१७, कायदा लागू झाल्यापासून जल (प्रदूषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम रद्द झाल्याने पुढील कालावधीचे म्हणजेच दिनांक १-७-२०१७ पासून पुढील कालावधीचे मूल्यनिर्धारण करण्यात येणार नाही.

केंद्र शासनाकडून डिसेंबर, २०१८ पर्यंत रु. ८४.५१ कोटी एवढी रक्कम येणे बाकी आहे.

#### ६. मंडळाने हाती घेतलेल्या विशिष्ट प्रकल्पांचा अभ्यास : -

(अ) राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण कार्यक्रम (National Water Quality Monitoring Programme (NWMP)) : केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत या मंडळास हा प्रकल्प सोपविला आहे. या प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील महत्त्वाच्या नद्यांच्या पाण्याचे नमुने संकलीत करून त्याचे प्रयोगशाळेत विश्लेषण केले जाते.

या प्रकल्पांतर्गत एप्रिल २०२२ ते मार्च २०२३ या वर्षात एकूण २२६९ नमुने संकलित केले आहेत. त्यासंबंधीचे विश्लेषण अहवाल केंद्रीय मंडळाकडे वेळोवेळी सादर करण्यात येतो. जानेवारी २०२३ ते मार्च २०२३ पर्यंत ५४१ नमुने संकलित करण्यात आले. सदर प्रकल्प पुढे चालू आहे.

(आ) राज्य जल गुणवत्ता सनियंत्रण कार्यक्रम (State Water Quality Monitoring Programme(SWMP)) : राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत हा प्रकल्प राबविला जातो. या प्रकल्पांतर्गत महाराष्ट्रातील नद्यांच्या पाण्याचे नमुने संकलीत करून त्याचे प्रयोगशाळेत विश्लेषण केले जाते.

या प्रकल्पांतर्गत एप्रिल २०२२ ते मार्च २०२३ या वर्षात एकूण ३२१ नमुने संकलित केले आहेत. जानेवारी २०२३ ते मार्च २०२३ पर्यंत ७२ नमुने संकलित करण्यात आले. सदर प्रकल्प पुढे चालू आहे.

नदीच्या पाण्याच्या परिक्षण अहवालावरून पाण्याची प्रत व दर्जा ठरविण्यात येतो. राज्यातील जल सनियंत्रण स्थानके तक्ता-१ मध्ये देण्यात आले आहेत.



## जल व हवा गुणवत्ता संनियंत्रण स्थानके (मार्च २०२३)

| अनुक्रमांक | प्रा. का.   | हवा                      |                                |                                | (राष्ट्रीय जल संनियंत्रण कार्यक्रम) |           | राज्य जल संनियंत्रण कार्यक्रम |           |
|------------|-------------|--------------------------|--------------------------------|--------------------------------|-------------------------------------|-----------|-------------------------------|-----------|
|            |             | राष्ट्रीय हवा संनियंत्रण | राज्य हवा संनियंत्रण कार्यक्रम | अविरत हवा संनियंत्रण कार्यक्रम | भूपृष्ठीय जल                        | भूजल      | भूपृष्ठीय जल                  | भूजल      |
| १          | मुंबई       | १                        | --                             | १४                             | १२                                  | ०         | ०                             | ०         |
| २          | नवी मुंबई   | ६                        | —                              | ६                              | २                                   | ०         | १                             | २         |
| ३          | ठाणे        | ६                        | —                              | ६                              | २६                                  | ५         | ०                             | ०         |
| ४          | कल्याण      | ८                        | २                              | ५                              | १०                                  | ०         | ०                             | ४         |
| ५          | रायगड       | ६                        | —                              | २                              | १८                                  | १         | ४                             | २         |
| ६          | पुणे        | ६                        | ६                              | ९                              | ४६                                  | ६         | ०                             | ०         |
| ७          | नाशिक       | ७                        | ६                              | ७                              | ३१                                  | ६         | ४                             | १         |
| ८          | नागपूर      | ४                        | ८                              | ४                              | १०                                  | ९         | ५                             | ५         |
| ९          | अमरावती     | ६                        | —                              | ३                              | ६                                   | २         | ०                             | ०         |
| १०         | औरंगाबाद    | ११                       | ११                             | ७                              | ११                                  | ५         | ७                             | ०         |
| ११         | कोल्हापूर   | ८                        | ५                              | ४                              | १७                                  | १३        | ७                             | २         |
| १२         | चंद्रपूर    | ६                        | ५                              | २                              | ११                                  | ३         | ०                             | ०         |
|            | <b>एकूण</b> | <b>७५</b>                | <b>४३</b>                      | <b>६९</b>                      | <b>२००</b>                          | <b>५०</b> | <b>२८</b>                     | <b>१६</b> |

## जल व हवा गुणवत्ता

### ७ (अ) प्रदूषण मुल्यानिर्धारण, संनियंत्रण व संनिरिक्षण (Pollution Assessment, Monitoring and surveillance)

जल (प्रदूषण प्रतिबंध आणि नियंत्रण) अधिनियम १९७४ व हवा (प्रदूषण प्रतिबंध आणि नियंत्रण) अधिनियम १९८१ च्या कलम १७ अन्वये, जल व हवा यांचे नमूने संकलित करून त्याच्या गुणवत्तेची माहिती/ आकडेवारी जनमानसात पोहचविणे हे मंडळाचे मुख्य कार्य आहे. महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळ राज्यातील निरनिराळ्या ठिकाणाच्या हवा व जल प्रदूषणाचे व गुणवत्तेचे संनियंत्रण करण्याचे काम करीत आहे.

प्रदूषणास नियंत्रणात ठेवण्याकरिता जल व हवा यांच्या संनियंत्रणासाठी योग्य व दिर्घकालीन कार्यक्रम आखणे आवश्यक असते. सद्यस्थितीत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळ व म.प्र.नि. मंडळ राज्यात संयुक्तपणे राष्ट्रीय हवा संनियंत्रण कार्यक्रम व राष्ट्रीय जल संनियंत्रण कार्यक्रम राबवित आहे.

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या धर्तीवर राज्यात जल व हवा संनियंत्रण कार्यक्रम शिस्तबद्ध पध्दतीने राबविल्यास मंडळास प्रदूषण नियंत्रण व प्रतिबंध कार्यक्रमाचे आयोजन करून त्यावर आवश्यक उपाययोजना करणे सोयीस्कर होण्याच्या दृष्टीने मंडळाची कार्यपध्दती पुढीलप्रमाणे आहे.

\* राज्यातील जल व हवा गुणवत्ता संनियंत्रण कामकाज करण्यासाठी योजना तयार करून त्यास सहाय्य करणे.

\* राष्ट्रीय हवा व जल संनियंत्रण कामकाजाची अंमलबजावणी करणे.

\* पर्यावरणविषयक आकडेवारी गोळा करून त्याचा तौलनिक दृष्ट्या विचार करून संबंधित माहिती / आकडेवारी जनमानसात, मंडळाचे संकेतस्थळ व प्रसारमध्यमांना देणे.

#### (ब) हवा गुणवत्ता संनियंत्रण :-

म.प्र.नि.मंडळाने हवेची प्रदूषण गुणवत्ता तपासणी करण्याकरिता महाराष्ट्रातील प्रमुख शहरांमध्ये राष्ट्रीय गुणवत्ता हवा संनियंत्रण कार्यक्रमांतर्गत (NAMP) एकूण ७५ ठिकाणी व राज्य हवा गुणवत्ता संनियंत्रण कार्यक्रमांतर्गत एकूण ४३ ठिकाणी हवा गुणवत्ता तपासणी केंद्राची उभारणी केलेली आहे. तसेच महाराष्ट्र राज्यामध्ये एकूण ६९ ठिकाणी सतत वातावरणीय हवा तपासणी केंद्रे (CAAQMS) उभारून कार्यान्वित केलेली आहेत.

उरोक्त हवा गुणवत्ता तपासणी केंद्रामधुन प्राप्त अहवाल म.प्र.नि. मंडळाच्या तसेच केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या संकेतस्थळावर जनतेच्या अवलोकनार्थ प्रसारित करण्यात येत आहे.

सन २०२४-२५ या वर्षामध्ये राज्यातील प्रमुख शहरांमध्ये एकूण ५० ठिकाणी सतत वातावरणीय हवा तपासणी केंद्रे उभारण्याचे प्रस्तावित आहे. याद्वारे महाराष्ट्रातील जवळ-जवळ सर्व जिल्ह्यातील हवा गुणवत्ता तपासणी करण्याचे मंडळाचे उद्दिष्टे आहेत.

#### (क) राष्ट्रीय शुध्द हवा कार्यक्रम (NCAP) :

या कार्यक्रमांतर्गत राज्यातील एकूण १९ प्रमुख शहरांतील हवा गुणवत्ता सुधारण्याच्या दृष्टीकोनातून भारतीय औद्योगिक अभियांत्रिकी संस्था (IIT) व राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी संशोधन संस्था (NEERI) या नामांकित संस्थांमार्फत १० प्रदुषित शहरांचा (Non Attainment Cities) हवा गुणवत्ता सुधारणाबाबतचा कृती आराखडा बनविण्यात आलेला असून, मंडळाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात आलेला आहे. तसेच उर्वरित ९ शहरांच्या कृती आराखडा बनविण्याचे काम प्रगतीपथावर आहे.

(H) 20-6

जनजागृतीसाठी मंडळातर्फे दरवर्षी ओझोन दिवस साजरा केला जातो. तसेच वृक्ष लागवडीसाठी उद्योग व जनतेस प्रवृत्त केले जाते.

#### पर्यावरणविषयक जनजागृती जानेवारी -२०२३ - डिसेंबर-२०२३ :-

#### ● २० ते २६ फेब्रुवारी, २०२३ रोजी सुमंगल पंचमहाभूत लोकोत्सव : कणेरी मठ कोल्हापूर

श्री. क्षेत्र सिध्दगिरी महासंस्थान कणेरी मठ कोल्हापूर यांनी सुमंगल पंचमहाभूत लोकोत्सव व पर्यावरणविषयक आंतरराष्ट्रीय परिषद व प्रदर्शने याचे आयोजन कोल्हापूर येथे केले होते. या वेळी मा. पंतप्रधान नरेंद्रजी मोदी यांनी मांडलेल्या पर्यावरणविषयक विश्वसंकल्पना मिशन लाईफ म्हणजेच पर्यावरणपूरक जीवनशैलीचा अवलंब करा आणि वसुंधरेचे रक्षण करा याची जनजागृती या उपक्रमात करण्यात आली या परिषदेचे उद्घाटन राज्याचे मा. मुख्यमंत्री श्री. एकनाथजी शिंदे, मा. उपमुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस यांच्या शुभहस्ते करण्यात आले होते. या परिषदेला संपुर्ण भारतातून अनेक विद्यापीठांचे कुलगुरु, विचारवंत, वैज्ञानिक, संत साहित्याचे अभ्यासक, कृषीतज्ञ अन्य मान्यवर उपस्थित होते. या आठ दिवसाच्या प्रदर्शनाला पंचवीस लाख पेक्षा जास्त लोकांनी भेट दिली होती.

#### ● जाणता राजा या महानाट्य उपक्रमात सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत व्यापक जनजागृती :

मुंबई शहरातील शिवाजी पार्क दादर येथे आयोजित करण्यात आलेल्या जाणता राजा या महानाट्याच्या ठिकाणी मा. पंतप्रधान नरेंद्रजी मोदी यांनी मिशन लाईफ च्या माध्यमातून पर्यावरणपूरक जीवनशैलीचा अवलंब करा हा संदेश दिला होता. याच अनुषंगाने या महानाट्याच्या ठिकाणी संपुर्ण आठवडा उपस्थित राहणाऱ्या नागरिकांना पर्यावरण संरक्षण व संवर्धनाबद्दल मिशन लाईफच्या अंतर्गत विविध ध्वनी चित्रफित त्याचबरोबर सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत व्यापक जनजागृती करण्यात आली.

#### ● दैनिक लोकमत यांच्या महाराष्ट्रीयन ऑफ द इयर या पुरस्कार सोहळ्यात पर्यावरणविषयक जनजागृती :

दैनिक लोकमत यांच्या महाराष्ट्रीयन ऑफ द इयर या पुरस्कार सोहळ्यात उपस्थित नागरिकांना समृद्ध पर्यावरणाच्या रक्षणाची शपथ देण्यात आली. या वेळी संपुर्ण राज्यातून सामाजिक, राजकीय, कला क्षेत्रातील दिग्गज व्यक्ती उपस्थित होत्या. मा. पंतप्रधान नरेंद्रजी मोदी यांनी मिशन लाईफ च्या माध्यमातून पर्यावरणपूरक जीवनशैलीचा अवलंब करा हा संदेश दिला होता. याच अनुषंगाने या महानाट्याच्या ठिकाणी संपुर्ण आठवडा उपस्थित राहणाऱ्या नागरिकांना पर्यावरण संरक्षण व संवर्धनाबद्दल मिशन लाईफच्या अंतर्गत विविध ध्वनी चित्रफित त्याचबरोबर सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत व्यापक जनजागृती करण्यात आली.

#### ● चैत्र गुढीपाडव्यानिमित्त मासिकात पर्यावरणविषयक जनजागृती :

चैत्र गुढीपाडव्यानिमित्त स्वामी विवेकानंद युवा प्रतिष्ठाण गिरगाव यांनी आयोजित केलेल्या शोभा यात्रेत व त्यांनी प्रसिध्द केलेल्या स्मरणिकेत व दैनिक शिवनेर या अंकात पर्यावरणविषयक जनजागृतीचा संदेश प्रसिध्द करण्यात आला.

#### ● जागतिक वसुंधरा दिनानिमित्त वर्तमानपत्रात जनजागृतीचे सदर :

जागतिक वसुंधरा दिनाचे औचित्य साधून महाराष्ट्र टाईम्स, लोकसत्ता, सकाळ, लोकमत, सामना, इंडियन एक्सप्रेस या वर्तमानपत्राच्या मुंबई आवृत्तीतील आतील पानावर पर्यावरणविषयक जनजागृतीचे सदर प्रसिध्द करण्यात आले होते. त्याचबरोबर याच वर्तमानपत्राच्या राज्यातील इतर

आवृत्तीत एक पानाचे जनजागृतीचे सदर प्रकाशित करण्यात आले होते. याच निमित्ताने टाईम्स ऑफ इंडिया, मिड डे, हिंदुस्थान टाईम्स, पुण्यनगरी, पुढारी, नवाकाळ, नवभारत व राज्यातील इतर अग्रगण्य वर्तमानपत्रात जनजागृतीचे सदर/संदेश प्रकाशित करण्यात आले होते.

#### ● तरुण तेजांकित व खान्देश महोत्सव पर्यावरणविषयक जनजागृती :

लोकमत तरुण तेजांकित या उपक्रमात विविध क्षेत्रात नाविन्यपूर्ण, संशोधनात्मक व उल्लेखनीय काम करणाऱ्या तरुणांचा गौरव करण्यात येत असतो. यात शिक्षण, आरोग्य, कला, क्रिडा, विज्ञान, पर्यावरणपूरक नवीन तरुण संशोधनात्मक उद्योग, समाजसेवा अशा विविध क्षेत्रातील निवडक तरुणांना तरुण तेजांकित पुरस्काराने गौरविण्यात येत असते. या उपक्रमात म.प्र.नि.मंडळ पर्यावरणविषयक जनजागृतीकरिता सहसंयोजक म्हणून सहभागी झाले होते. त्याचबरोबर कल्याण येथे खान्देश महोत्सवाचे आयोजन करण्यात आले होते. या महोत्सवात सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत व्यापक जनजागृती करण्यात आली.

#### ● जागतिक वसुंधरा दिनानिमित्त मंत्रालय येथे सिंगल युज प्लास्टिकला पर्यायी वस्तूंचे प्रदर्शन आयोजित करणेबाबत :

जागतिक वसुंधरा दिनानिमित्त सिंगल युज प्लास्टिकला पर्याय असणाऱ्या विविध वस्तूंचे प्रदर्शन मंत्रालयाच्या प्रांगणात आयोजित करण्यात आले होते. या वेळी सिंगल युज प्लास्टिकला पर्याय ठरणाऱ्या व पर्यावरणपूरक असणाऱ्या विविध वस्तूंचे प्रदर्शन आयोजित करण्यात आले होते. या प्रदर्शनात नारळ व सुपारीच्या झाडापासून व त्याच्या झावळ्यांपासून तयार करण्यात आलेल्या वस्तू, कागदापासून तयार केलेल्या वस्तु विविध वनस्पतींच्या उपलब्ध असलेल्या लाकडापासून तयार केलेल्या वस्तु, कापडी पिशव्या अशा अभिनव वस्तूंचे प्रदर्शन सादर करण्यात आले होते. यामुळे सिंगल युज प्लास्टिकला उपलब्ध असलेले पर्याय नागरिकांसमोर मांडण्यात आले.

#### ● जी-२० परिषदेच्या निमित्ताने मिशन लाईफचा प्रदर्शनी स्टॉल :

जी-२० परिषदेच्या निमित्ताने मुंबई येथील जिओ सेंटर येथे पर्यावरणविषयक परिषद आयोजित करण्यात आली होती. या निमित्ताने मा. पंतप्रधान श्री. नरेंद्रजी मोदी यांनी पर्यावरण संवर्धनाकरिता मिशन लाईफ ही वैश्विक संकल्पना मांडली होती. या संकल्पनेत पर्यावरणपूरक जीवनशैलीचा अवलंब करा आणि पृथ्वीचे रक्षण करा असा संदेश देण्यात आला होता. मिशन लाईफ यातील विविध घटकांबाबत सर्वसामान्य नागरिक पर्यावरण संवर्धनात कसे सहभागी होऊ शकतात याबाबत जनजागृती करण्यासाठी मिशन लाईफ या प्रदर्शनी स्टॉलचे सादरीकरण करण्यात आले होते.

#### ● ५ जून जागतिक पर्यावरण दिनानिमित्त वर्तमानपत्रात जनजागृतीचे सदर :

जागतिक पर्यावरण दिनाचे औचित्य साधून महाराष्ट्र टाईम्स, लोकसत्ता, सकाळ, लोकमत, सामना, इंडियन एक्सप्रेस, टाईम्स ऑफ इंडिया, मिड डे, डि. एन. ए, हिंदुस्थान टाईम्स, पुण्यनगरी, पुढारी, नवाकाळ, नवभारत अशा व अन्य अग्रगण्य वर्तमानपत्रात सिंगल युज प्लास्टिक बंदीमुळे मानवी आरोग्यावर होणारा परिणाम या विषयी जनजागृतीचा संदेश प्रसिध्द करण्यात आला होता. त्याबरोबर अग्रगण्य मराठी वृत्तवाहिनींवरून जनजागृतीचा व्हिडिओ प्रसारित करण्यात आला. त्याचबरोबर राज्यभरातील माहिती व जनसंपर्क महासंचालनालयाच्या शासकीय जाहिरात फलकांवर सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत जनजागृतीचा संदेश प्रसिध्द करण्यात आला.

#### ● पर्यावरणाची वारी पंढरीच्या दारी :

आषाढी एकादशीच्या निमित्ताने आळंदी ते पंढरपूर या पायी वारीच्या निमित्ताने पर्यावरणाची वारी पंढरीच्या दारी या पर्यावरण विषयक जनजागृतीच्या अभियानाचे आयोजन करण्यात आले होते. वर्तमानातील परिस्थितीत शहर व ग्रामीण विभागातील पर्यावरणाचे प्रश्न समानधर्मी असल्याने पंढरपूरच्या वारी निमित्त एकत्र येणाऱ्या दहा लाख लोकांपर्यंत प्लॅस्टिक हटाव, देश बचाव, पाणी, वीज, नैसर्गिक संसाधने, शेतीसाठी मर्यादित वीजपंपाचा वापर, सेंद्रिय खताचा वापर, ओला कचरा सुका कचरा याचे योग्य ते व्यवस्थापन असे विविध मौलिक संदेश या उपक्रमातून दिले गेले. हे संदेश ग्रामीण विभागात लोकप्रिय असलेल्या लोककला किर्तन, मारुड, पोवाडा या लोककलांच्या माध्यमातून ही जनजागृती करण्यात आली. या पंधरा दिवसांच्या पायी वारीत संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार विजेत्या लोककलावंत, श्रीमती चंदाबाई तिवाडी, प्रसिद्ध शाहिर श्री. देवानंद माळी, शाहीर प्रसाद विभुते आणि ह. भ. प. श्री. ज्ञानेश्वर महाराज वाबळे यांनी अनुक्रमे मारुड, पोवाडा, किर्तन या माध्यमातून जनजागृती केली. या वारीचा शुभारंभ पुणे येथे म. प्र. नि. मंडळाचे सदस्य सचिव व मा.प्रधान सचिव पर्यावरण श्री. प्रविण दराडे यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता. लोककलांचे गाढे अभ्यासक डॉ. श्री. प्रकाश खांडगे यांच्या शुभहस्ते आयोजित करण्यात आला होता. तर या वारीचा समारोप आषाढी एकादशीच्या पूर्व संध्येला पंढरपूर मुक्कामी मा. मुख्यमंत्री एकनाथजी शिंदे मंडळाचे सदस्य सचिव व मा.प्रधान सचिव पर्यावरण श्री. प्रविण दराडे व अन्य मान्यवरांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता.

#### ● नवराष्ट्र व नवभारत टाईम्स यांच्या ग्लॅम मराठी पुरस्कारात पर्यावरणविषयक जनजागृती :

नवराष्ट्र व नवभारत टाईम्स यांनी आयोजित केलेल्या ग्लॅम मराठी पुरस्कार सोहळ्यात सिंगल युज प्लास्टिकचा वापर न करणेबाबत उपस्थित मराठी कलावंताना शपथ देण्यात आली. या पुरस्कार सोहळ्यात पुरस्कार प्राप्त सर्व कलावंतांनी पर्यावरण संवर्धनात मोलाची भूमिका बजावू असे उपस्थित जनसमुदायाला आश्वासित करण्यात आले.

#### ● न्युज १८ लोकमत महाराष्ट्र गौरव सन्मान २०२३ पर्यावरणविषयक जनजागृती :

न्युज १८ लोकमत या मराठी वृत्तवाहिनीच्या वतीने राज्यातील विविध क्षेत्रात उल्लेखनीय कामगिरी करणाऱ्या व्यक्तींना महाराष्ट्र गौरव सन्मान या पुरस्काराने सन्मानित करण्यात आले होते. या कार्यक्रमात म.प्र.नि.मंडळ पर्यावरणविषयक सहसंयोजक म्हणून सहभागी झाले होते.

#### ● इको फ्रेन्डली दहीहंडी :

इको फ्रेन्डली दहीहंडी उत्सव या उपक्रमाचे आयोजन आयडिअल बुक कंपनी व मप्रनि मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने आयोजित करण्यात आले होते. या उपक्रमात मराठी चित्रपटसृष्टीतील नामवंत कलाकारांना घेऊन ध्वनीप्रदूषण प्रतिबंधक जनजागृती रॅलीचे व पथनाट्याचे आयोजन करण्यात आले होते. या रॅलीत नामवंत चित्रपट व टिन्ही कलावंत उपस्थित होते. दहीहंडीदिवशी स्टार प्रवाह वाहिनीवरील लोकप्रिय दूरचित्र वाहिनी कलावंत यांनी सहभाग घेऊन ध्वनी प्रदूषण नियंत्रणाविषयी व्यापक जनजागृती केली. यावेळी दादर येथील छबिलदास हायस्कूलच्या समोर ध्वनी विरहीत इको फ्रेन्डली दहीहंडी सिनेनाट्यसृष्टीतील कलाकारांच्या सहकार्याने फोडण्यात आली. या कार्यक्रमाला म.प्र.नि.मंडळाचे जनसंपर्क अधिकारी उपस्थित होते.

● **सकाळ श्रावणसरी या उपक्रमात सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत व्यापक जनजागृती :**

सकाळ वर्तमानपत्राच्या वतीने राज्यभरातील प्रमुख शहरात श्रावणसरी या उपक्रमाचे आयोजन महिलांसाठी करण्यात आले होते. सदर उपक्रम मुंबई, पुणे, पिंपरी चिंचवड, नाशिक, कोल्हापूर अशा शहरात आयोजित करण्यात आला होता. यावेळी सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत प्रश्नमंजूषा, सिंगल युज प्लास्टिक चा वापर न करण्यासाठी मराठी टिक्की मालिकातील कलावंतांकडून शपथ अशा विविध उपक्रमांचे आयोजन करण्यात आले होते.

● **लोकसत्ता ९९९ या नवरात्र उपक्रमात पर्यावरणविषयक जनजागृती :**

लोकसत्ता या वर्तमानपत्राच्या वतीने मुंबई प्रादेशिक क्षेत्रात नवरात्र निमित्त लोकसत्ता ९९९ या उपक्रमाचे आयोजन करण्यात आले होते. या उपक्रमात म.प्र.नि.मंडळ पर्यावरणविषयक संयोजक म्हणून सहभागी झाले होते. एकूण ९ दिवस आयोजित केलेल्या उपक्रमात सहभागी झालेल्या महिलांना सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत व्यापक माहिती देण्यात आली. त्याचबरोबर या उपक्रमात स्टार प्रवाह वाहिनीवरील विविध मालिकांमधील कलावंतांनी समृद्ध पर्यावरणाच्या रक्षणाची शपथ सहभागी महिलांना दिली.

● **म. प्र. नि. मंडळ व लोकसत्ता आयोजित पर्यावरणपुरक घरगुती गणपती स्पर्धा :**

म. प्र. नि. मंडळ व लोकसत्ता यांच्या सयुक्त विद्यमाने इको फ्रेंडली घरगुती गणेशोत्सव स्पर्धा यांचे आयोजन मुंबई, पुणे, नाशिक, नागपूर, अहमदनगर व औरंगाबाद या लोकसत्ता दैनिकांच्या सहा विभागीय स्तरावर करण्यात आले होते. या स्पर्धेत पाच हजार पेक्षा जास्त स्पर्धकांनी भाग घेतला होता. या स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ मंडळाचे मा. अध्यक्ष मा. प्रविण दराडे, मा. सदस्य सचिव, मा. डॉ. अविनाश ढाकणे यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता.

● **टाईम्स ग्रीन गणेशा :**

म. प्र. नि. मंडळ, पर्यावरण विभाग, महाराष्ट्र शासन व टाईम्स ऑफ इंडिया ग्रुप यांच्या सयुक्त विद्यमाने टाईम्स ग्रीन गणेशा या स्पर्धेचे आयोजन मुंबई व पुणे या शहरांसाठी करण्यात आले होते. या उपक्रमाचा शुभारंभ मंडळाचे मा. सदस्य सचिव डॉ. अविनाश ढाकणे यांच्या शुभहस्ते करण्यात आला. मुंबई या शहरातील सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडळ व हौसिंग सोसायटी यांच्याकरिता आयोजित इको फ्रेंडली गणेश स्पर्धा आयोजित करण्यात आली होती. या अभियानात मुंबई शहरातील विविध मॉल्स, सिनेमा थिएटर्स येथे जनजागृतीपर उपक्रम तर, शालेय विद्यार्थ्यांकरिता इको गणेशमूर्ती कार्यशाळा यांच्याकरिता गणेशमूर्ती कार्यशाळा, इकोफ्रेंडली गणेश राजदुत यांच्याकरिता महाविद्यालयीन विद्यार्थ्यांच्यात विविध उपक्रम, गणेश विसर्जनाच्या वेळी मुंबई शहरातील गिरगाव चौपाटी, येथे स्वच्छता अभियान राबविण्यात आले होते. या स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ मंडळाचे मा. अध्यक्ष मा. प्रविण दराडे, मा. सदस्य सचिव मा. डॉ. अविनाश ढाकणे यांच्या उपस्थितीत आयोजित करण्यात आला होता.

● **कार्तिकीची वारी पंढरीच्या दारी :**

लोककलावंतांच्या माध्यमातून पर्यावरण संवर्धनाचे रक्षण करण्यासाठी कार्तिकीची वारी पंढरीच्या दारी पर्यावरण शिक्षणाचे धडे देई घरोघरी या उपक्रमाचे आयोजन कार्तिकी एकादशीच्या पुर्वसंध्येला पंढरपुर येथे करण्यात आले होते. या वेळी किर्तन, भारुड, पोवाडा या लोककलांच्या माध्यमातून पर्यावरण संवर्धनाबद्दल जनजागृती करण्यात आली. या कार्यक्रमाला राज्याचे मा. उपमुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस, म.प्र.नि. मंडळाचे मा. अध्यक्ष तथा पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभागाचे मा. प्रधान सचिव श्री. प्रविण दराडे, मा. महसूल मंत्री श्री. राधाकृष्ण विखे पाटील आदी मान्यवर उपस्थित होते.

● **प्रदूषणमुक्त दिवाळी संकल्प अभियान शपथ व इतर जनजागृती उपक्रम :**

प्रदूषण मुक्त दिवाळी साजरी करण्यासाठी प्रदूषणमुक्त दिवाळी संकल्प अभियान शपथ २०२३ याचे आयोजन मंत्रालय येथे करण्यात आले होते. या कार्यक्रमात राज्यभरातील शाळा, महाविद्यालयाच्या विद्यार्थ्यांना प्रदूषणमुक्त दिवाळीची शपथ मा. मुख्यमंत्री श्री. एकनाथ शिंदे, मा. उपमुख्यमंत्री श्री. देवेंद्र फडणवीस यांनी दिली होती. या कार्यक्रमाला मा. मंत्री श्री. शंभूराजे देसाई, श्री. दिपक केसरकर, पर्यावरण व वातावरणीय बदल विभागाचे मा. प्रधान सचिव श्री. प्रविण दराडे, आदी मान्यवर उपस्थित होते. या कार्यक्रमाला मुंबई शहरांतील विविध विद्यालयातील विद्यार्थी उपस्थित होते. या कार्यक्रमाचे प्रसार राज्यभरातील अग्रगण्य दूरचित्रवाहिन्यांवरून करण्यात आले होते.

त्याचबरोबर राज्यातील अग्रगण्य एफ. एम. रेडिओ वाहिन्या, ९२.७ बिग एफ एम, ९३.५ रेड एफ एम, ९८.३ रेडिओ मिरची, ९९.९ रेडिओ सिटी, रेडिओ नशा, रेडिओ वन या वाहिन्यांवरून प्रदूषणमुक्त दिवाळीचा संदेश प्रसारीत करण्यात आला. त्याचबरोबर मराठी व हिंदी वाहिन्यांवरून प्रदूषणमुक्त दिवाळीचा संदेश प्रसारीत करण्यात आला.

● **प्रदूषणमुक्त दिवाळी संदेश देणाऱ्या अभिनव संचाचे वाटप :**

प्रदूषण मुक्त दिवाळी साजरी करण्यासाठी एक अभिनव संच तयार करण्यात आला होता. प्रदूषणमुक्त दिवाळीचा संदेश देणाऱ्या रंगीत बॉक्समध्ये पणत्या, वाती, नैसर्गिक रांगोळी काढण्याची जाळी, रांगोळी काढण्याचे पुस्तक, उटणे, तोरण अशा विविध वस्तूंचा समावेश असणाऱ्या बॉक्सचे विनामुल्य वाटप राज्यातील मा. आमदार व मा. खसदार यांना कुरिअर द्वारे करण्यात आले तर मंत्रालय येथील मा. मुख्यमंत्री, मा. उपमुख्यमंत्री यांची कार्यालये, मा. मंत्री मा. सचिव यांना व संबंधित कार्यालयात माहिती व जनसंपर्क विभाग, विधीमंडळ वार्ताहार संघ त्याचबरोबर पर्यावरण विभाग, माझी वसुंधरा विभाग म.प्र.नि. मंडळ मुख्यालय व मुंबई महानगर प्रादेशिक क्षेत्रातील म.प्र.नि. मंडळाची कार्यालये यांना या संचाचे विनामुल्य वाटप करण्यात आले.

● **दिवाळी अंक २०२३ प्रदूषणमुक्त दिवाळीचा संदेश :**

दीपावली आणि दिवाळी अंक ही महाराष्ट्राची वाचन संस्कृतीची खूप मोठी परंपरा आहे. या दिवाळी अंकातून मराठीतील अनेक प्रसिध्द लेखक, विचारवंत विविध क्षेत्रांत कात करणारे वैज्ञानिक, कलावंत हे लेख लिहित असतात. हे दिवाळी अंक म्हणजे वाचनाची मोठी मेजवाणी असते. म्हणून त्या निमित्ताने राज्यभरातून प्रकाशित होणाऱ्या विविध दिवाळी अंकात प्रदूषणमुक्त दीपावलीचा संदेश प्रसिध्द करण्यात आला.

● **ए बी पी माझा पर्यावरणपूरक गणेशोत्सव स्पर्धा :**

म.प्र.नि. मंडळ व एबीपी माझा या वृत्त वाहिनीच्या वतीने राज्यातील पर्यावरणपूरक घरगुती गणेशोत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या वेळी स्टार प्रवाह वाहिनीवरील “ठरलं तर मग” या मालिकेतील जुई गडकरी अमित भानुशाली यांनी चित्रित केलेल्या प्रोमोद्वारे या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी एबीपी माझा वाहिनीवरून आवाहन करण्यात आले. त्यांस अनुसरून पर्यावरणपूरक घरगुती गणेशोत्सव साजरा करणारे असंख्य स्पर्धकांनी यात भाग घेतला. या स्पर्धेचा पारितोषिक वितरण समारंभ मंडळाचे मा. अध्यक्ष मा. प्रविण दराडे, मा. सदस्य सचिव, मा. डॉ. अविनाश ढाकणे, मालिका कलावंत जुई गडकरी, अमित भानुशाली यांच्या उपस्थितीत म.प्र.नि.मंडळाच्या मुख्यालयात आयोजित करण्यात आला होता. या कार्यक्रमाचे अर्ध्या तासाचे प्रक्षेपण वाहिनीवरून करण्यात आले.

● **म. प्र. नि. मंडळ व लोकसत्ता आयोजित गणेश उत्सव मुर्ती स्पर्धा :**

लोकसत्ता आयोजित गणेश उत्सव मुर्ती स्पर्धा या स्पर्धेत म.प्र.नि.मंडळ सहसंयोजक म्हणून सहभागी झाली होती. या स्पर्धेत सर्वोत्कृष्ट पर्यावरणस्नेही गणेश मुर्ती या विभागात विशेष पारितोषिक प्रदान करण्यात आले. ही स्पर्धा मुंबई व पुणे या दोन शहरांसाठी घेण्यात आली होती.

● **न्युज १८ लोकमत व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित पर्यावरणपूरक सार्वजनिक गणपती स्पर्धा :**

आय. बी.एन. लोकमत व म.प्र.नि. मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने पर्यावरणपूरक सार्वजनिक गणेशोत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. विशेष प्रोमोजच्या माध्यमातून स्पर्धकांना सहभागी होण्यासाठी आवाहन करण्यात आले होते. या निमित्त या वाहिनीवरून विशेष भागाचे प्रसारण करण्यात आले.

● **म.प्र.नि. मंडळ व झी २४ तास आयोजित पर्यावरणपूरक घरगुती गणपती स्पर्धा :**

म.प्र.नि. मंडळ व झी २४ तास यांच्या संयुक्त विद्यमाने घरगुती इको फ्रेंडली गणेशोत्सव स्पर्धा २०२३ या राज्यस्तरीय स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेला उत्तम प्रतिसाद मिळाला होता. या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी विशेष प्रोमोजच्या माध्यमातून जनजागृती करण्यात आली होती. या स्पर्धेच्या निमित्ताने पर्यावरणपूरक घरगुती गणेशोत्सव साजरा करणाऱ्या नामवंत व्यक्ती यांच्यावर उत्सवाच्या काळात न्युज कॅप्सुल प्रसारित करण्यात आल्या होत्या. या निमित्त या वाहिनीवरून विशेष भागाचे प्रसारण करण्यात आले.

● **साम मराठी व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित गृहनिर्माण सोसायटी यांच्याकरीता पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धा :**

साम टिक्की व म.प्र.नि. मंडळ पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धेचे आयोजन राज्यातील गृहनिर्माण सोसायटी, यांच्याकरीता आयोजित करण्यात आले होते. या स्पर्धेला चांगला प्रतिसाद मिळाला होता. या स्पर्धेसाठी प्रोमोजच्या माध्यमातून स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी साम टीक्की यांनी आवाहन केले होते.

● **जय महाराष्ट्र व म.प्र.नि. मंडळ आयोजित शालेय विद्यार्थी यांच्याकरीता पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव स्पर्धा :**

जय महाराष्ट्र व म.प्र.नि. मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने राज्यातील शालेय विद्यार्थी यांच्यासाठी पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. प्रोमोजच्या माध्यमातून या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी जय महाराष्ट्र वाहिनीने व्यापक आवाहन केले होते. याला उत्तम प्रतिसाद मिळाला होता.

● **टिक्की ९ व म. प्र. नि. मंडळ आयोजित शालेय विद्यार्थ्यांकरीता पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव स्पर्धा :**

टिक्की ९ व म.प्र.नि. मंडळ यांच्या संयुक्त विद्यमाने राज्यातील शालेय विद्यार्थ्यांकरीता पर्यावरणपूरक गणेश मुर्ती स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. प्रोमोजच्या माध्यमातून या स्पर्धेत सहभागी होण्यासाठी टिक्की ९ वाहिनीने व्यापक आवाहन केले होते. या विशेष भागाचे प्रसारण करण्यात आले होते.

● **दैनिक लोकमत डिजिटल आयोजित पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धा :**

दैनिक लोकमत यांच्या डिजिटल प्लॅटफॉर्मवरून पर्यावरणपूरक गणपती स्पर्धेचे आयोजन करण्यात आले होते. या स्पर्धेत पर्यावरणपूरक गणपती साजरा करणाऱ्या नागरिकांनी मोठ्या संख्येने सहभाग नोंदवला होता. या वेळी स्पर्धकांनी त्यांचे अनुभव, छोटे लेख, व्हिडिओ सादर केले होते.

● **गणेश उत्सवात पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव व सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत मा. मुख्यमंत्री, मा. उपमुख्यमंत्री यांचा व्हिडिओ संदेश :**

गणेश उत्सवात पर्यावरणपूरक गणेश उत्सव व सिंगल युज प्लास्टिक बंदीबाबत मा. मुख्यमंत्री, मा. उपमुख्यमंत्री यांचा व्हिडिओ संदेश एबीपी माझा, झी २४ तास, टिक्की ९, न्युज १८ लोकमत, साम टिक्की, जय महाराष्ट्र, लोकशाही व मुंबई दुरदर्शन या वाहिन्यांवरून प्रसारित करण्यात आला.

## ९. प्रयोगशाळांविषयी माहिती

म. प्र. नि. मंडळाच्या आस्थापनेवर मध्यवर्ती महापे, नवी मुंबई तसेच सात प्रादेशिक प्रयोगशाळा नागपूर, पुणे, नाशिक, औरंगाबाद, ठाणे चिपळूण व चंद्रपूर येथे कार्यरत आहेत. या प्रयोगशाळांमध्ये म. प्र. नि. मंडळामार्फत पर्यावरण कायदांतर्गत मंडळाद्वारे संकलीत करण्यात येणाऱ्या हवा, जल, घातक घनकचरा, जैववैद्यकीय कचरा इत्यादी नमुन्यांचे विश्लेषण करण्यात येते.

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळामार्फत प्रतिवर्षी राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या तसेच पर्यावरण (संरक्षण) कायदा, १९८६ खाली मान्यताप्राप्त प्रयोगशाळांसाठी नमुने विश्लेषण गुणवत्ता नियंत्रण (Analytical Quality Control -AQC) हा कार्यक्रम राबविला जातो, यामध्ये केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाने पाठविलेल्या रासायनिक नमुन्यांचे विश्लेषण केले जाते व या विश्लेषण अहवालांचे मुल्यमापन केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून केले जातात. यात सर्व प्रयोगशाळा या मुल्यांकनात अव्वल टक्केवारीत असतात.

मा. उच्च न्यायालय, मुंबई यांचा न्यायालयीन आदेश क्र. PIL No. १७/२०११, दिनांक १-३-२०११ नुसार व म. प्र. नि. मंडळ आदेश क्र. मप्रनि/प्रवैअ/ ब-२७, दिनांक ०२-०३-२०११ नुसार महाराष्ट्रातील सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया केंद्राची गुणवत्ता मापन मंडळाच्या प्रादेशिक कार्यालयामार्फत दर आठवड्यास नमुने संकलित केले जातात. या नमुन्यांचे रासायनिक विश्लेषण मंडळाच्या प्रयोगशाळांमार्फत नियमितपणे तात्काळ करण्यात येऊन मंडळाच्या संकेतस्थळावर उपलब्ध करण्यात येते.

प्रतिवर्षी गणेशोत्सवाच्या वेळी गणेश मूर्तीचे विसर्जन होण्यापूर्वी व नंतर समुद्र / नदी / तलाव / खाडी / विहीरी इत्यादीमधील पाण्याची प्रदूषण पातळी ठरविण्यासाठी नमुन्यांचे रासायनिक विश्लेषण प्रयोगशाळांमार्फत करण्यात येते.

केंद्रीय वने व पर्यावरण खात्याने राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या प्रयोगशाळांना पर्यावरण (संरक्षण) कायदा, १९८६ खाली मान्यताप्राप्त करून घेण्यासाठी NABL Accreditation किंवा ISO 9001:2015 व ISO 45001:2018 या प्रमाणकानुसार, प्रमाणित करण्याची गरज असल्याचे नमुद केले आहे. म. प्र. नि. मंडळाची मध्यवर्ती प्रयोगशाळा महापे, नवी मुंबई तसेच इतर सात प्रादेशिक प्रयोगशाळा (नागपूर, पुणे, नाशिक, औरंगाबाद, ठाणे, चिपळूण व चंद्रपूर), येथे ISO 9001:2015 व ISO 45001:2018 या प्रमाणकानुसार प्रमाणित करण्यात आल्या आहेत.

● १) म. प्र. नि. मंडळाच्या प्रयोगशाळेतील पृथःकरण अहवालाचा गोषवारा :

म. प्र. नि. मंडळाच्या आस्थापनेवर मध्यवर्ती प्रयोगशाळा, महापे, नवी मुंबई, तसेच ७ प्रादेशिक प्रयोगशाळा अनुक्रमे नागपूर, पुणे, नाशिक, औरंगाबाद, ठाणे, चिपळूण व चंद्रपूर येथे कार्यान्वित आहेत. जल व हवा प्रदूषण नियंत्रण कायद्याव्यतिरिक्त घातक घनकचरा, नागरी घनकचरा, प्लास्टिक कचरा व ध्वनी प्रदूषण, इ. बाबतच्या कायद्यातील तरतुदीच्या अनुषंगाने, प्रादेशिक कार्यालय, उप प्रादेशिक कार्यालय स्तरावर जल, हवा आणि घातक कचऱ्याचे नमुने संकलित केले जातात. सदरील नमुने हे पृथःकरणासाठी संबंधित प्रादेशिक प्रयोगशाळेमध्ये पाठविले जातात. वर्ष २०२२-२३ मधील म. प्र. नि. मंडळाच्या प्रयोगशाळांमध्ये नमुने पृथःकरणाचा गोषवारा खालीलप्रमाणे आहे.

### ● २) मध्यवर्ती प्रयोगशाळा, नवी मुंबई

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान नवी मुंबई मध्यवर्ती प्रयोगशाळेत एकूण ७४९३ नमुन्यांचे, तसेच ११२११६ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ६१६१, हवा १२४२ घातक घनकचरा ९० नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ३) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नागपूर

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान नागपूर प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण २१७९ नमुन्यांचे, तसेच ३१८८८ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १५५६, हवा ५१५, घातक घनकचरा १०८ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ४) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, पुणे

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान पुणे प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण ४९८५ नमुन्यांचे, तसेच ५६४२६ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ४३७५, हवा ५२१, घातक घनकचरा ८९ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ५) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नाशिक

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान नाशिक प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण १९५४ नमुन्यांचे, तसेच २७१३८ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १५९३, हवा ३४९, घातक घनकचरा १२ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ६) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, औरंगाबाद

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान औरंगाबाद प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण १७३६ नमुन्यांचे, तसेच १९५७४ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १४५१ हवा २७८ घातक घनकचरा ०७ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ७) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चिपळूण

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान चिपळूण प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण ४०५० नमुन्यांचे, तसेच ४९५३० प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ३२६३, हवा ६६८, घातक घनकचरा ११९ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ८) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, ठाणे

वर्ष २०२२-२३ दरम्यान ठाणे प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण १६०० नमुन्यांचे, तसेच ११२२४ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल ११६३, हवा ४३७ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

### ● ९) प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चंद्रपूर

चंद्रपूर कृती आराखड्याची अंमलबजावणी काटेकोरपणे होण्यासाठी चंद्रपूर प्रादेशिक प्रयोगशाळा कार्यान्वित करण्यात आली. वर्ष २०२२-२३ दरम्यान चंद्रपूर प्रादेशिक प्रयोगशाळेत एकूण २५९ नमुन्यांचे, तसेच १५२६ प्रदूषण घटकांचे पृथःकरण करण्यात आले. यापैकी जल १२२, हवा १६७ नमुन्यांचे पृथःकरण करण्यात आले.

## १०. जैव वैद्यकीय कचरा (व्यवस्थापन नियम २०१६ सुधारित २०१८ व २०१९)

जैव-वैद्यकीय कचरा व्यवस्थापन नियम - २०१६ नुसार महाराष्ट्र प्रदूषण मंडळाने आस्थापनांना जैव-वैद्यकीय कचऱ्याचे विल्हेवाट करण्याचे प्राधिकार प्रदान करत आहेत. डिसेंबर, २०२२ पर्यंत राज्यात एकूण ७००८९ आरोग्य सेवा आस्थापना महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या कार्यक्षेत्रात आहेत. राज्यात एकूण ३० सामाईक जैव-वैद्यकीय कचरा प्रक्रिया (BMW CTF) व विल्हेवाट केंद्र आहेत. सन २०२२ मध्ये प्रति दिन सरासरी ७४.२४८ मे. टन प्रतिदिन जैव- वैद्यकीय कचऱ्यावर प्रक्रिया करून विल्हेवाट लावण्यात आली.

### ११. माहिती तंत्रज्ञान प्रकल्पाबाबतची माहिती :

ऑफिस डिजिटलायझेशन करिता मंडळाने प्रस्थापित केलेली अत्याधुनिक अशी एकात्मिक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (IMIS) च्या निरनिराळ्या सॉफ्टवेअर मॉड्युल्स विकसित करणे व माहिती तंत्रज्ञानासाठी लागणाऱ्या उपकरणांमध्ये अद्यावत सुधारणा करणे हे हया चालू वर्षाचे वैशिष्ट आहे. यासाठी घेतलेले निर्णय फायदेशीर ठरले आहेत. व वापरकर्त्यांच्या कामात अधिक सुलभता आल्यामुळे महत्वाचे ही ठरले आहेत.

#### अ) सॉफ्टवेअर संबंधित उपक्रम

विकसित केलेले निरनिराळे सॉफ्टवेअर मॉड्युल्स एकात्मिक व्यवस्थापन माहिती प्रणाली (IMIS) बरोबर संलग्न झाले आहेत. मंडळाच्या विविध कार्यपध्दती, माहिती तंत्रज्ञानाद्वारे सक्षम करण्याच्या वाढत्या मागणीमुळे नवीन मॉड्युल्स आवश्यकतेनुसार विकसित करण्यात आली आहेत. व काही मॉड्युल्स मध्ये काही महत्वाचे बदल सुध्दा करण्यात आलेले आहेत त्याचा संक्षिप्त तपशील खालील प्रमाणे दर्शविला आहे.

### १. IMIS प्रणाली मध्ये संमतीपत्र प्रक्रिया (Consent Processing) आणि सामंजस्याच्या (Reconciliation) वेळी दंडात्मक शुल्क भरण्याची तरतूद :

IMIS प्रणाली मधील वरील तरतूदीमुळे, मंडळातील क्षेत्र अधिकारी तसेच उप प्रादेशिक अधिकारी यांना त्यांच्या अॅडमीन डॅशबोर्ड मध्ये कारखानदारांना संमतीपत्रा मध्ये घालून दिलेल्या अटी व शर्तीचे उल्लंघन केल्यास दंडात्मक शुल्क (Penal Fees) समाविष्ट करण्याचे प्रायोजन केले आहे. सदर समाविष्ट (add) केलेले दंडात्मक शुल्क (Penal Fees) हे कारखानदारांना त्यांच्या डॅशबोर्ड वर प्राप्त होते व तेथून त्यांना ते भरण्याचे प्रायोजन देखील केले आहे.

### २. OCCMS (ऑनलाईन कन्सेंट मॅनेजमेंट अॅण्ड मॉनिटरी सिस्टीम) हे CPCB च्या पोर्टलचे मंडळाच्या IMIS बरोबर एकीकरण करणे :

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडळ यांनी विकसित केलेल्या OCCMS (ऑनलाईन कन्सेंट मॅनेजमेंट अॅण्ड मॉनिटरी सिस्टीम) या पोर्टलशी मंडळाच्या IMIS बरोबर एकीकरण करून मंडळाने संमतीपत्रा मध्ये घालून दिलेल्या

अटी व शर्ती प्रमाणे घातक कचरा नोंदणी व्यवस्थापन (Management of Hazardous Waste Registry) जाणून घेण्याकरीता व सदर घातक कचरा नोंदणी व्यवस्थापन (Management of Hazardous Waste Registry) संदर्भात माहिती त्वरित प्राप्त करण्याचे प्रायोजन करण्यात आले आहे.

३. कारखान्यांना भेटी दरम्यानच्या अहवालामध्ये (Industry Visit Report) आधुनिकीकरण (Upgradation) करण्याबाबत: म.प्र.नि. मंडळामधील क्षेत्र अधिकारी तसेच उप प्रादेशिक अधिकारी हे विविध कारखान्यांना भेटी देत असतात व त्याचा अहवाल तयार करून तो IMIS मध्ये अपलोड करत असतात. सदर भेट अहवाल (Visit Report) मध्ये खालील प्रमाणे काही महत्वाचे बदल करण्यात आलेले आहेत.

- भेट अहवाल (Visit Report) मध्ये युजर इंटरफेस सुलभता आणि कमीत कमी माहिती लिहण्याचे प्रायोजन केलेले आहे.

- याचबरोबर भेट दिलेल्या कारखान्यांच्या जुन्या संमतीपत्राची माहिती अवगत होते. यामुळे संबंधित क्षेत्र अधिकार्यांना अटी व शर्तीचे कारखानदारांकडून अनुपालन होत आहे की नाही हे तत्काळ समजते.

#### ब) डाटा सेंटर इन्फ्रास्ट्रक्चर

##### १. आपत्ती पुनर्प्राप्ती (Disaster Recovery Site) :

म.प्र.नि. मंडळाने २०१९-२० या गत वर्षात माहिती व तंत्रज्ञान विभाग, महाराष्ट्र शासन यांच्या दिनांक १८ ऑगस्ट २०१८ च्या शासन निर्णयाप्रमाणे मंडळाच्या डेटा सेंटर (Data Center) चे आपत्ती पुनर्प्राप्ती (Disaster Recovery Site) हे M/s NTT या कंपनीच्या बंगलूरु या Cloud Data Center येथे प्रस्तापित केले होते. तसेच वरील DR Site ची वैद्यता ही तीन वर्षांची होती व ती १५ ऑगस्ट २०२३ रोजी संपुष्टात आली असल्याने त्या संदर्भात इ-निवीदा प्रणाली मार्फत सदर DR Site हे Microsoft च्या Azure Platform वर चेन्नई या स्थळी (Location) वर दिनांक २१ ऑगस्ट २०२३ पासून प्रस्तापित करण्यात आलेली आहे. सदर आपत्ती पुनर्प्राप्ती (Disaster Recovery Site) चा पुनर्प्राप्ती वेळ उधीष्ट (RTO) हा ४ तासांचा आहे व प्रतिसाद बिंदु उधीष्ट (RPO) हा ३० मिनिटांचा आहे. सदर RTO व RPO चा वेळ हा इलेक्ट्रॉनिक आणि माहिती तंत्रज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार यांच्या मार्गदर्शक सूचनांचे अनुपालन करून ठेवण्यात आलेला आहे.

##### २. बॅकअप सोल्युशन्स :

म.प्र.नि. मंडळाने जुन २०१७ मध्ये अंमलबजावणी केलेल्या बॅकअप सोल्युशन ची माहिती साठवणूक मर्यादा ही १४ Tera Byte पर्यंत मर्यादीत होती. कालांतराने मंडळाच्या कामाची व्याप्ती व त्यामध्ये सुलभता आणण्याकरिता संगणकीकरणाच्या वापर वाढत गेल्याने, सॉफ्टवेअर चा डेटा हा ६० TB पर्यंत वाढला व सदर महत्वाचा डेटा बॅकअप घेणे शक्य होत नव्हते, या अनुषंगाने म.प्र.नि. मंडळाने जुलै २०२३ मध्ये ८० Tera Byte डेटाची साठवणूक (Storage) करता येईल अशा अत्याधुनिक बॅकअप सोल्युशनची अंमलबजावणी केलेली आहे.

### ३. एंडपॉइंट डिटेक्शन आणि रिस्पॉन्स (Endpoint Detection and Response-EDR) आणि घुसखोरी प्रतिबंध प्रणाली (Intrusion Prevention System-IPS) सोल्युशन :

केंद्र शासनाच्या अधिपत्याखाली कार्यरत असलेल्या राष्ट्रीय माहिती केंद्र (NIC) व इलेक्ट्रॉनिक आणि माहिती तंत्रज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार (MeLTY) यांच्या मार्गदर्शक सूचनांचे अनुपालन करून व संगणकीय माहिती सुरक्षेच्या दृष्टीने व सध्या शासनाच्या विविध संकेतस्थळावर तसेच डेटा सेंटरवर होणारे सायबर हल्ले (Cyber-attack) पाहता म.प्र.नि. मंडळाने ६६० नग एंडपॉइंट डिटेक्शन ॲन्ड रिस्पॉन्स (EDR) ह्या सोल्युशनचे प्रायोजन मंडळातील संगणकांची सुरक्षा अधिक प्रबळ करण्याकरिता केलेले आहे. याचबरोबर मंडळातील डेटा सेंटर ची सुरक्षा देखील प्रबळ करण्याकरिता घुसखोरी प्रतिबंधक प्रणाली (IPS) हे सोल्युशन मंडळाच्या डेटा सेंटर मध्ये प्रस्थापित केलेले आहे.

एंडपॉइंट डिटेक्शन ॲन्ड रिस्पॉन्स (EDR) आणि घुसखोरी प्रतिबंधक प्रणाली (IPS) ह्या दोन महत्वाच्या प्रकल्पाची (Projects) अमलबजावणी केल्यामुळे मंडळातील डेटा सेंटरवर व संगणकांवर होणाऱ्या सायबर हल्यांवर प्रतिबंध घालणे शक्य झाले आहे.

#### ४. मैत्री कायदा XXXIV २०२३ ची अंमलबजावणी :

महाराष्ट्र शासनाने दिनांक १४/८/२०२३ रोजी उद्योग स्थापन करण्यासाठी व कार्यान्वयित करण्यासाठी आवश्यक असलेल्या परवानग्या देण्याच्या संबधातील सेवा पुरविण्यासाठी व्यापार व गुंतवणुका याबाबतीत राज्याच्या स्पर्धात्मकतेत वाढ करण्यासाठी तसेच राज्यात व्यवसाय करणे सुलभ

होण्याची सुनिश्चिती करण्यासाठी तक्रार निवारण यंत्रणेसह परिसंस्था विकसीत करण्यासाठी आणि महाराष्ट्र राज्यामध्ये गुंतवणुकीसाठी आवश्यक असलेली सर्व माहिती पुरविण्याकरिता एक पोर्टल विकसित करण्यासाठी व त्याची देखभाल करण्यासाठी प्रभावी एक खिडकी प्रणाली तयार करण्याकरिता आणि तत्संबंधीत किंवा तदानुषंगिक बाबींसाठी तरतुद करण्याकरिता महाराष्ट्र उद्योग, व्यापार व गुंतवणूक सुविधा अधिनियम, २०२३ जारी केलेले आहे.

सदर अधिनियमांची अमलबजावणी करण्याकरिता सक्षम प्राधिकारी, अधिकार प्रदत्त समिती, पर्यवेक्षक समिती, पर्यवेक्षक समिती स्थापित केलेल्या आहेत आणि महाराष्ट्र उद्योग व्यापार व गुंतवणूक सुविधा कक्ष (मैत्री) सदर अधिनियमाच्या प्रयोजनार्थ महाराष्ट्रामध्ये एक खिडकी प्रणालीसाठी नोडल अभिकरण आहे.

#### १२ घातक कचरा व्यवस्थापन :-

पर्यावरण (सुरक्षा) अधिनियम, १९८६ च्या कलम ६, ८ व २५ मधील तरतूदीनुसार पर्यावरण व वन मंत्रालय, नवी दिल्ली यांनी विषारी व घातक पदार्थांच्या व्यवस्थापनाबद्दल खालील नियम अधिसूचित केले आहेत.

घातक कचरा व इतर शास्त्रोक्तपणे हाताळण्यासाठी वने व पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार यांनी दि. ०४/०४/२०१६ रोजी सुधारित घातक कचरा व इतर कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम २०१६ प्रतिस्वीत केलेला आहे व सदर नियम राज्यात अंमलात आलेला आहे.

घातक टाकाऊ पदार्थांच्या विल्हेवाटीसाठी सामुहिक यंत्रणा उभारण्याबाबतची जबाबदारी राज्याच्या पर्यावरण विभागाने महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळावर सोपविलेली आहे. या कामात आवश्यक ते सर्व तांत्रिक सहकार्य तसेच प्रकल्पाच्या एकूण खर्चाच्या ५ टक्के अर्थसहाय्य मंडळाकडून करण्याचा निर्णय घेण्यात आला आहे.

#### घातक कचरा प्रक्रिया व विल्हेवाट यंत्रणेबाबतची माहिती :- (१२ - अ)

| अ. क्र. | स्थळ             | क्षमता  | स्थिती                           |
|---------|------------------|---|----------------------------------|
| १       | २                | ३   | ४                                |
| १       | तळोजा            | जमीन भरणी ३५०००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण ३०००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण संयंत्रणा २X१.५ टन प्रति तास | २००२ पासून कार्यरत आहे.          |
| २       | टी. टी. सी.      | जमीन भरणी २१६०० टन प्रति वर्ष   | २००४ पासून कार्यरत               |
| ३       | बुटीबोरी, नागपूर | जमीन भरणी ६०००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण संयंत्रणा १.० टन प्रति तास                                    | जानेवारी २००५ पासून कार्यरत आहे. |
| ४       | रांजणगाव, पुणे   | जमीन भरणी ६०००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण २५००० टन प्रति वर्ष<br>भस्मिकरण संयंत्रण १.० टन प्रति तास     | डिसेंबर २००६ पासून कार्यरत आहे.  |

जे उद्योग घातक कचऱ्याची साठवणूक उद्योग परिसरात करित आहेत अशा उद्योगांना जवळच्या सामाईक प्रक्रिया संयंत्रणाकडे पाठविण्याचे मंडळाने आदेश दिले आहेत.

घातक कचरा व इतर कचरा पुर्नचक्रीकरण प्रकल्पांना प्राधिकारपत्र देण्याच्या अनुशंगाने प्राप्त झालेल्या अर्ज (तंत्रज्ञानाची) छाननी करण्यासाठी एका तज्ञ समितीचे गठन करण्यात आले आहे व त्या समितीच्या अहवालानुसार म. प्र. नि. मंडळ कार्यवाही करते.



महाराष्ट्रामध्ये ६६१० उद्योग घातक कचरा निर्माण करणारे आढळून आलेले आहेत. सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशानुसार अधिकारपत्र नसलेल्या उद्योगावर मंडळाकडून कार्यवाही करण्यात आली आहे. आतापर्यंत ९३८६ कारखान्यांनी सामायिक घातक कचरा प्रक्रिया व विल्हेवाटीसाठी सदस्यत्व स्विकारलेले आहेत. त्यापैकी काही सदस्यांची नावे दोन सुविधामध्ये आहे.

घातक कचरा वाहतूक करणाऱ्या वाहतूकदारांनी मंडळाकडे प्राधिकारपत्रांसाठी अर्ज करणे बंधनकारक आहे. तसेच घातक घनकचरा वाहतूक करणाऱ्या वाहनांवर नियंत्रण करणारी संगणकीय प्रणाली बसविण्यात आली आहे.

### १३. प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम :-

**प्लास्टिक कचरा मुद्दा क्र. १३(अ)**- प्लास्टिक कचरा अधिनियम २०१६ अधिसूचना संख्या क्र. सा. का. नि. ३२० (अ), दिनांक १८ मार्च, २०१६ रोजी केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, भारत सरकार यांनी प्रकाशित केले आहेत. या नियमांतर्गत प्लास्टिक कचरा न्यूनतम करणे, स्रोतस्तरावर सलगीकरण करणे, पुनर्वापर जोर देण्याकरीता घरातून अथवा अन्य स्थितीतून अथवा मध्यवर्ती सामग्री पुनप्राप्ती सुविधातून निर्माण होणाऱ्या प्लास्टिक कचरा अंश गोळा करणारे कचरा वेचक, पुनर्वापर करणारे व कचरा संसाधकांना समाविष्ट केले गेले असून कचरा व्यवस्थापन प्रणाली दिर्घकाळ टिकविण्याकरीता प्रदुषण करणाऱ्यांना दंडात्मक रक्कम आकारण्याबाबतच्या सिद्धांताचा समावेश करून सुधारित नियम २७ मार्च, २०१८ रोजी प्रकाशित केले आहेत.

तदनंतर, केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालय, ऑगस्ट २०२१ मध्ये अधिसूचित केलेल्या सुधारित प्लास्टिक कचरा व्यवस्थापन नियम २०२१ नुसार खालील अतिरिक्त एकल वापर (सिंगल युज) प्लास्टिक वस्तु प्रतिबंधित आहेत.

- सजावटीसाठी प्लास्टिक व पॉलिस्टीरिन (थर्माकोल) मिठाईचे बॉक्स, आमंत्रण कार्ड, सिगारेटची पाकिटे, प्लास्टिकच्या काड्यांसह कानकोरणी, फुग्यांसाठी प्लास्टिकच्या काड्या, प्लास्टिकचे झेंडे, कॅडी कांड्या, आईस्क्रीम कांड्या, प्लेट्स, कप ग्लासेस, कटलरी जसे काटे, चमचे, चाकू, पिण्यासाठीचे स्ट्रॉ, ट्रे, ढवळण्या (स्टिरर्स), प्लास्टिक किंवा पीव्हीसी बॅनर (१०० मायक्रॉनपेक्षा कमी).

केंद्रीय पर्यावरण, वने व हवामान बदल मंत्रालयाने उत्पादक, आयातदार आणि ब्रँड मालक यांच्यावर विस्तारित उत्पादक जबाबदारी निश्चित करण्यासाठी दिनांक १६ फेब्रुवारी, २०२२ अन्वये विस्तारित उत्पादकाची जबाबदारी ग्राहकपुर्व आणि ग्राहकानंतरच्या प्लास्टिक पॅकेजिंग कचऱ्यावर लागू असेल. ही मार्गदर्शक तत्वे विस्तारित उत्पादक जबाबदारीच्या अंमलबजावणीसाठी फ्रेमवर्क प्रदान करतात. केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाने प्लास्टिकच्या पुनर्वापरासाठी आणि निर्मितीसाठी विस्तारित उत्पादक जबाबदारी (EPR Portal) पोर्टल व तक्रार निवारण पोर्टल विकसित केले आहे.

सदर नियमांतर्गत डिसेंबर २०२३ पर्यंत २७७ प्लास्टिक कचरा पुनर्वापर युनिट नोंदणीकृत आहेत. महाराष्ट्रातील एकूण प्लास्टिक रीसायकलिंग युनिटनुसार २३.६५ लाख टन/प्रति वर्ष आहे.

**मुद्दा क्र. १३(ब)**- महाराष्ट्र अविघटनशील कचरा (नियंत्रण) कायदा, २००६ अंतर्गत, प्लास्टिक आणि थर्माकॉल इत्यादीपासून बनवलेल्या अविघटनशील वस्तुंचे उत्पादन, वापर, विक्री साठवणूक, वाहतूक यांचे नियमन करण्यासाठी, महाराष्ट्र शासनाने महाराष्ट्र प्लॅस्टिक आणि थर्माकॉल अविघटनशील वस्तुंचे (उत्पादन, वापर, विक्री, वाहतूक हाताळणी आणि साठवणूक), अधिसूचना, २३/०३/२०१८ रोजी प्रसिध्द करण्यात आली होती. ज्यामध्ये दिनांक ११ एप्रिल २०१८, दिनांक ३० जून २०१८, दिनांक १४ जून २०१९, दिनांक २८ मार्च २०२२, १५ जुलै, २०२२ आणि ३०/११/२०२२ च्या अधिसूचनेनुसार सुधारणा करण्यात आली आहे.

महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्माकॉल अधिसूचना २०१८ अंतर्गत खालील गोष्टीप्रतिबंधित आहे.

- प्लास्टिक पासून बनविल्या जाणाऱ्या पिशव्या (carry bags) (हॅण्डल सहित किंवा हॅण्डल शिवाय), नॉन वोवन पॉलीप्रोपीलीन बॅगज.
- थर्माकॉल व प्लास्टिक पासून बनविण्यात येणाऱ्या व एकदाच वापरल्या जाणाऱ्या डिस्पोजेबल वस्तु.
- सजावटीसाठी प्लास्टिक व थर्माकॉलचा वापर इत्यादी.
- कंपोस्टेबल प्लास्टिक (कचरा व नर्सरी साठीच्या पिशव्या सोडून).
- प्लास्टिक लेपीत (coated) तेसच प्लास्टिक थर (Laminated) असणाऱ्या पेपर/अॅल्युमिनीयम इत्यादीपासून बनविलेल्या डिस्पोजेबल डिश, कप, प्लेट्स, ग्लासेस, वाडगा, कंटेनर इत्यादी एकल वापर उत्पादनावर बंदी घालण्यात आली आहे.

तसेच दिनांक ३०/११/२०२२ अन्वये अधिसूचनेत खालीलप्रमाणे सुधारणा करण्यात आल्या.

कंपोस्टेबल पदार्थापासून बनविण्यात आलेले एकल वापर वस्तु, उदा. स्ट्रॉ, ताट, कप्स, प्लेट्स, ग्लासेस, काटे चमचे, भांडे, वाडगा, कंटेनर इत्यादी तथापि, कंपोस्टेबल प्लास्टिक पासून बनविलेल्या अशा वस्तु कंपोस्टेबल असल्याबाबत सेंट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ प्लास्टीक इंजिनिअरींग अँड टेक्नॉलॉजी (CIPET) व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून प्रमाणित करून घेणे बंधनकारक राहिल.

- पॅकेजिंगसाठी वापरण्यात येणाऱ्या प्लास्टिकच्या जाडीचा उत्पादनाच्या गुणवत्तेवर परिणाम होत असेल अशा ठिकाणी वगळून इतर ठिकाणी पॅकेजिंगकरिता वापरण्यात येणारे प्लास्टिक पॅकेजिंग (आवरण) ५० मायक्रॉनपेक्षा जास्त असणे बंधनकारक राहिल.

● नॉन ओव्हन पॉलीप्रॉपीलीन बॅग्स (Non-woven polypropylene Bags) ६० ग्रॅम पर स्क्वेअर मीटर (जीएसएम) पेक्षा जास्त जाडी.

● महाराष्ट्र प्लास्टिक व थर्मोकॉल अधिसूचना २०१८ अधिसूचनाची प्रभावी अंमलबजावणी करिता:

● प्राधिकृत आणि अधिकारप्राप्त अधिकारी : स्थानिक स्वराज्य संस्था, महसूल विभाग, जिल्हा परिषद संचालक आरोग्य सेवा, शिक्षण मंडळाचे संचालक, पर्यटन पोलीस आणि पोलीस विभाग, उपायुक्त पुरवठा, राज्य कर विभाग, परिक्षेत्र वन अधिकारी.

● प्रभावी अंमलबजावणीसाठी दोन दोन समित्या केल्या आहेत.

● माननीय मंत्री (पर्यावरण) यांचा अध्यक्षतेखाली अधिसूचनेमध्ये आवश्यक सुधारणा ठरवण्यासाठी आणि अमलबजावणीचा आढावा घेण्यासाठी शक्तीप्रदत्त समिती व प्रधान सचिव, पर्यावरण विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली तांत्रिक मार्गदर्शनासाठी तज्ञ समिती.

● माननीय मुख्य सचिव, सरकार यांच्या अध्यक्षतेखाली महाराष्ट्र राज्यस्तरीय विशेष कृतीदल (STF) ची स्थापना १२/१०/२०२१ रोजी करण्यात आली आहे.

● जिल्हास्तरिय कृतीदल आणि शहर स्तरावर (दशलक्ष अधिक शहर) कृतीदलची स्थापना २६/०४/२०२२ च्या शासन निर्णयाद्वारे करण्यात आली आहे.

● दक्षतेसाठी प्रत्येक शहर स्तरावर दक्षतापथके तयार करण्यात आली आहेत.

● जिल्हास्तरिय दक्षतापथकही स्थापन केले आहे.

● प्रतिबंधित वस्तुंच्या उत्पादनात गुंतलेल्या उद्योगांची चौकशी करून २०१८ पासून आजपर्यंत अशा ४२८ उद्योगांना उत्पादन बंद करण्याचे निर्देश जारी केले आहेत, तसेच २०२२-२०२३ मध्ये स्थानिक संस्थाबरोबर केलेल्या संयुक्त कारवाईमध्ये सुमारे ४.६७ कोटी इतका दंड आकारण्यात आला व बंदी असलेले सुमारे १८१ टन प्लास्टिक दुकानदार व आस्थापनामधून जप्त करण्यात आले आहे.

#### १४ ई-कचरा व्यवस्थापन

##### ● ई-कचरा व्यवस्थापन नियम २०१६

ई कचरा शास्त्रोक्तपणे हाताळण्यासाठी वने व पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार यांनी दि. ०२-११-२०२२ रोजी ई कचरा (व्यवस्थापन) नियम २०२२ अधिसूचित केला आहे. सदर नियम राज्यात दि. १-०४-२०२३ पासून अंमलात आलेले आहेत. या नियमांतर्गत विविध शासकिय, निमशासकीय, उत्पादन, निर्माते नूतनीकरण करणारे (Refurbisher) व पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler) इ. वर जबाबदारी सोपविण्यात आली आहे. या नियमांतर्गत विविध स्तरांवर सोपविण्यात आलेल्या जबाबदाऱ्या खालीलप्रमाणे आहेत.

**उत्पादक** – उत्पादन प्रक्रियेदरम्यान निर्माण झालेल्या ई कचरा गोळा करणे व हा गोळा झालेला ई-कचरा अधिकृत ई-कचरा व्यवस्थापन केंद्राकडे पाठविणे. या कामी लागणाऱ्या आर्थिक बाबींची तरतुद करणे तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व हा केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे.

**निर्माते** – निर्मिती प्रक्रियादरम्यान निर्माण झालेला ई कचरा गोळा करणे व हा गोळा झालेला ई-कचरा अधिकृत ई-कचरा व्यवस्थापन केंद्राकडे पाठविणे. या कामी लागणाऱ्या आर्थिक बाबींची तरतुद करणे तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे.

**नूतनीकरण करणारे (Refurbisher)** – नूतनीकरण करताना निर्माण होणाऱ्या ई-कचरा अधिकृत पुनर्चक्रीकरण केंद्राकडे पाठवणे तसेच म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे. पर्यावरणाचा न्हास होणार नाही, याची खबरदारी घेणे.

**पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler)** – म.प्र.नि. मंडळाकडून संमतीपत्र घेणे व केंद्रीय प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडून ईपीआर नोंदणी प्रमाणपत्र घेणे बंधनकारक आहे. पर्यावरणाचा न्हास होणार नाही, याची खबरदारी घेणे.

महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळ यांचे मार्फत ई-कचरा निर्माण करणारे उत्पादक आणि निर्माते तसेच ई-कचरा नूतनीकरण करणारे (Refurbisher) आणि पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler) यांना जल (प्रतिबंध व प्रदुषण नियंत्रण) कायदा, १९७४ आणि हवा (प्रतिबंध व प्रदुषण नियंत्रण) कायदा, १९८१ मधील तरतुदीनुसार संमतीपत्र देण्यात येते. या आधी ई-कचरा (व्यवस्थापन) अधिनियम, २०१६ अन्वये राज्यातील ई-कचरा नूतनीकरण करणारे (Refurbisher) आणि पुनर्चक्रीकरण करणारे (Recycler) यांना दिनांक ३१ मार्च २०२३ पर्यंत प्राधिकारपत्र देण्यात येत होते. अशा अधिकृत नूतनीकरण आणि पुनर्चक्रीकरण करणाऱ्या उद्योगांची यादी म.प्र.नि. मंडळाच्या संकेतस्थळावर प्रदर्शित करण्यात आली आहे.

महाराष्ट्रात ई कचऱ्याचे नियोजनबद्ध व्यवस्थापन व विल्हेवाट लावण्यासाठी ई कचरा (व्यवस्थापन) अधिकृत केंद्रांना (डिसमॅटलर व रिसायकलर) म. प्र.नि. मंडळ यांनी नोंदणीपत्र व संमतीपत्र देऊन मान्यता दिलेली आहे. महाराष्ट्रात एकूण अशी १७६ अधिकृत ई कचरा अधिकृत (डिसमॅटलर/रिफरबिशर १५३ व रिसायकलर २३) केंद्रे उपलब्ध आहेत. या १७६ अधिकृत ई कचरा (डिसमॅटलर/रिफरबिशर व रिसायकलर) केंद्रांची क्षमता दरवर्षी ११७३९२ मे. टन एवढी आहे. या संस्था विविध भागातून ई-कचरा गोळा करून ते संकलित करतात व सुरक्षितरित्या हाताळून त्याची विल्हेवाट लावतात. ई कचरा नियमांच्या प्रभावी अंमलबजावणी करिता सक्रीय पावले उचलवीत याकरिता महाराष्ट्र राज्यातील सर्व महानगर पालिका आयुक्तांना निर्देश दिले आहेत.

#### १५. घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम

##### घनकचरा (व्यवस्थापन) अधिनियम २०१६ :-

केंद्रिय वने व पर्यावरण मंत्रालय यांनी सन २००० मध्ये नागरी घनकचरा (हाताळणी व अधिनियम) २००० अधिसूचित केला होता. त्यानुसार महानगरपालिका व नगरपालिका यांनी नागरी घनकचराचे वर्गीकरण साठवणूक शास्त्रोक्त पद्धतीने विल्हेवाट लावणे बंधनकारक आहे. सदर नियम अधिक परिणामकारक स्वरूपात लागू करण्याकरिता, स्त्रोतस्तरावर अलगीकरण करणे, सदर नियमांची व्याप्ती वाढविणे तसेच पुनर्वापरावर जोर देण्याकरिता घरातून निर्माण होणाऱ्या घन कचरा अंश गोळा करणारे कचरा वेचक पुनर्वापर करणारे व कचरा संसाधकांना समाविष्ट करण्यासाठी सुधारित घनकचरा व्यवस्थापन नियम २०१६, दि. ८-४-२०१६ रोजी अधिसूचित केला आहे.

सदर नियमांतर्गत स्थानिक स्वराज्य संस्थावर, कचरा निर्माण करणाऱ्या संस्थेवर वेगवेगळ्या जबाबदाऱ्या सोपविण्यात आल्या आहेत. सदर नियमांनुसार स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी त्यांच्या शहरातून निर्माण होणाऱ्या घनकचरावर शास्त्रीय पद्धतीने प्रक्रिया व विल्हेवाट लावणे बंधनकारक केले आहे. तसेच याबाबत महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाकडून संमतीपत्र व प्राधिकारपत्र घेणे बंधनकारक आहे.

महाराष्ट्रामध्ये ४१८ स्थानिक स्वराज्य संस्था आहेत. त्यामध्ये २८ महानगरपालिका, १६ अ वर्ग नगरपरिषद, ७४ ब वर्ग नगरपरिषद, १५१ क वर्ग नगरपरिषद, १४२ नगरपंचायत व ०७ कॅन्टोनमेंट बोर्ड समाविष्ट आहेत. स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी त्यांच्या कार्यक्षेत्रात निर्माण होणारा घनकचरा हा घनकचरा व्यवस्थापन नियम २०१६ च्या तरतुदीनुसार संकलन, वर्गीकरण, साठवणूक वाहतूक, प्रक्रिया विल्हेवाट लावणे गरजेचे आहे.

#### १६. नागरी घनकचरा व्यवस्थापन व हाताळणी (डिसेंबर २०२३ पर्यंत):-

| अ. क्र. | स्थानिक स्वराज्य संस्था | एकूण संस्था | घनकचरा निर्मिती मे.टन/दिन | घनकचरा प्रक्रिया मे.टन/दिन |
|---------|-------------------------|-------------|---------------------------|----------------------------|
| १       | २                       | ३           | ४                         | ५                          |
| १.      | महानगरपालिका            | २८          | १९३१६.४५                  | १५३३४.१                    |
| २.      | अ वर्ग नगरपालिका        | १६          | ९५६.४३५                   | ७०९.२३५                    |
| ३.      | ब वर्ग नगरपालिका        | ७४          | १३६३.६२                   | ११८५.४४                    |
| ४.      | क वर्ग नगरपालिका        | १५१         | ११०८.३३                   | ९६४.७५५                    |
| ५.      | नगरपंचायत               | १४२         | ५५६.४१२                   | ४०६.६७                     |
| ६.      | कॅन्टोनमेंट बोर्ड       | ०७          | १४७.२१                    | १२९.०१                     |
|         | <b>एकूण</b>             | <b>४१८</b>  | <b>२३४४८.४६</b>           | <b>१८७२९.२१</b>            |

**टीप :-** "एकूण घनकचरा निर्मिती पैकी ७९.३८% निर्मिती महानगरपालिका मार्फत केली जाते तसेच एकूण घनकचरा निर्मितीपैकी १५३३४.१ मे. टन/दिन घनकचरा प्रक्रिया व विल्हेवाट केली जाते".

सोलापूर या ठिकाणी कचऱ्यापासून वीजनिर्मिती प्रकल्प कार्यान्वित आहेत.

\* म. प्र. नि. मंडळाने घन कचरा व्यवस्थापन अधिनियम, २०१६ च्या प्रभावी अंमलबजावणीसाठी खालील कार्यवाही/कारवाई केलेली आहे.

मप्रनि मंडळाने घन कचरा व्यवस्थापन प्राधिकारपत्र अर्जाची छाननी करण्याकरिता समिती तयार केलेली आहे.त्यामध्ये ऑल इंडिया लोकल सेल्फ गव्हर्नमेंटचा अधिकारी तसेच निवृत्त उपायुक्त मुंबई महानगरपालिका यांचा समावेश केलेला आहे.

\* म. प्र. नि. मंडळाने वेळोवेळी नगरपालिका व महानगरपालिका यांना कारणे दाखवा नोटीस, प्रस्तावित निर्देश तसेच अर्धशासकिय पत्राद्वारे घनकचरा व्यवस्थापन योग्य रितीने करणेबाबत निर्देश दिलेले आहेत.

\* म. प्र. नि. मंडळाने महानगरपालिकेची घनकचरा व्यवस्थापनाबाबतची सर्व माहिती अद्यतन करण्यासाठी ऑनलाईन वेब पोर्टल विकसित केले आहे.

\* म. प्र. नि. मंडळाने सर्व स्थानिक स्वराज्य संस्थेसाठी वार्षिक अहवाल सादर करण्याकरिता ऑनलाईन वेब पोर्टल विकसित केले आहे.

\* म. प्र. नि. मंडळातर्फे घनकचरा व्यवस्थापनाबाबतचा वार्षिक अहवाल दरवर्षी मंडळाच्या अधिकृत संकेतस्थळावर प्रकाशित करण्यात येतो.

\* म. प्र. नि. मंडळाने घनकचरा व्यवस्थापन नियम, २०१६ अंमलबजावणीची पूर्तता न करण्याच्या १६८ स्थानिक स्वराज्य संस्थांना पर्यावरण नुकसान भरपाई दंडाची नोटीस बजावण्यात आली आहे. तसेच वारसा कचरा व्यवस्थापनाच्या अंमलबजावणीची पूर्तता न करणाऱ्या ११४ स्थानिक स्वराज्य संस्थांना पर्यावरण नुकसान भरपाई दंडाची नोटीस बजावण्यात आली आहे.

**सारणी -अ**  
**सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्रणा**  
**(३१/०३/२०२३ पर्यंतची स्थिती)**

| अ. क्र | सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्र  | कार्यरत होण्याचा दिनांक  | एकूण सदस्य उद्योग | एकूण सांडपाण्याची प्रक्रिया क्षमता घनमीटर प्रतिदिन | प्रकल्प खर्च रु. लाख | केंद्रशासन रु. (लाख) | अनुदान राज्यशासन रु. (लाख) |        |
|--------|---|--|-------------------|--|----------------------|----------------------|----------------------------|--------|
|        |   |  |                   |  |                      |                      | मप्रनिमं                   | मऔविम  |
| १      | अॅक्मा को-ऑप. सो. अंबरनाथ   | मार्च, १९९९  | ६१                | २५०  | ३५                   | -                    | ८.५३                       | ८.५३   |
| २      | चिखलोली मोरिवली सा.सां.प्र.सं.  | डिसेंबर, २००६  | १३०               | ८००  | १२६.७६               | २७.४५                | ६.३३                       | २३.२७  |
| ३      | बदलापूर सा.सां.प्र.सं.  | सप्टेंबर २००२,   | २६३               | ८००  | ६३३.२१               | ९५.८६                | २२.५०                      | ९०.००  |
| ४      | डोंबिवली फेज-१ (टेक्स्टाईल)   | मार्च, १९९९  | १४८               | १६०००  | २७०                  | ५०                   | -                          | ६५     |
| ५      | डोंबिवली फेज-२ (केमिकल)   | ऑक्टोबर, २००३  | १२०               | १५००   | १४७१                 | २१३                  | ५०                         | २५०    |
| ६      | तळोजा को-ऑप. सो. सा.सां.प्र.सं.   | डिसेंबर १९९९   | ९८२               | २२५००  | १४७१                 | २१६                  | ५०                         | २५०    |
| ७      | प्रिया पाताळगंगा सा. सा.सां.प्र.सं.   | फेब्रुवारी -२००४   | ४०                | १५०००  | २१८७                 | ३०४.४१               | ९९.३५                      | ३९७.४  |
| ८      | रिया रोहा को-ऑप. सो. सा.सां.प्र.सं.   | मार्च - २००४   | ३६                | २२५००  | ३८५०                 | ३१२.५                | ६३.८०                      | २५०    |
| ९      | महाड, एमएमए को-ऑप. सो. सा.सां.प्र.सं.   | जून, २००५  | १३५               | ७५००   | ७५०.६०               | १८६                  | ३७.२                       | १४८.८० |
| १०     | अकीवटे इंडस्ट्रीयल को-ऑप सो.जयसिंगपूर   | डिसेंबर, १९९७  | १५                | ८००  | ६७.७०                | ८.९२                 | -                          | ८.९२   |
| ११     | लोटे परशुराम पर्यावरण संरक्षण को-ऑप. सो.  | एप्रिल, २००३   | १९०               | १००००  | ५४०.४२               | ८३.३९                | ३८.६७                      | ७०.१४  |
| १२     | तारापूर (अतिरिक्त) को-ऑप. सो. सद्यस्थितीत तारापूर पर्यावरण संरक्षण को. सो. मध्ये विलिन) | मार्च २००६ (२० द. ल. लि.)<br>मार्च २००८ (२० द. ल. लि.)<br>सप्टेंबर २००९ (२५ द. ल. लि.)<br>सप्टेंबर, २००५ | १२१६              | २५०००  | ३०५५                 | ४६१.७                | ९८.६७                      | ३८७.२६ |
| १३     | ग्रीन फिल्ड सीईटीपी प्लांट प्रा. लि. एम.आय.डी.सी. चिंचोली, जि. सोलापूर.                 | सप्टेंबर, २००५   | २७                | १५००   | २५०                  | ६२.५                 | १२.५                       | ५०     |
| १४     | पर्यावरण को.ऑप. (एम.आय.डी.सी) सोयायटी, कुरकुंभ हस्तांतरण २००६                           | ऑगस्ट, २००१  | ८२                | १०००   | ११३                  | -                    | -                          | १९.५३  |
| १५     | रांजणगांव सा. सा. प्र. सं.  | जुलै, २००१   | ४                 | ३०००   | ३०१                  | -                    | -                          | ३०१    |

१७. सारणी -अ  
सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्रणा  
(३१/०३/२०२३ पर्यंतची स्थिती)

| अ. क्र | सामायिक सांडपाणी प्रक्रिया संयंत्र  | कार्यरत होण्याचा दिनांक                      | एकूण सदस्य उद्योग | एकूण सांडपाण्याचे प्रक्रिया क्षमता घनमीटर प्रतिदिन | प्रकल्प खर्च रु. लाख | केंद्रशासन रु. (लाख) | अनुदान प्राप्त राज्यशासन रु. (लाख) |        |
|--------|---|--|-------------------|--|----------------------|----------------------|------------------------------------|--------|
|        |   |  |                   |  |                      |                      | मप्रनिम                            | मऔविम  |
| १६     | बुटीबोरी, सा. सां. प्र. सं. नागपूर  | जून, २००६ (१२ द.ल.लि.)                       | ४७७               | ५०००   | ६९९                  | ३१४.५५               | ३४.१५                              | १७४.७५ |
| १७     | ठाणे-बेलापूर सा. सां. प्र. सं. (नवी मुंबई)  | टप्पा १ १९९७ टप्पा २ मार्च २००६ (१५ द.ल.लि.) | ३४५७              | २७०००  | १२२५                 | २५६.२५               | ७१.२५                              | १८५    |
| १८     | (अतिरिक्त) अंबरनाथ सां. प्र. स. जि. ठाणे  | जून २०१२                                     | ५३                | ७५००   | १८४६.९६              | -                    | -                                  | -      |
| १९     | एस.एम.एस. प्रक्रिया संयंत्र लि. वाळूज औरंगाबाद.                                       | जून २०११                                     | २२४               | १००००  | १७००                 | ३४०                  | ७१.००                              | ३४०    |
| २०     | इचलकरंजी टेक्स्टाईल डेव्हलपमेंट क्लस्टर लि. (१२ दललि) सा.सां. प्र. स. जि. कोल्हापूर   | जुलै २०११                                    | १९१               | १२०००  | २१८५                 | ११२१                 | १६७                                | ३७२    |
| २१     | इचलकरंजी टेक्स्टाईल डेव्हलपमेंट क्लस्टर लि. (१ द ल लि) सा. सां. प्र. स. जि. कोल्हापूर | एप्रिल २०११ (१ द.ल.लि.)                      | ११                | १०००   | २१०                  | ६९                   | २४                                 | -      |
| २२     | कागल हातकणंगले सां. प्र. स. जि. कोल्हापूर   | जून २००८                                     | ५                 | १००००  | ११७०                 | २१०                  | -                                  | ११७०   |
| २३     | हायड्रो एअर टेक्ट्रॉनिक्स तळेगांव.  | ऑगस्ट २००९                                   | १                 | ४०००   | ६५०                  | -                    | -                                  | १२५    |
| २४     | अक्कलकोट रोड सा. प्र. स. जि. सोलापूर  | डिसेंबर २०१४                                 | ६९                | ३०००   | ४४०                  | -                    | -                                  | -      |
| २५     | अतिरिक्त अमरावती औद्योगिक क्षेत्र सा. प्र. स. जि. अमरावती                             | सप्टेंबर २०१६                                | ५                 | ५०००   | ६४०                  | -                    | -                                  | -      |
| २६     | तारापुर (अतिरिक्त) को-ऑप. सो. सध्यस्थिती तारापुर पर्यावरण संरक्षण को सो. मध्ये विलिन  | -  | १२१६              | एकूण क्षमता ५०००० कार्यरत २५०००                    | ११९८३                | -                    | ५९९                                | १६५३   |
| २७     | इचलकरंजी भाग-३ (टेक्स्टाईल)   | प्रस्तावित (१.२ द ल लि)                      | -                 | १२००   | -                    | -                    | -                                  | -      |
| २८     | कृष्णा व्हॅली सांगली  | सुरु झाला नाही                               | -                 | --   | ६४०                  | -                    | -                                  | -      |
| २९     | मेटल फिनिशर्स असोसिएशन नाशिक  | सुरु झाला नाही                               | -                 | ५००  | १०००                 | -                    | -                                  | -      |
| ३०     | हिंणगा सीईटीपी इंडस्ट्रियल को-ऑपरेटिव्ह सोसायटी लि.                                   | सुरु झाला नाही                               | -                 | २०००   | २०००                 | -                    | -                                  | -      |

१८ वर्गीकरण कारखान्याचे अनुपालनाची सद्यस्थिती

| अनु. क्र | एकूण उद्योग | स्वतःहून बंद झालेले उद्योग | चालू असलेले एकूण उद्योग | मानांकनाचे पालन करणारे एकूण उद्योग | मानांकनाचे पालन न करणारे एकूण उद्योग | मानांकनाचे पालन न करणाऱ्या उद्योजकांवर केलेली कारवाई            |  |
|----------|-------------|----------------------------|-------------------------|------------------------------------|--------------------------------------|---|--|
|          |             |                            |                         |                                    |                                      | पर्यावरण कायद्यांतर्गत देण्यात आलेले कारणे दाखवा नोटीस /निर्देश | पर्यावरण कायद्यांतर्गत उद्योग बंद करण्याची नोटीस दिलेली आहे. |
| १        | २           | ३                          | ४                       | ५                                  | ६                                    | ७   | ८  |
| १        | ६९१         | ६२                         | ६२९                     | ४९७                                | १३२                                  | १२०   | १२   |



---

---

**(एक) वित्तीय आवश्यकता**  
**(1) Financial Requirements**

---

---



(एक) वित्तीय आवश्यकता  
(I) Financial Requirements

| कार्यक्रमाचे नाव                                 | प्रत्यक्ष खर्च २०२२-२०२३ |                  |               | अर्थसंकल्प २०२३-२०२४       |                  |               |
|--|--------------------------|------------------|---------------|----------------------------|------------------|---------------|
|  | Actuals 2022-2023        |                  |               | Budget Estimates 2023-2024 |                  |               |
|  | योजनेतर<br>Non Plan      | योजनांगत<br>Plan | एकूण<br>Total | योजनेतर<br>Non Plan        | योजनांगत<br>Plan | एकूण<br>Total |
| 1  | 2                        | 3                | 4             | 5                          | 6                | 7             |
| <b>कार्यक्रमानुसार वर्गीकरण-</b>                 |                          |                  |               |                            |                  |               |
| <b>(अ) जल प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण</b>        |                          |                  |               |                            |                  |               |
| हवा प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण                  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| व्याज प्रदाने                                    | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| एकूण (अ)   | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| <b>(ब) उद्देशानुसार वर्गीकरण-</b>                |                          |                  |               |                            |                  |               |
| <b>(१) महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडळाच्या</b> |                          |                  |               |                            |                  |               |
| कर्मचाऱ्यांच्या भविष्य निर्वाह निधीवरील          | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| (अ) व्याज  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (१)   | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| <b>(२) म. प्र. नि. मंडळाला जल प्रदूषण</b>        |                          |                  |               |                            |                  |               |
| प्रतिबंध व नियंत्रण हयासाठी अनुदान               | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (२)   | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| <b>(३) म. प्र. नि. मंडळाला हवा प्रदूषण</b>       |                          |                  |               |                            |                  |               |
| प्रतिबंध व नियंत्रणासाठी अनुदान                  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (३)   | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (ब)   | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| वजा वसूली  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (ब) निव्वळ                                  | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| <b>(क) वित्तीय साधने (१) अनुक्रमांक यु. - १</b>  |                          |                  |               |                            |                  |               |
| (१) २०४९- व्याज प्रदाने ...                      | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| (२) मागणी क्रमांक यु. ४ मुख्यशीर्ष               | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| ३४३५ परिस्थिती व पर्यावरण                        | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| एकूण (क)   | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |
| वजा वसूली  | ...                      | 661.72           | -             | 661.72                     | 905.92           | -             |
| एकूण (क) निव्वळ                                  | ...                      | -                | -             | -                          | -                | -             |

१-चालू  
1--Contd.

(रुपये लाखात)  
(Rs. in Lacs)

| सुधारीत खर्च २०२३-२०२४<br>Revised Estimates 2023-2024 |                       |                     | अर्थसंकल्प २०२४-२०२५<br>Budget Estimates 2024-2025 |                        |                     |  |
|---|-----------------------|---------------------|--|------------------------|---------------------|--|
| योजनेतर<br>Non Plan<br>8                              | योजनांगत<br>Plan<br>9 | एकूण<br>Total<br>10 | योजनेतर<br>Non Plan<br>11                          | योजनांगत<br>Plan<br>12 | एकूण<br>Total<br>13 |  |
| -   | -                     | -                   | -  | -                      | -                   | 1  |
| -   | -                     | -                   | -  | -                      | -                   |  |
| 885.07  | -                     | 885.07              | 1057.56  | -                      | 1057.56             |  |
| 885.07  | -                     | 885.07              | 1057.56  | -                      | 1057.56             |  |
|   |                       |                     |  |                        |                     | <b>A. Activity Classification--</b>              |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... 1. Prevention and Control of Water Pollution |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... 1. Prevention and Control of Air Pollution   |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Interest payment                             |
|   |                       |                     |  |                        |                     | Total (A)  |
|   |                       |                     |  |                        |                     | <b>B. Objective Classification--</b>             |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... 1. Maharashtra P. C. Board Employees         |
|   |                       |                     |  |                        |                     | Provident Fund.                                  |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... (a) Interest                                 |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (1)                                    |
| 885.07  | -                     | 885.07              | 1057.56  | -                      | 1057.56             |  |
| 885.07  | -                     | 885.07              | 1057.56  | -                      | 1057.56             |  |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... 2. Grant-in-aid to M. P. C. Board for        |
|   |                       |                     |  |                        |                     | Prevention and Control of Water Pollution        |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (2)                                    |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... 3. Grant-in-aid to M. P. C. Board for        |
|   |                       |                     |  |                        |                     | Prevention and Control of Water Pollution        |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (3)                                    |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (B) Gross                              |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Deduct recoveries                            |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (B) Net                                |
|   |                       |                     |  |                        |                     | <b>C. Source of Finance, (i) Serial No. U-1</b>  |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... (1) Major head 2049-Interest payments.       |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... (2) Demand No. U-4 Major head                |
|   |                       |                     |  |                        |                     | 3435-Ecology and Environment.                    |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (C) Gross                              |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Deduct Recoveries                            |
|   |                       |                     |  |                        |                     | ... Total (C) Net                                |
| 885.07  | -                     | 885.07              | 1057.56  | -                      | 1057.56             |  |

तक्ता-२  
TABLE-II

जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या कलम २५ अथवा २६ अन्वये व हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण)

अधिनियम, १९८९ च्या कलम २९ अन्वये उद्योगांना प्रदान करण्यात जल अधिनियमाच्या कलम, २५ किंवा २६ व हवा अधिनियमाच्या कलम, २९ अन्वये अनुक्रमे सध्या अस्तित्वात असलेल्या आणि नविन निःसारणामुळे/ उत्सर्जनामुळे प्रदूषणाचे वेळीच नियंत्रण करण्यासाठी अनुमती प्रदान करण्यात येते. ही अनुमती म्हणजे एक प्रकारचा कायदेशीर परवाना असतो आणि याद्वारे निःसारण उत्सर्जन कोणते व किती करण्याची परवानगी आहे हे विहित करण्यात येते. अनुमती देताना घालण्यात आलेल्या अटीचा भंग केल्यास असे निःसारण किंवा उत्सर्जन करणारी व्यक्ती दंडनीय करावाईस पात्र होते. अनुमती प्रदान करणे ही एक अतिशय तांत्रिक बाब असून त्यासाठी उत्पादन प्रक्रिया, उपयोगात आणलेला कच्चा माल, सांडपाण्याची गुणवत्ता/उत्सर्जन आणि सांडपाण्यातील किंवा उत्सर्जनातील प्रदूषण घटकांचे प्रमाण विहित मर्यादितपर्यंत आणण्यासाठी आवश्यक असलेली प्रक्रिया याचा तपशीलवार अभ्यास करावा लागतो. त्यासाठी उद्योगाच्या प्रभारी व्यक्तीशी वारंवार चर्चा करून संबंधीत उपाययोजना करणे आणि उद्योगातील सांडपाण्याचे नमुने तपासणे आवश्यक असते.

जल अधिनियम, १९७४ हवा अधिनियम, १९८९ प्रमाणे प्रादेशिक कार्यालयानुसार, कारखान्यांना दिलेल्या संलग्न अनुमती पत्रांची संख्या, खालील तक्त्यात दर्शविली आहे. आलेल्या अनुमतीची माहिती दर्शविणारा तक्ता.

Consents issued under Section 25/26 of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 and

under Section 21 of Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981.

For control of pollution at source consents are required to be granted to the existing and new discharges in the declared area under Section 25 or 26 of the Water Act and under Section 21 of Air (P. and C. P.) Act, 1981 respectively. The consent for discharges / emissions is a legal permit which prescribes what and how much can be permitted to be discharged or emitted into atmosphere. Breach of conditions of consent by the discharger makes him liable for penal action. The work of grant of consent is a technical matter which requires detailed study of the manufacturing process involved, the raw material used, the characteristics of the effluent/emissions and the method of treatment of effluent and/or emission control method to bring down concentration to different pollution parameters upto the prescribed standards. For that purpose, it is necessary to pay visits to industries and hold frequent discussions with persons in-charge of the industry and test samples of effluents emissions from the industries.

The Region-wise break up of the combined consents granted to the Industries under water Act 1974 and Air Act 1981 is as shown below.

| Sr. No.               | Name of the Region | २०२२-२०२३ साली अनुमतीपत्रांची संख्या Consent granted during 2022-2023 | (१ एप्रिल २०२३ ते ३१ डिसेंबर २०२३ पर्यंत) अनुमतीपत्रांची संख्या Consent granted Report (1st April 2023 to 31st Des. 2023) | प्रादेशिक कार्यालय |
|-----------------------|--------------------|---|---|--------------------|
| 1                     | 2                  | 3   | 4   | 5                  |
| 1.                    | HQ                 | 4971  | 3872  | मुख्यालय           |
| 2.                    | Ro-Amravati        | 821   | 448   | अमरावती            |
| 3.                    | Ro-Aurangabad      | 1472  | 1178  | औरंगाबाद           |
| 4.                    | Ro-Chandrapur      | 267   | 150   | चंद्रपूर           |
| 5.                    | Ro-Kalyan          | 1074  | 590   | कल्याण             |
| 6.                    | Ro-Kolhapur        | 1538  | 1175  | कोल्हापूर          |
| 7.                    | Ro-Mumbai          | 704   | 404   | मुंबई              |
| 8.                    | Ro-Nagpur          | 1069  | 691   | नागपूर             |
| 9.                    | Ro-Nasik           | 1941  | 1457  | नाशिक              |
| 10.                   | Ro-Navi-Mumbai     | 934   | 702   | नवी मुंबई          |
| 11.                   | Ro-Pune            | 3004  | 2254  | पुणे               |
| 12.                   | Ro-Raigad          | 519   | 385   | रायगड              |
| 13.                   | Ro-Thane           | 908   | 660   | ठाणे               |
| <b>Grand Total...</b> |                    | <b>19222</b>  | <b>13966</b>  | <b>एकूण</b>        |

टीप.- (१) जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या कलम २५ किंवा २६ अन्वये अनुक्रमे नवीन निःसारणाबाबत किंवा अस्तित्वात असलेल्या निःसारणाबाबत अनुमती देण्यात

Note.- (1) Under Section 25 or 26 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 consent are granted to the new discharges and existing discharges respectively.

तक्ता-३  
TABLE-III

अधिनियमाच्या तरतुदीचा भंग करणाऱ्या विरुद्ध केलेली कायदेशीर कार्यवाही दर्शविणारा तक्ता.  
The legal action of the Board against those who contravened the provisions of the Act

संक्षिप्त टिप्पणी.-ज्यावेळी असे आढळून येते की अनुमती देताना घालण्यात आलेल्या अटीचे परिपालन उद्योगांकडून केले जात नाही आणि त्यांच्याकडून पाण्याचे प्रदूषण होणे चालूच आहे अशा वेळी त्यांच्या विरुद्ध कायदेशीर कार्यवाही करण्यासाठी विविध उपाय योजले जातात उदा. सांडपाण्यावर प्रक्रिया करण्यासंबंधी आवश्यक असलेली तातडीची उपाय योजना करणे. १ जून १९८१ पासून लागू करण्यात आलेल्या जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या कलम ३२(१) (क) अन्वये दूषित सांडपाण्याचे निसारण थोपविणे, कलम ३३ अन्वये उद्योगाविरुद्ध संभाव्य प्रदूषणाबाबत संबंधित न्यायालयाकडून प्रतिबंधात्मक आदेश मिळविणे, अधिनियमाच्या कलम ४३, ४४, ४५ च्या अन्वये फौजदारी खटले दाखल करणे वगैरे प्राधिकरण दंडाधिकारी किंवा प्रथम वर्गाचा दंडाधिकारी यांच्या पेक्षा कनिष्ठ नसलेल्या न्यायालयात खटला दाखल करण्यात येतो. विविध गुन्द्यांकरिता देण्यात येणारी शिक्षा ही किमान ३ महिने तुरुंगवास किंवा जास्तीत जास्त ७ वर्षे तुरुंगवास व दंड अशी असू शकते. अभियोगाला मंडळाने मंजूरी दिल्यानंतर खटला दाखल करता येतो.

खालील माहिती जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ च्या ४३.४४ कलमानुसार दर्शविली आहे.

When it is found that the industries have failed to comply with the consent conditions and continue to pollute the water, various remedies are open to take legal action against them, namely taking emergency measures for carrying out the necessary treatment work, restraining from discharging polluted effluent under section 32 (1) (c) of the water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 which was made applicable in the State of Maharashtra from 1st June 1981 and obtaining prohibitory orders from the concerned Magistrates for the apprehended pollution against the industries under section 33, and launching Criminal prosecution under sections 43, 44, 45 etc. The prosecution is to be instituted in Court not inferior to the Metropolitan Magistrate or Magistrate of First Class. The penalties which can be inflicted on various offences under the Act are not less than 3 months imprisonment which may extend to 7 years and fine etc. After granting sanction by the Board cases can be filed.

The following information is as per 43/44 section of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.

तक्ता-३ (अ)  
TABLE-III(A)

| क्रमांक | तपशील   | (डिसेंबर २०२३ पर्यंत)<br>(upto Dec. 2023) | Details                               |
|---------|---|---|---------------------------------------|
| 1       | 2   | 3   | 4                                     |
| १.      | न्यायालयात अभियोग दाखल करण्यात आलेल्या प्रकरणांची संख्या. | 390                                       | 1. No. of cases filed.                |
| २.      | ज्यात निर्णय लागलेला आहे अशा प्रकरणांची संख्या            |   | 2. No. of cases decided.              |
|         | (अ) मंडळाच्या बाजूने                                      | ... 83                                    | (a) In favour of the Board.           |
|         | (ब) मंडळाच्या विरुद्ध                                     | ... 177                                   | (b) Against Board.                    |
| ३.      | न्यायालयात प्रलंबित असलेल्या प्रकरणांची संख्या            | ... 130                                   | 3. No. of cases pending in the Court. |

**विधी कार्याची माहिती**  
**Legal Information**

जल (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम, १९७४ मधील कलम ३३ खालील दाखल करण्यात आलेले अर्ज  
Application filed under Section 33 of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974

**तक्ता-३ (ब)**  
**(डिसेंबर २०२३ पर्यंत)**  
**TABLE--III (B)**  
**(Upto Dec. 2023)**

| दाखल केलेले अर्ज<br>Applications filed | मंडळाच्या बाजूने लागलेले<br>निकाल<br>No. of cases decide in<br>favour of Board | मंडळाच्या विरुद्ध लागलेले<br>निकाल<br>No. of cases decide<br>against the Board | प्रलंबित असणारे अर्ज<br>Pending Applications |
|--|--|--|--|
| 1                                      | 2  | 3  | 4  |
| 140                                    | 91   | 49   | -  |

**तक्ता-३ (क)**  
**TABLE--3 (C)**

खालील माहिती हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम १९८१  
कलम २२ अ नुसार दर्शविलेली आहे.

The following legal information is as per Air (Prevention  
and Control of Pollution) Act, 1981 U/s 22 (A):--

| क्रमांक | तपशील                                   | (डिसेंबर २०२३ पर्यंत)<br>(upto Dec. 2023) |    | Details                                 |
|---------|---|---|----|---|
| 1       | 2                                       | 3   | 4  | 4                                       |
| १.      | दाखल केलेले अर्ज                        | ...                                       | 3  | 1. No. of application filed             |
| २.      | मंडळाच्या बाजूने निर्णय लागलेली प्रकरणे | ...                                       | 1  | 2. No. of application convicted         |
| ३.      | फेटाळण्यात आलेली प्रकरणे                | ...                                       | 2  | 3. No. of application dismissed         |
| ४.      | न्यायालयात प्रलंबित असलेल्या संख्या     | ...                                       | -- | 4. No. of application pending in Court. |

खालील माहिती हवा (प्रदूषण प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम १९८१,  
कलम ३७ (२१) नुसार दर्शविलेली आहे.

The following legal information is as per Air (Prevention  
and Control of Pollution) Act, 1981 U/s 37 (r. w. 21):--

**तक्ता-३ (ड) (डिसेंबर २०२३ पर्यंत)**  
**TABLE--3 (D) (upto Dec. 2023)**

| दाखल केलेल्या<br>प्रकरणांची संख्या<br>No. of cases filed | मंडळाच्या बाजूने<br>लागलेले निकाल<br>No. of Cases convicted | मंडळाच्या विरुद्ध<br>लागलेले निकाल<br>No. of Cases demissed | प्रलंबित असलेल्या<br>प्रकरणांची संख्या<br>No. of Cases pending |
|--|---|---|--|
| 1  | 2   | 3   | 4  |
| 146  | 114   | 32  | --   |

तक्ता-३ (इ)  
TABLE-3(E)

| Compiaint filed under Section 15 of the Environment (Protection) Act, 1986     | No. of Cases filed upto Dec. 2021<br>डिसेंबर २०२३ | डिसेंबर २०२० पर्यंत अपराध सिधी Convictions secured | फेटाळलेल्या प्रकरणाची संख्या | प्रलंबित प्रकरणे Cases Pending | पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम १९८६ च्या कलम १५ नुसार दाखल करण्यात आलेले खटले |
|--|---|--|------------------------------|--------------------------------|---|
| 1  | 2   | 3  | 4                            | 5                              | 6   |
| (a) Hazardous Waste (Management and Handling) Rules, 1989 (as Amended in 2000. | 19  | 0  | 17                           | 2                              | धोकादायक कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-१९८९ (सुधारित नियम-२०००).          |
| (b) Recyled Plastic Waste (Management and Handling) Rules, 1989.               | 9   | 0  | 4                            | 5                              | पूर्वक्रित प्लॅस्टीक कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-१९८९.                  |
| (c) Coastal Regulation Zone Notification, 1991                                 | 80  | 0  | 13                           | 67                             | सागरी नियमन क्षेत्र अधिसूचना-१९९१.  |
| (d) Bio-Medical Waste (Management and Handling) Rules, 2000.                   | 32  | 0  | 27                           | 5                              | जैविक वैद्यक कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-२०००.                          |
| (e) Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2000.               | 37  | 0  | 17                           | 20                             | नागरी घन कचरा (व्यवस्थापन व वापर) नियम-२०००.                              |
| (f) EIA Notification 1994 Amended on 7-7-2004 and 14-9-2006.                   | 314   | 0  | 128                          | 186                            | पर्यावरण आघात मूल्यांकन अधिसूचना १९९४ सुधारित २००४ व २००६.                |
| (g) Noise Pollution (Regulation and Contarol) Rules, 2000                      | 430   | 0  | 39                           | 391                            | ध्वनी प्रदूषण (नियमन व नियंत्रण) नियम, २००० अंतर्गत दाखल झालेले खटले      |

तक्ता - ४.  
TABLE - IV

| अ. क्र.                             | कार्याचे नाव  | झालेल्या कामाचा तपशील<br>Particular of Achievements                     |                        |                        | S. N. Name of works<br>(Estimated)                 |
|-------------------------------------|---|---|------------------------|------------------------|--|
|                                     |   | २०२१-२०२२<br>२०२१-२०२२<br>नोव्हेंबर २०२२ (संकल्पित) पर्यंत<br>2021-2023 | २०२२-२०२३<br>2022-2023 | २०२३-२०२४<br>2023-2024 |  |
| 1                                   | 2   | 3   | 4                      | 5                      | 6  |
| <b>मध्यवर्ती प्रयोगशाळा</b>         |   | <b>Central Laboratory,</b>  |                        |                        |  |
| १.                                  | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | 3008  | 3664                   | 2802                   | 1. Industrial effluent samples                     |
| २.                                  | पर्यावरणीय नमुने                                      | 880   | 1277                   | 1035                   | 2. Environmental samples                           |
| ३.                                  | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | 658   | 729                    | 550                    | 3. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                  | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | 77  | 117                    | 87                     | 4. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                  | विधी पुरावा नमुने                                     | 0   | 0                      | 00                     | 5. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                  | पेय जल नमुने  | 0   | 0                      | 00                     | 6. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                  | खाजगी जल नमुने  | 0   | 0                      | 1                      | 7. Private Samples                                 |
| ८.                                  | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | 594   | 643                    | 672                    | 8. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                  | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | 355   | 457                    | 466                    | 9. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                 | घातक कचरा नमुने                                       | 47  | 70                     | 125                    | 10. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                 | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | 5619  | 6952                   | 5738                   | 11. Total Analyzed Samples                         |
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नागपूर</b> |   | <b>Regional Laboratory, Nagpur.</b>                                     |                        |                        |  |
| १.                                  | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | 1023  | 886                    | 615                    | 1. Industrial effluent samples                     |
| २.                                  | पर्यावरणीय नमुने                                      | 392   | 354                    | 286                    | 2. Environmental samples                           |
| ३.                                  | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | 363   | 300                    | 226                    | 3. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                  | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | 0   | 75                     | 55                     | 4. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                  | विधी पुरावा नमुने                                     | 0   | 0                      | 0                      | 5. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                  | पेय जल नमुने  | 0   | 0                      | 0                      | 6. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                  | खाजगी जल नमुने  | 0   | 0                      | 0                      | 7. Private Samples                                 |
| ८.                                  | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | 255   | 299                    | 313                    | 8. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                  | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | 258   | 214                    | 241                    | 9. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                 | घातक कचरा नमुने                                       | 31  | 110                    | 60                     | 10. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                 | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | 2322  | 2238                   | 1796                   | 11. Total Analyzed Samples                         |

| 1                                     | 2   | 3    | 4                                       | 5    | 6  |
|---------------------------------------|---|------|---|------|--|
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाळा, औरंगाबाद</b> |   |      | <b>Regional Laboratory, Aurangabad.</b> |      |  |
| १.                                    | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | ९४०  | ९७९                                     | ५५०  | १. Industrial effluent samples                     |
| २.                                    | पर्यावरणीय नमुने                                      | २१३  | १७१                                     | ११३  | २. Environmental samples                           |
| ३.                                    | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | ६२   | १३३                                     | ९९   | ३. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                    | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | १२३  | ६७                                      | ४४   | ४. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                    | विधी पुरावा नमुने                                     | ०    | ०                                       | ०    | ५. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                    | पेय जल नमुने  | ०    | ०                                       | ०    | ६. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                    | खाजगी जल नमुने  | ०    | ०                                       | ०    | ७. Private Samples                                 |
| ८.                                    | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | ८५   | ४७                                      | ५५   | ८. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                    | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | ८९   | २२७                                     | २१८  | ९. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                   | घातक कचरा नमुने                                       | ०    | २                                       | ३    | १०. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                   | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | १५१२ | १६२६                                    | १०८२ | ११. Total Analyzed Samples                         |
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाळा, ठाणे</b>     |   |      | <b>Regional Laboratory, Thane</b>       |      |  |
| १.                                    | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | ९९०  | १००८                                    | ६९७  | १. Industrial effluent samples                     |
| २.                                    | पर्यावरणीय नमुने                                      | १०४  | १२१                                     | ३७७४ | २. Environmental samples                           |
| ३.                                    | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | ०    | ०                                       | ०    | ३. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                    | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | ०    | ०                                       | ०    | ४. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                    | विधी पुरावा नमुने                                     | ०    | ०                                       | ०    | ५. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                    | पेय जल नमुने  | ०    | ०                                       | ०    | ६. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                    | खाजगी जल नमुने  | ०    | ०                                       | ०    | ७. Private Samples                                 |
| ८.                                    | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | ३३०  | २६१                                     | ३०३  | ८. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                    | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | २१६  | १७१                                     | २६५  | ९. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                   | घातक कचरा नमुने                                       | ०    | ०                                       | ०    | १०. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                   | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | १६९० | १५६१                                    | ५०३९ | ११. Total Analyzed Samples                         |



| 1                                  | 2   | 3    | 4                                  | 5    | 6  |
|------------------------------------|---|------|------------------------------------|------|--|
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नाशिक</b> |   |      | <b>Regional Laboratory, Nashik</b> |      |  |
| १.                                 | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | 812  | 877                                | 555  | 1. Industrial effluent samples                     |
| २.                                 | पर्यावरणीय नमुने                                      | 149  | 313                                | 243  | 2. Environmental samples                           |
| ३.                                 | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | 293  | 293                                | 207  | 3. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                 | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | 45   | 60                                 | 45   | 4. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                 | विधी पुरावा नमुने                                     | 0    | 0                                  | 0    | 5. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                 | पेय जल नमुने  | 0    | 0                                  | 0    | 6. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                 | खाजगी जल नमुने  | 0    | 1                                  | 0    | 7. Private Samples                                 |
| ८.                                 | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | 216  | 199                                | 176  | 8. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                 | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | 215  | 136                                | 139  | 9. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                | घातक कचरा नमुने                                       | 4    | 3                                  | 27   | 10. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | 1734 | 1882                               | 1392 | 11. Total Analyzed Samples                         |
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाळा, पुणे</b>  |   |      | <b>Regional Laboratory, Pune</b>   |      |  |
| १.                                 | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | 1887 | 2913                               | 2107 | 1. Industrial effluent samples                     |
| २.                                 | पर्यावरणीय नमुने                                      | 607  | 773                                | 743  | 2. Environmental samples                           |
| ३.                                 | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | 556  | 555                                | 401  | 3. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                 | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | 0    | 0                                  | 0    | 4. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                 | विधी पुरावा नमुने                                     | 0    | 0                                  | 0    | 5. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                 | पेय जल नमुने  | 0    | 0                                  | 0    | 6. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                 | खाजगी जल नमुने  | 94   | 133                                | 171  | 7. Private Samples                                 |
| ८.                                 | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | 356  | 330                                | 607  | 8. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                 | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | 198  | 183                                | 317  | 9. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                | घातक कचरा नमुने                                       | 39   | 69                                 | 100  | 10. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | 3737 | 4956                               | 4446 | 11. Total Analyzed Samples                         |

| 1                                     | 2   | 3    | 4                                      | 5    | 6  |
|---------------------------------------|---|------|--|------|--|
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाला, चिपळूण</b>   |   |      | <b>Regional Laboratory, Chiplun</b>    |      |  |
| १.                                    | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | 1290 | 1915                                   | 1336 | 1. Industrial effluent samples                     |
| २.                                    | पर्यावरणीय नमुने                                      | 533  | 714                                    | 536  | 2. Environmental samples                           |
| ३.                                    | राष्ट्रीय जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने | 280  | 303                                    | 227  | 3. Samples under Notional Water Monitoring Program |
| ४.                                    | राज्य जल गुणवत्ता संनियंत्रण प्रकल्पांतर्गत नमुने     | 73   | 88                                     | 67   | 4. Samples under State Water Monitoring Program    |
| ५.                                    | विधी पुरावा नमुने                                     | 2    | 0                                      | 0    | 5. Law Evidence Samples                            |
| ६.                                    | पेय जल नमुने  | 0    | 0                                      | 0    | 6. Drinking Water Samples                          |
| ७.                                    | खाजगी जल नमुने  | 1    | 10                                     | 0    | 7. Private Samples                                 |
| ८.                                    | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | 238  | 258                                    | 287  | 8. Ambient Air Samples                             |
| ९.                                    | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | 296  | 380                                    | 349  | 9. Stack Emission Samples                          |
| १०.                                   | घातक कचरा नमुने                                       | 9    | 119                                    | 87   | 10. Hazardous Waste Samples                        |
| ११.                                   | जैव वैद्यकीय कचरा नमुने                               | -    | 2                                      | 1    | 11. BMW Samples (Bio Medical waste)                |
| १२.                                   | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | 2722 | 3789                                   | 2890 | 12. Total Analyzed Samples                         |
| <b>प्रादेशिक प्रयोगशाला, चंद्रपूर</b> |   |      | <b>Regional Laboratory, Chandrapur</b> |      |  |
| १.                                    | हवा गुणवत्ता नमुने                                    | 146  | 82                                     | 113  | 1. Ambient Air Samples                             |
| २.                                    | चिमणीतून उत्सर्जित वायूचे नमुने                       | 91   | 85                                     | 111  | 2. Stack Emission Samples                          |
| ३.                                    | औद्योगिक सांडपाण्याचे नमुने                           | 36   | 115                                    | 140  | 3. Industrial effluent Samples                     |
| ४.                                    | एकूण विश्लेषित नमुने                                  | 273  | 282                                    | 364  | 4. Total Analyzed Samples                          |

तक्ता - ५  
TABLE - V

मंडळाच्या प्रशिक्षण विषयक कार्याचा तपशील दर्शविणारा तक्ता :

खालील प्रदूषणाशी होण्याशी संबंधित असलेल्या कार्यालयात कामावर ठेवण्यात आलेल्या किंवा कामावर ठेवावयाच्या व्यक्तींच्या प्रशिक्षणाची योजना आखणे व ते आयोजित करणे हे मंडळाच्या कार्यापैकी एक काम आहे. त्याप्रमाणे आपल्या अधिकाऱ्यांना आणि कर्मचाऱ्यांना निरनिराळ्या शिक्षणक्रमासाठी आणि परदेशी प्रशिक्षणासाठी पाठविण्याचा कार्यक्रम मंडळाने अंगीकृत केला आहे.

Table showing Training Activities of the Board.

It is one of the functions of the Board to plan and organise training of persons engaged or to be engaged in the respect of the matters relating to pollution of streams. Accordingly the Board has regular programme of training of its officers and staff for different courses and also to send them abroad for training.

| अनु-<br>क्रमांक | प्रशिक्षणाचा तपशील                                 | २०२२-२०२३                 | २०२३-२०२४                              | २०२४-२०२५<br>(संकल्पित)  | Sr.<br>No. | Item of Training           |
|-----------------|--|---------------------------|--|--------------------------|------------|----------------------------|
| 1               | 2  | 2022-2023                 | 2023-2024<br>(April 2023 to Jan. 2024) | 2024-2025<br>(Estimated) | 6          | 7                          |
|                 |  | (April 2023 to Dec. 2024) |  |                          |            |                            |
| १.              | छोटे अभ्यासक्रम --                                 |                           |  |                          | 1.         | Short Courses --           |
|                 | (अ) प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांची संख्या. | 11                        | 52                                     | 150                      | (a)        | Number of Officers trained |
| २.              | नियमित आयोजित करण्यात येणारे अभ्यासक्रम --         | -                         | -                                      | -                        | 2.         | Regular Courses --         |
|                 | (अ) प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांची संख्या. | 132                       | 51                                     | 54                       | (a)        | Number of Officers trained |
| ३.              | परदेशी शिक्षण --                                   | 0                         | 1                                      | 3                        | 3.         | Training abroad --         |
|                 | प्रशिक्षण देण्यात आलेल्या अधिकाऱ्यांची संख्या.     | 1                         | 1                                      | 3                        |            | Number of Officers trained |
|                 |  | -                         | -                                      | -                        |            |                            |
| ४.              | एकूण प्रशिक्षणाचा खर्च                             | 14,34,436                 | 5,40,560                               | 20,00,000                |            | Cost of training.          |

तक्ता - ६  
TABLE - VI

मंडळाच्या आस्थापनेवरील दिनांक ३१/१२/२०२३ रोजी असलेली पदांची स्थिती

| अ. क्र. | पदनाम                      | वेतन बँड | ग्रेड वेतन           | मंजूर पदे | भरलेली पदे | रिक्त पदे |    |
|---------|----------------------------|----------|----------------------|-----------|------------|-----------|----|
| १       | २                          | ३        | ४                    | ५         | ६          | ७         |    |
| १       | अध्यक्ष                    | ..       | —                    | -         | १          | १         | ०  |
| २       | सदस्य सचिव                 | ..       | (पिबी -४)३७४००-६७००० | १००००     | १          | १         | ०  |
| ३       | जल प्रदूषण निवारण अभियंता  | ..       | १५६००-३९१००          | ७६००      | १          | १         | ०  |
| ४       | हवा प्रदूषण निवारण अभियंता | ..       | १५६००-३९१००          | ७६००      | १          | १         | ०  |
| ५       | प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी   | ..       | १५६००-३९१००          | ७६००      | १          | १         | ०  |
| ६       | मुख्य लेखा अधिकारी         | ..       | १५६००-३९१००          | ७६००      | १          | १         | ०  |
| ७       | सहायक सचिव (तांत्रिक)      | ..       | १५६००-३९१००          | ७६००      | १          | १         | ०  |
| ८       | वरिष्ठ विधी अधिकारी        | ..       | १५६००-३९१००          | ७६००      | २          | ०         | २  |
| ९       | वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी   | ..       | १५६००-३९१००          | ६६००      | १          | ०         | १  |
| १०      | कार्यकारी अभियंता          | ..       | १५६००-३९१००          | ६६००      | १          | १         | ०  |
| ११      | सामुग्री अधिकारी           | ..       | १५६००-३९१००          | ६६००      | १          | ०         | १  |
| १२      | प्रादेशिक अधिकारी          | ..       | १५६००-३९१००          | ६६००      | १५         | १५        | ०  |
| १३      | विधी अधिकारी               | ..       | १५६००-३९१००          | ६६००      | २          | २         | ०  |
| १४      | वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी   | ..       | १५६००-३९१००          | ६६००      | ३          | १         | २  |
| १५      | उप-प्रादेशिक अधिकारी       | ..       | १५६००-३९१००          | ५४००      | ५५         | ५३        | २  |
| १६      | सांख्यिका अधिकारी          | ..       | १५६००-३९१००          | ५०००      | १          | ०         | १  |
| १७      | सहायक सचिव (आस्थापना)      | ..       | १५६००-३९१००          | ५०००      | १          | १         | ०  |
| १८      | खाजगी सचिव                 | ..       | ९३००-३४८००           | ५०००      | २          | ०         | २  |
| १९      | प्रशासकीय अधिकारी          | ..       | १५६००-३९१००          | ५०००      | १          | १         | ०  |
| २०      | वैज्ञानिक अधिकारी          | ..       | १५६००-३९१००          | ५०००      | ९          | ५         | ४  |
| २१      | लेखा अधिकारी               | ..       | १५६००-३९१००          | ५०००      | २          | २         | ०  |
| २२      | कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी   | ..       | ९३००-३४८००           | ४४००      | २६         | १९        | ७  |
| २३      | सहायक लेखा अधिकारी         | ..       | ९३००-३४८००           | ४४००      | ११         | १         | १० |
| २४      | सहायक विधी अधिकारी         | ..       | ९३००-३४८००           | ४४००      | ३          | १         | २  |
| २५      | उप-अभियंता                 | ..       | ९३००-३४८००           | ४४००      | १          | ०         | १  |
| २६      | वरिष्ठ लघुलेखक             | ..       | ९३००-३४८००           | ४४००      | ५          | ५         | ०  |
| २७      | कनिष्ठ लघुलेखक             | ..       | ९३००-३४८००           | ४३००      | २७         | ८         | १९ |
| २८      | क्षेत्र अधिकारी            | ..       | ९३००-३४८००           | ४३००      | २०४        | १३१       | ७३ |

तक्ता - ६. चालू  
TABLE - VI contd.

| अ. क्र.     | पदनाम                  | वेतन बँड   | ग्रेड वेतन | मंजूर पदे  | भरलेली पदे | रिक्त पदे  |
|-------------|------------------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| १           | २                      | ३          | ४          | ५          | ६          | ७          |
| २९          | प्रमुख लेखापाल         | ९३००-३४८०० | ४३००       | २०         | १०         | १०         |
| ३०          | विधी सहायक             | ९३००-३४८०० | ४३००       | ४          | ०          | ४          |
| ३१          | कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक | ९३००-३४८०० | ४२००       | ४०         | १८         | २२         |
| ३२          | प्रथम लिपीक            | ९३००-३४८०० | ४२००       | १७         | १७         | ०          |
| ३३          | सांख्यिकी सहायक        | ९३००-३४८०० | ४२००       | १          | १          | ०          |
| ३४          | आरेखक                  | ५२००-२०२०० | २८००       | १          | ०          | १          |
| ३५          | क्षेत्र निरीक्षक       | ५२००-२०२०० | २८००       | ४२         | ०          | ४२         |
| ३६          | वरिष्ठ लिपिक           | ५२००-२०२०० | २४००       | ५०         | ३८         | १२         |
| ३७          | सहायक आरेखक            | ५२००-२०२०० | २४००       | २          | ०          | २          |
| ३८          | वीजतंत्री              | ५२००-२०२०० | २४००       | २          | १          | १          |
| ३९          | अनुरेखक                | ५२००-२०२०० | २०००       | ६          | १          | ५          |
| ४०          | प्रयोगशाळा सहायक       | ५२००-२०२०० | २०००       | ७          | ३          | ४          |
| ४१          | कनिष्ठ लिपीक/टंकलेखक   | ५२००-२०२०० | १९००       | ६४         | ३१         | ३३         |
| ४२          | वाहन चालक              | ५२००-२०२०० | १९००       | ७४         | ४४         | ३०         |
| ४३          | उपकरण जोडारी           | ५२००-२०२०० | १९००       | १          | ०          | १          |
| ४४          | दफ्तरी                 | ५२००-२०२०० | १९००       | १४         | ०          | १४         |
| ४५          | नाईक                   | ४४४०-७४४०  | १६००       | २          | ०          | २          |
| ४६          | चक्रमुद्रणयंत्रणचालक   | ४४४०-७४४०  | १६००       | १          | ०          | १          |
| ४७          | शिपाई                  | ४४४०-७४४०  | १३००       | ८८         | २५         | ६३         |
| ४८          | चौकीदार                | ४४४०-७४४०  | १३००       | २०         | ९          | ११         |
| ४९          | सफाईगार                | ४४४०-७४४०  | १३००       | ३          | ३          | ०          |
| <b>एकूण</b> |                        |            |            | <b>८३९</b> | <b>४५४</b> | <b>३८५</b> |

तक्ता - ६. चालू (अ)  
TABLE - VI contd.

मंडळाच्या आस्थयी आस्थापनेवरील दि. ३१/१२/२०२३ रोजी असलेली दि. ३१/१२/२०२३ रोजी असलेली पदांची स्थिती

| अ. क्र.     | पदनाम                  | वेतन बँड   | ग्रेड वेतन | मंजूर पदे | भरलेली पदे | रिक्त पदे |
|-------------|------------------------|------------|------------|-----------|------------|-----------|
| १           | २                      | ३          | ४          | ५         | ६          | ७         |
| १           | कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक | ९३००-३४८०० | ३५४००      | -         | ११         | -         |
| २           | प्रयोगशाळा सहायक       | ५२००-२०२०० | २१७००      | -         | ५          | -         |
| ३           | कनिष्ठ लिपीक           | ५२००-२०२०० | १९९००      | -         | ४          | -         |
| ४           | वाहन चालक              | ४४४०-७४४०  | १५०००      | -         | ३          | -         |
| <b>एकूण</b> |                        |            |            | <b>-</b>  | <b>२४</b>  | <b>-</b>  |

तक्ता - ७

## TABLE - VII

मंडळाची कार्यालये व त्यांची कार्यक्षेत्रे

## BOARD'S OFFICE AND THEIR JURISDICTIONS

मुख्य कार्यालय

HEAD OFFICE

कल्पतरु पॉईंट, ४ था सायन माटुंगा स्किम रोड क्र. ८ सायन सर्कल समोर,  
सायन (पूर्व) मुंबई ४०० ०२२.

**Kalpataru Point, 3rd and 4th Floor Sion Matunga Scheme Road No. 8 Opp.  
Sion Circle, Sion-East, Mumbai 400 022.**

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता  | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग  |
|--------|--|---|
| १      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय-मुंबई</b><br/>उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-१<br/><br/>उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-२<br/>उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-३<br/>उप प्रादेशिक अधिकारी, मुंबई-४</p>                | <p><b>मुंबई महानगरपालिका विभाग</b><br/>मुंबई बेट, प्रभाग क्र. अ. ब. क. ड. व फ (दक्षिण) फ (उत्तर) जी. (दक्षिण)<br/>आणि जी (उत्तर)<br/><br/>मुंबई उपनगर विभाग, एम/एच (पश्चिम) एच/एच (पूर्व) आणि एल<br/>मुंबई उपनगर विभाग, के (पूर्व), के (पश्चिम) एस,एन, आणि पी (दक्षिण)<br/>मुंबई उपनगर विभाग, पी (उत्तर), आर (उत्तर) आर(दक्षिण) आणि ट विभाग</p>       |
| २      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय-ठाणे</b><br/>उप प्रादेशिक अधिकारी, ठाणे-१<br/>उप प्रादेशिक अधिकारी, ठाणे-२<br/><br/><b>उप-प्रादेशिक अधिकारी, तारापूर-१</b><br/>उप-प्रादेशिक अधिकारी, तारापूर-२</p>        | <p><b>ठाणे जिल्हा</b><br/>ठाणे महानगरपालिका, वागळे इस्टेट एम.आय.डी.सी.<br/>ठाणे तालूका, ठाणे महानगरपालिका विभाग, मीरा भाईंदर आणि वसई<br/>विरार महानगरपालिका आणि पालघर जिल्ह्यातील वसई तालूका<br/>तारापूर एम.आय.डी.सी. आणि संबंधित विभाग<br/>डहाणू, तलासारी, मोखाडा, जव्हार, विक्रमगड आणि पालघर तालुक्यातील<br/>(उप प्रा.का. १ कार्यक्षेत्र वगळता)</p> |
| ३      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय - कल्याण</b><br/><br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण - १<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण - २<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण - ३<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, भिवंडी</p> | <p>कल्याण, भिवंडी, उल्हासनगर, बदलापूर, वाडा मुरबाड आणि ठाणे जिल्ह्याचा<br/>शहापूर तालूका<br/>कल्याण भिवंडी तालूका<br/>उल्हासनगर, बदलापूर तालूका<br/>वाडा तालूका (पालघर जिल्हा), मुरबाड, शहापूर तालूका (ठाणे जिल्हा)<br/>सारवली एम.आय.डी.सी. आणि भिवंडी तालूका (ठाणे जिल्हा), भिवंडी<br/>महानगरपालिका</p>  |
| ४      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय - नवी मुंबई</b><br/><br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई - १<br/><br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई - २<br/><br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, तळोजा</p>                     | <p>ठाणे व रायगड जिल्हा व उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई अंतर्गत येणारे<br/>कार्यक्षेत्र<br/>सिबीडी बेलापूर, शिरवणे, नेरुळ, सीऊड, जुईनगर, तुर्भे, पवने, वाशी,<br/>खैरने (उप)<br/>ऐरोली, रबाळे, घणसोली, महापे आणि एम.आय.डी.सी. खैरने (उप)<br/>दिघा, दहिसर मोरी पिंपरी उत्तरशीव घोटेघर<br/>एम.आय.डी.सी. तळोजा, उरण तालूका</p>                          |

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता  | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग   |
|--------|--|--|
| ५      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय - रायगड</b></p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड-१</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड-२</p> <p><b>उप-प्रादेशिक कार्यालय - महाड</b></p>  | <p>रायगड जिल्हा व उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड अंतर्गत येणारे कार्यक्षेत्र</p> <p>खालापूर व पनवेल तालुका (एमआयडीसी तळोजा वगळता)</p> <p>पेण, कर्जत, रोहा, अलिबाग, मुरुड जंजिरा तालुका</p> <p>महाड, माणगाव, श्रीवर्धन, पोलादपूर आणि टाळा तालुका</p>  |
| ६      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय - पुणे</b></p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, पुणे-१</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, पुणे-२</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, पिंपरी चिंचवड</p> <p><b>उप-प्रादेशिक कार्यालय - सातारा</b></p> <p><b>उप-प्रादेशिक कार्यालय - सोलापूर</b></p> | <p>पुणे जिल्हा</p> <p>हवेली (पुणे महानगरपालिका मर्यादीत) भोर, पुरंदर, बारामती, इंदापूर आणि दौंड कॉरपोरेशन -१, आणि कौन्सिल-६</p> <p>हवेली तालुका (पुणे महानगरपालिका व पिंपरी -चिंचवड महानगरपालिका क्षेत्र वगळता.) पुणे जिल्ह्यातील खेड, मुळशी, आंबेगाव, जुन्नर, मावळ आणि शिरूर तालुका.</p> <p>पिंपरी चिंचवड महानगरपालिका विभाग, एम.आय.डी.सी. पिंपरी, भोसरी आणि आकुर्डी यासह)</p> <p>सातारा जिल्हा (११ तालुके) सातारा, कऱ्हाड, फलटण, वाई, महाबळेश्वर, खंडाळा, मन, खटाव, पाटण, जावळी कोरेगाव, कॉन्सिल-०९</p> <p>सोलापूर जिल्हा</p>            |
| ७      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय - कोल्हापूर</b></p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, कोल्हापूर</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, रत्नागिरी</p> <p><b>उप-प्रादेशिक कार्यालय - चिपळूण</b></p> <p><b>उप-प्रादेशिक कार्यालय - सांगली</b></p>                                   | <p>सांगली, कोल्हापूर, सिंधुदुर्ग जिल्हा</p> <p>कोल्हापूर जिल्हा</p> <p>रत्नागिरी जिल्हा, राजापूर, रत्नागिरी, लांजा आणि संगमेश्वर तालुका</p> <p>सिंधुदुर्ग जिल्हा, कुडाळ, कणकवली, सांवतवाडी, वेर्गुला, मालवण, वैभववाडी, देवगड दोडामार्ग हे तालुके</p> <p>रत्नागिरी जिल्ह्यातील चिपळूण, गुहागर, खेड, दापोली, मंडणगड तालुका</p> <p>सांगली जिल्हा, मिरज, वालवा, शिराळा, आटपाटी, तासगाव, खानापूर, कडेगाव, पालूस, जत आणि कवठेमहाकाळ</p>  |
| ८      | <p><b>प्रादेशिक कार्यालय - नाशिक</b></p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, नाशिक</p> <p><b>उप प्रादेशिक कार्यालय, जळगाव</b></p> <p><b>उप प्रादेशिक कार्यालय, धुळे</b></p> <p><b>उप प्रादेशिक कार्यालय, अहमदनगर</b></p>   | <p>नाशिक, अहमदनगर, जळगाव, धुळे, नंदुरबार जिल्हा</p> <p>नाशिक जिल्हा</p> <p>जळगाव जिल्हा जळगाव महानगरपालिका, भुसावळ, फैजपूर, सावडा, रावेर, पाचोरा, धरणगाव, चाळिसगाव, चोपडा, अमळनेर, भडगाव, जामनेर, यावल, वरणगाव</p> <p>धुळे जिल्हा</p> <p>धुळे, शिरपूर, साक्री आणि सिंधखेडा, अवधान एम.आय.डी.सी. आणि नारदाना एम.आय.डी.सी. नंदुरबार जिल्हा - नुदुरबार, नवापूर, शहादा, तळोदा, धाडगाव आणि अक्कलकुपा, नवापूर एम.आय.डी.सी. क्षेत्र</p> <p>अहमदनगर जिल्हा</p> <p>अहमदनगर, नेवासा, श्रीरामपूर, संगमनेर, पारनेर, कोपरगाव हे एम.आय.डी.सी. क्षेत्र</p> |

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता   | कार्यालयांतर्गत येणारे विभाग  |
|--------|---|---|
| ९      | <p>प्रादेशिक कार्यालय - छत्रपती संभाजीनगर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, छत्रपती संभाजीनगर</p> <p>उप -प्रादेशिक कार्यालय - जालना</p> <p>उप -प्रादेशिक कार्यालय - लातूर</p> <p>उप -प्रादेशिक कार्यालय - परभणी</p> <p>उप -प्रादेशिक कार्यालय - नांदेड</p> | <p>छत्रपती संभाजीनगर, जालना, परभणी, हिंगोली, नांदेड, बीड धाराशिव<br/>छत्रपती संभाजीनगर जिल्हा</p> <p>जालना व बीड (बीडचा परळी तालूका वगळता)</p> <p>लातूर, धाराशिव जिल्हा</p> <p>परभणी हिंगोली आणि बीड जिल्हा बीडचा परळी वैजनाथ तालूका<br/>नांदेड जिल्हा</p>  |
| १०     | <p>प्रादेशिक कार्यालय - नागपूर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर-१</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर-२</p> <p>उप -प्रादेशिक कार्यालय - भंडारा</p>  | <p>नागपूर, वर्धा, भंडारा, गोंदीया जिल्हा</p> <p>नागपूर शहर, कामठी, काटोल, कळमेश्वर, नरखेड, रामटेक, सावनेर,<br/>पारशिवणी</p> <p>नागपूर ग्रामिण तालूका</p> <p>हिंगणा, मौदा, नागपूर जिल्ह्यातील उमरेड, कुही भिवापूर आणि<br/>वर्धा तालूका</p> <p>भंडारा आणि गोंदीया जिल्हा</p>  |
| ११     | <p>प्रादेशिक कार्यालय - चंद्रपूर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर</p>  | <p>चंद्रपूर, गडचिरोली जिल्हा यवतमाळ जिल्हा</p> <p>चंद्रपूर जिल्हा, यवतमाळ आणि गडचिरोली जिल्हा चंद्रपूर एम.आय.डी.सी.<br/>चंद्रपूर, तडाली, घुग्गुस, वरोरा यवतमाळ, मुल, भद्रावती, चिमुर्, गडचांदुर,<br/>नागभिड, गडचिरोली, कोटगळ,</p> <p><b>कोळसा खाणी</b></p> <p>चंद्रपूर, भद्रावती, बल्लारपूर, राजूरा आणि वरोरा पश्चिम कोळसा क्षेत्र</p>  |
| १२     | <p>प्रादेशिक कार्यालय - अमरावती<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, अमरावती-१</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, अमरावती-२</p> <p>उप प्रादेशिक कार्यालय, अकोला</p>  | <p>अमरावती, अकोला, बुलडाण, वाशिम</p> <p>अमरावती जिल्हा</p> <p>अमरावती, अचलपूर, चांदुर बाजार, तिवसा, दर्यापूर अंजनगावसुरजी,<br/>चांदुर रेल्वे, धामणगाव रेल्वे मोर्शी, वरुड, नांदगाव खांदेश्वर, भातकुली,<br/>धारणी, चिखलदरा</p> <p>वाशिम जिल्हा</p> <p>वाशिम मंगळूरपीर, रिसोड, मानोरा, मालेगाव, कारंजा लाड</p> <p>अकोला जिल्हा</p> <p>अकोला, बाळापूर, पातूर, अकोट, मुर्तीजापूर, बार्शी टाकळी</p> <p>बुलडाण, जिल्हा</p> <p>बुलडाणा, चिखली, मेहकर, लोणार, शेगाव, सिंदखेडराजा, देऊळगावराजा,<br/>खामगाव, नांदुरा, मलकापूर, मोताळा</p> |



**प्रयोगशाळा  
LABORATORY**

| अ.क्र. | कार्यालयाचे नाव व पत्ता                 | कार्यालयांतर्गत येणारे कार्यक्षेत्र   |
|--------|---|---|
| (१)    | मध्यवर्ती प्रयोगशाळा                    | <p>प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, मुंबई-१/२/३/४)</p> <p>प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई<br/>(उप प्रादेशिक कार्यालय, नवी मुंबई-१/२/तळोजा)</p> <p>प्रादेशिक कार्यालय, रायगड<br/>(उप प्रादेशिक कार्यालय, रायगड-१/२)</p> <p>प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण<br/>(उप प्रादेशिक कार्यालय, कल्याण-१/२/३/भिवंडी)</p> |
| २      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, ठाणे              | <p>प्रादेशिक कार्यालय, ठाणे<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, ठाणे-१/२<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, तारापूर-१/२</p>  |
| ३      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, पुणे              | <p>प्रादेशिक कार्यालय, पुणे<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, पुणे १/२/पिंपरी/चिंचवड/सोलापूर/सातारा</p>  |
| ४      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चिपळूण.           | <p>प्रादेशिक कार्यालय, कोल्हापूर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, कोल्हापूर/ रत्नागिरी/सांगली/चिपळूण<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, महाड</p>  |
| ५      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नाशिक             | <p>प्रादेशिक कार्यालय, नाशिक<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, नाशिक/ जळगाव /धुळे/अहमदनगर</p>  |
| ६      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, छत्रपती संभाजीनगर | <p>प्रादेशिक कार्यालय, छत्रपती संभाजीनगर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, छत्रपती संभाजीनगर/लातूर/नांदेड/परभणी/जालना</p>  |
| ७      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, नागपूर            | <p>प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, नागपूर-१/२/भंडारा<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, अमरावती-१/२/ अकोला<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर<br/>(फक्त पाण्याचे नमुने)</p>  |
| ८      | प्रादेशिक प्रयोगशाळा, चंद्रपूर          | <p>प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर<br/>उप प्रादेशिक कार्यालय, चंद्रपूर</p>   |